शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

मुख्य आकर्षण

- रीझ रंग शोभा यात्रा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियां
- आदिवासी पुस्तक मेला
- आदिवासी कवि सम्मेलन
- वृत्तचित्र स्क्रीनिंग
- कला-शिल्प प्रदर्शनी
- परिधान फैशन शो
- खान-पान
- लेजर शो

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

समृद्ध **आदिवासी जीवन दर्शन** की झलकियां

9 एवं 10 अगस्त 2024

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

दो दिन तक होंगे कई कार्यक्रम, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के जनजातीय समूह लेंगे हिस्सा, 32 जनजातीय समूह पेश करेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

हेमंत सरकार तीसरा भव्य आदिवासी महोत्सव आज, शिबू सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार का तीसरा झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का आयोजन विश्व आदिवासी दिवस नौ अगस्त पर बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में होगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष व पूर्व सीएम शिबू सोरेन होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे, जबकि कार्यक्रम में आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल अंसारी समेत इंडिया गठबंधन के कई नेता एवं मंत्री हिस्सा लेंगे. दो दिनों तक कई कार्यक्रम होंगे. इसमें झारखंड समेत कई राज्यों के जनजातीय समुह के लोग हिस्सा लेंगे और अपनी कला-संस्कृति का प्रस्तुतीकरण करेंगे. कार्यक्रम में आतिशबाजी एवं भव्य लेजर शो का आयोजन किया जाएगा.

निकाली जाएगी विशाल शोभायात्रा, बटेंगे वनपट्टा : नौ अगस्त को कार्यक्रम दिन के 12 बजे से शुरू होगा. 32 आदिवासी जनजातियों के द्वारा करम टोली धुमकुडिया भवन से रीझ-रंग शोभायात्रा निकाली जाएगी जो बिरसा मुंडा स्मृति पार्क तक पहुंचेंगी. इस टीम के द्वारा शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत किया जाएगा. मुख्य द्वार पर पारंपरिक लोटा पानी से अतिथियों का स्वागत होगा. इसके बाद अतिथि लगाए गए शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर एवं आदिवासी व्यंजन के शिविर का उदघाटन करेंगे. मुख्य अतिथि द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा.

खास बातें

- बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में उतरेगी आदिवासी परंपरा
- आदिवासी फैशन-शो के अलावा होंगे कई कार्यक्रम

आज मोनिका मुंडू नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी

कार्यक्रम में मिजोरम की टीम पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेंगी. प्रसिद्ध नागपुरी गायिका मोनिका मुंडू आधुनिक नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी. परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा ट्राइबल कल्चर इन फ्रैमगैम स्टाइल्स इन फैशन शो प्रस्तुत करेंगे. आसाम, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ से आए दल पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेंगे. अखड़ा दर्शन के तहत आठ जनजातीय समुह गीत-नृत्य प्रस्तुत करेंगे. पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासक गाथा नृत्यनाटिका वर्षा लकड़ा एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. संथाली बैंड आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोम मरांडी द्वारा प्रस्तुत किया जाएसगा. झारखंड झरोखा कार्यक्रम के तहत आदिवासी फैशन शो होगा.

कल दिन भर होगा रंगारंग कार्यक्रम, समापन शाम को

10 अगस्त को सुबह 11 बजे से शाम को तीन बजे तक कई कार्यक्रम होंगे. नागपुरी बैंड के साथ आधुनिक नागपुरी एवं कुडुख गीत की प्रस्तुती होगी. त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व असम से आए कलाकार आदिवासी नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत करेंगे. झारखंड का फिरकाल नृत्य की प्रस्तुति होगी. राजस्थानी पारंपरिक आदिवासी नृत्य होगा. झारखंड रंगारंग महोत्सव के तहत झारखंड के सात क्षेत्रीय एवं जनजातीय गीत नृत्य का कार्यक्रम होगा.

रांची विश्वविद्यालय के कार्यक्रम जोहार संगी -24 में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा-

पढ़ाई के लिए बना है बेहतर माहौल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है. ऐसे में अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें, यह हमारा प्रयास होना चाहिए. साथ ही, जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए. अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए. जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाए, आदर्श माना जाय. राज्यपाल गुरुवार को विमेंस कॉलेज में रांची यूनिवर्सिटी में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कल विश्व आदिवासी दिवस है. मुझे खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इंनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है.

आरयू के कार्यक्रम में ढोलक बजाते राज्यपाल.

सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम : राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं. झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झान्हो, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया. इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है. इस अवसर पर मैं इन महान सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की भी परवाह नहीं की.

देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का : हमारे देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का है और अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं. उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है. जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है.

जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत : झारखंड राज्य की 3.28 करोड़ से अधिक की आबादी में, जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत है। राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं, जिनमें 8 प्रकार के पीवीटीजी भी शामिल हैं. अधिकांश जनजाति लोग गांवों में निवास करते हैं और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की विधा होती है. वे कई प्रकार की व्याधियों के उपचार की औषधीय दवा के संदर्भ में जानते हैं.

कई कल्याणकारी योजनाएं की जा रही हैं संचालित : अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं. हमारे जनजाति भाई-बहनों को इन योजनाओं के प्रति पूरी तरह से जागरूक होने की आवश्यकता है, ताकि वे इन योजनाओं से पूर्णतः लाभान्वित हो सकें. उन्हें अपनी संस्कृति और भाषा का भी सम्मान करना चाहिए और इसे संरक्षित रखना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गौरव हो रहा है जनजाति समाज में दहेज-प्रथा नहीं है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है. जनजातियों को शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होने की जरूरत है.

राज्यपाल अब झारखंड के होंगे मतदाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार भी मौजूद रहे. उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल से फॉर्म 8 भरवाया, ताकि उनका नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित हो सके. मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. जल्द राज्यपाल संतोष गंगवार का नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जायेगा और वे झारखंड के मतदाता बन जायेंगे.

विनेश को मदद का ढिंढोरा शर्मनाक : डॉ. अजय कुमार

रांची/जमशेदपुर। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को मात्र 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण महिला कुश्ती 50 किग्रा से अयोग्य घोषित कर दिए जाने पर पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं, जिसकी कहीं कोई चर्चा नहीं होती है. वहीं देश की बेटी विनेश फोगाट जिसने विश्व स्तर पर देश का मान व गौरव बढ़ाया है. सरकार द्वारा उसे दिये गये आर्थिक सहयोग जो मात्र 70.45 लाख है, के संबंध में संसद के पटल पर खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा जिस प्रकार ढिंढोरा पीटा गया वह ना सिर्फ शर्मनाक है बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है. उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के ज्यादा वजन के कारण अयोग्य करार दिए जाने से जब पूरा देश में शोक में डूबा है, दुखी है. ऐसे समय पर देश के खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा संसद में विनेश फोगाट को सरकार द्वारा अब तक दी गई आर्थिक मदद का बखान करना मोदी सरकार की घटिया मानसिकता को दर्शाता है.

कोर्ट की खबरें

धीरज व सत्यम के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने निवर्तमान पार्षद वेद प्रकाश की हत्या के आरोपियों धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है. विधानसभा थाना द्वारा रांची सिविल कोर्ट ने सीजेएम (चीफ ज्यूडीश्यल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ वारंट जारी करने का आग्रह किया था, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया है. वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने वारंट प्राप्त भी कर लिया है. इसके बाद अब आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए दबिश और तेज होगी. बता दें कि पिछले महीने धुर्वा में वेद प्रकाश को शाम में गोली मार दी गई थी. लंबे इलाज के बाद दिल्ली में वेद प्रकाश की तीन अगस्त को मृत्यु हो गई थी.

विनोद-राजकुमार का सरेंडर जमा किये एक लाख के बॉन्ड

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह और इसी केस के दूसरे आरोपी राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. साथ ही कोर्ट में एक लाख के बॉन्ड भी जमा किये हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. जिसके बाद राजकुमार और विनोद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी.

सामान्य स्कूलों के उर्दूकरण पर दायर याचिका पर सुनवाई

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों के उर्दू करण के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि उर्दू स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार को छुट्टी दिए जाने का प्रावधान अविभाजित बिहार के समय से चला आ रहा है. जिसपर अदालत ने सरकार से पूछा कि सामान्य स्कूलों का उर्दूकरण कहा- कहा हुआ है और इनपर क्या कार्रवाई हुई है? सरकार ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने जामताड़ा में सामान्य स्कूल जिनका नाम उर्दू स्कूल के रूप में बदल दिया गया था, उन स्कूलों पर कार्रवाई हुई है और वर्तमान में ये स्कूल सामन्य स्कूल के रूप में संचालित हो रहे हैं.

चुनाव आयोग से मिली मान्यता

जयराम की पार्टी का नाम झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा हुआ

विशेष संवाददाता। रांची

टाइगर जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है. इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेकेएलएम) के नाम से जानी जायेगी. जेकेएलएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/4/2024 है. पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है. उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं. आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है.

जयराम की पार्टी का नये क्षेत्रीय दल के रूप में हुआ उदय : मालूम हो कि लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी. इसी के साथ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का झारखंड में एक नये क्षेत्रीय दल के रूप में उदय हो गया है. आगामी विधानसभा चुनाव में देखना दिलचस्प होगा कि जयराम महतो और उनका राजनीतिक दल किस करवट बैठता है. पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी या फिर किसी गठबंधन में शामिल होंगी.

जयराम महतो.

17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला, आदेश जारी

डॉ कमलेश बने राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

रांची । राज्य सरकार ने 17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. इसमें निदेशक, उपनिदेशक और सिविल सर्जन रैंक के पदाधिकारी शामिल हैं. डॉ कमलेश कुमार को राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. स्वास्थ्य विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

नाम	कहां गए
डॉ वीरेंद्र प्रसाद सिंह	निदेशक परिवार कल्याण
डॉ शशि प्रकाश शर्मा	निदेशक संचारी रोग एवं शोध
डॉ चंद्रप्रकाश चौधरी	निदेशक स्वास्थ्य
डॉ राघवेंद्र नारायण शर्मा	राज्य आरसीएच पदाधिकारी
डॉ आनंद मोहन सोरेन	सिविल सर्जन, जामताड़ा
डॉ नवल कुमार	सिविल सर्जन गुमला
डॉ रामदेव पासवान	सिविल सर्जन सिमडेगा
डॉ दिनेश कुमार	सिविल सर्जन चतरा
डॉ साहिर पॉल	सिविल सर्जन पूर्वी सिंहभूम
डॉ पंकज कुमार	राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ सुशांतो कुमार मांझी	सिविल सर्जन पश्चिमी सिंहभूम
डॉ प्रवीण कुमार संथालिया	सिविल सर्जन साहिबगंज
डॉ वीरेंद्र सिंह	राज्य भीबीडी पदाधिकारी
डॉ अनिल कुमार	राज्य कुष्ठ रोग नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ राजमोहन खलखो	उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं
डॉ अभय भूषण प्रसाद	सिविल सर्जन बोकारो
डॉ कमलेश कुमार	राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने को कर रहा जद्दोजहद : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिये संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

बांग्लादेशी घुसपैठिये के कारण आदिवासी युवा नशाखोरी की चपेट में : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा पूरे संथाल में चल रहा नशाखोरी का खेल युवाओं को बर्बाद कर रहा है. बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

अहम फैसला झारखंड सरकार ने जारी किया संकल्प पत्र

सूबे के पुलिसकर्मियों को भी मिलेगा डीजी प्रशंसा चिह्न

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को भी अब उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न मिलेगा. झारखंड सरकार ने यह निर्णय लिया है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संकल्प पत्र भी जारी कर दिया है. जारी संकल्प पत्र में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को पदक से अलंकृत किया जाता है. इस पदकों के लिए संख्या निर्धारित है. इसकी वजह से कई योग्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी इस पदक से वंचित रह जाते हैं. कई बार राज्य सरकार स्तर से अनुशंसा होने के बावजूद भी भारत सरकार के स्तर से पदकों का अनुमोदन प्राप्त नहीं होने के कारण संबंधित कर्मी पदक से वंचित रह जाते हैं.

120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी होंगे सम्मानित : गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को इन प्रशंसा चिन्ह से सम्मानित किया जा सकेगा. इनमें प्रशंसा चिन्ह रजत, प्रशंसा चिह्न गोल्ड और प्रशंसा चिह्न हीरक शामिल है

अपनी वर्दी पर प्रशंसा चिह्न प्रदर्शित कर सकेंगे पुलिसकर्मी और पदाधिकारी

वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मी और पदाधिकारियों को डीजी द्वारा प्रशस्ति पत्र और प्रशंसा पत्र दिया जाता है. जिसे हर समय प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है. अगर उन्हें प्रशंसा चिह्न मिलता है तो पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का बेहतर उत्साहवर्धन होगा, क्योंकि इसे वो अपनी वर्दी पर प्रदर्शित कर सकेंगे. साथ ही गौरवान्वित महसूस करेंगे. इसलिए राज्य सरकार ने झारखंड पुलिस के भी पदाधिकारियों और कर्मियों को उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है.

क्लासिफाइड

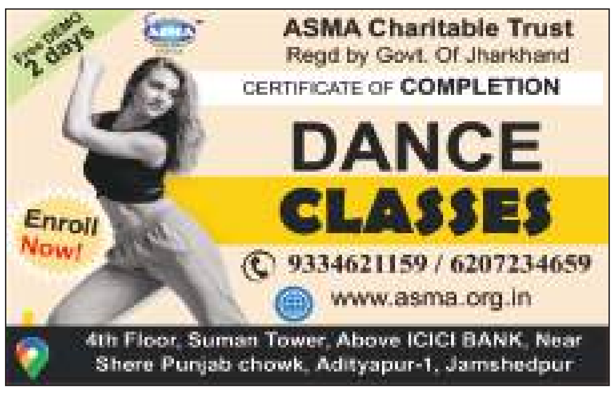

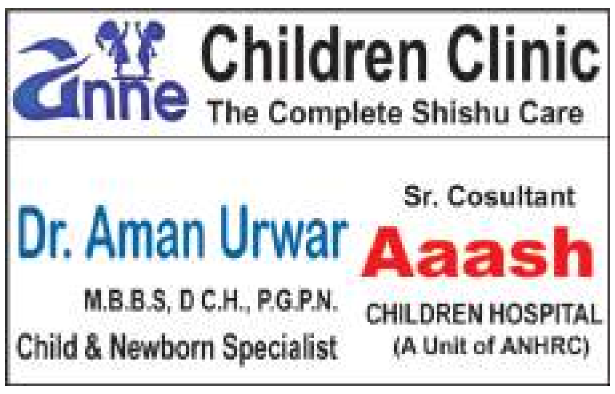

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.4	26.1
जमशेदपुर	32.0	25.2
डालटनगंज	33.5	25.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 122 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को निधन हो गया. वह 80 वर्ष के थे. माकपा के राज्य सचिव मो. सलीम ने यह जानकारी दी. भट्टाचार्य के परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं. उनके निधन पीएम नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी समेत देश के अन्य नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह 8.30 बजे अंतिम सांस ली. भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर दिन में शवगृह में रखा जाएगा और शुक्रवार को माकपा के राज्य मुख्यालय ले जाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. माकपा मुख्यालय से उनका शव अस्पताल ले जाया जाएगा क्योंकि भट्टाचार्य ने पहले ही यह ऐलान किया था कि मृत्यु के बाद उनका शरीर चिकित्सा रिसर्च के लिए समर्पित कर दिया जाए. खबर सुनते ही माकपा समर्थक भट्टाचार्य के आवास पर आ गए. जबकि विभिन्न दलों के नेता उनके फ्लैट पर पहुंचे. वरिष्ठ माकपा नेता साल 2000 में बंगाल के सीएम बने थे. भट्टाचार्य साल 2011 के विस चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी से हार गये और राज्य में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के 34 साल का शासन खत्म हो गया था. ममता बनर्जी ने कहा, पूर्व भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं. एक युग का अंत हो गया है.

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश: जेपीसी को भेजा जाएगा

ये होंगे बड़े बदलाव

वक्फ कानून की जगह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम के नाम से जाना जायेगा.

वक्फ को जमीन सर्वे का अधिकार था, यह अधिकार अब जिला के डीसी को होगा.

केंद्रीय वक्फ परिषद व राज्य स्तर के वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम प्रतिनिधि होंगे.

बोहरा और आगाखानी समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड की स्थापना होगी.

छह महीने के भीतर वक्फ का पंजीकरण सेंट्रल पोर्टल व डाटाबेस पर करना होगा.

वक्फ ट्रिब्यूनल में तीन के बदले दो सदस्य होंगे. ट्रिब्यूनल का आदेश अंतिम नहीं माना जायेगा. 90 दिन के भीतर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है.

कोई भी संपत्ति वक्फ का है या नहीं, इसके फैसले का अधिकार वक्फ बोर्ड को नहीं रहेगा.

अगर किसी व्यक्ति ने 12 साल से अधिक समय से वक्फ की जमीन पर कब्जा कर रखा है, तो वह मालिक बन सकता है.

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया और फिर विपक्ष की मांग पर इसे संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव दिया. इस पर स्पीकर ओम बिरला ने आश्वासन दिया कि कमेटी का गठन जल्द ही कर दिया जाएगा.

इससे पूर्व रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया. विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है. विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए किरेन रिजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के

वक्फ एक नजर में

8.72 लाख संपत्तियां

3.56 लाख जायदादें

9.4 लाख एकड़ जमीन

किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है. आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया. इसके बाद कई संशोधन किए गए. रिजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है, जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा. उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया.

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है. इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसपी (एसपी), एआईएमआईएम, द्रमुक, टीएमसी, माकपा, आईयूएमएल और आरएसपी ने विरोध किया. हालांकि सरकार को अपने सहयोगियों जदयू, तेदेपा, शिवसेना व लोजपा का समर्थन मिला है. रिजीजू ने दावा किया कि इस बिल के जरिए किसी भी धार्मिक बॉडी की स्वतंत्रता में कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया गया है.न ही कोई संविधान का उल्लंघन हो रहा है. - शेष पेज 11 पर

बिहार में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य

पटना । बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि उनके जिलों में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को दिया जाए, ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके. बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है. कानून मंत्री नितिन नवीन ने कहा, सभी डीएम को निर्देश दिया गया है कि वे सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराएं. मैंने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र लिखा है. अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा दिया है. बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के अनुसार, बिहार में सभी सार्वजनिक मंदिरों/मठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के तहत पंजीकृत होना चाहिए. राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,200
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मो. यूनुस ने संभाली बांग्लादेश की सत्ता

ढाका। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ले ली है. यूनुस को राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन में समारोह में पद की शपथ दिलाई. -पेज 12 भी देखें

जिंदगी अब ज्यादा मुश्किल हो गई है

नयी दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद भवन के रिसेप्शन एरिया में जाकर मछुआरों के डेलिगेशन से मुलाकात की. इसे लेकर राहुल ने कहा, हमारा हक बनता है कि हम किसी से भी मिल सकें, लेकिन वे रोक देते हैं. मछुआरों का श्रीलंका का एक मुद्दा है. मैंने किसानों के बारे में कहा, स्पीकर ने हाउस में कहा था कि रोका नहीं जा रहा है, लेकिन फिर रोक रहे हैं. मेरी जिंदगी अब कुछ ज्यादा मुश्किल हो गई है.

रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को बरकरार रखा

मुंबई। रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. इसके अलावा आरबीआई ने चेक क्लीयरेंस और यूपीआई पेमेंट आदि पर भी दिशा-निर्देश जारी किए. - पेज 11 भी देखें

जापान में तगड़ा भूकंप सुनामी की चेतावनी

तोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को रिक्टर पैमाने पर 7.1 की गति से भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए. इसके बाद देश में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है.

ईडी अफसर 20 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में ईडी के एक सहायक निदेशक को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

मुख्यमंत्री ने उलियान में शहीद निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि, कहा

फिर सरकार बनी तो सबको देंगे एक-एक लाख रुपये

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार को गठन के समय से ही अस्थिर करने की कोशिश जारी रखी गई. लेकिन कामयाबी नहीं मिली. अंततः सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है. इन वर्षों में जितना काम आम जनता हित में किया, उतना काम किसी भी सरकार में नहीं हुआ. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जिक्र करते हुए हेमंत ने कहा कि महिलाओं को एक वर्ष में 12 हजार रुपए मिलेंगे. पुनः अगर अगली सरकार बनी, तो यहां के हर नागरिक को एक-एक लाख रुपए मिलेंगें.

सीएम गुरुवार को जमशेदपुर के कदमा उलियान में शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे. कहा कि यहां की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अन्याय किया. पुरानी पेंशन योजना की बजाय नई पेशन योजना लागू की. जिसका पुरजोर विरोध हुआ. लेकिन उनकी सरकार ने 2019 में पुरानी पेंशन योजना को बरकरार रखने का काम किया. कैबिनेट के एक हालिया फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लेक्चरर, प्रोफेसर, शिक्षक व कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे थे. उनकी मांगों को कैबिनेट ने मुहर लगाते हुए पुरानी पेंशन योजना से जोड़ने का निर्णय लिया. इस निर्णय से कई हजार लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है. जबकि केंद्र सरकार इनकी मुस्कान छीन चुकी थी. पेंशन योजना को बुढ़ापे की लाठी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुजुर्गों की लाठी छीनने का काम कर रही है. जबकि उनकी सरकार हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है.

सितंबर से शुरू होगी 5 हजार सिपाहियों की बहाली

विस चुनाव कराने की दी चुनौती

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री लगातार केंद्र सरकार और भाजपा पर बरसते रहे. कहा कि केंद्र की सरकार व भाजपा उनकी सरकार को लगातार परेशान करती रही. कई राज्यों में सरकार गिरायी और बनायी. लेकिन उनका मंसूबा झारखंड में सफल नहीं हो पाया. अंततः झूठे मामले में हमें जेल भेजने का काम किया. लेकिन अदालत से न्याय मिला. उन्होंने कहा कि वे भाजपा के हर कुचक्र का जबाव देने के लिए तैयार हैं. हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि अकेले बहुमत का दंभ भरने वाली भाजपा को आज बैशाखी के सहारे सरकार चलानी पड़ रही है. उस पार्टी की षड़यंत्रकारी नीति का जनता ने जवाब दिया. कहा कि वे चुनौती देते हैं कि अगर आज झारखंड में चुनाव हो जाए, तो यहां से भाजपा का सफाया तय है.

रोजगार देने में जुटी है सरकार

मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा की कि झारखंड में रोजगार देने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है. कई विभागों में रिक्त पदों को भरा गया है. वहीं सिपाही बहाली के लिए आवेदन मांगे गए थे. अब तक 15 लाख आवेदन आए हैं. जिनमें 5 हजार सिपाही की बहाली होगी. बहाली प्रक्रिया सितंबर से शुरू होगी. वहीं उच्च शिक्षा के लिए सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से युवाओं को 15 लाख रुपए दे रही है. इसके लिए किसी गारंटर की जरूरत नहीं है. सरकार गारंटर बन रही है. चार प्रतिशत की ब्याज पर पैसे मिल रहे हैं. पढ़ाई पूरी होने तक पैसे वापस करने की भी चिंता नहीं करनी है. शहादत दिवस समारोह को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक रामदास सोरेन, मंगल कालिंदी, सविता महतो, संजीव सरदार आदि ने भी संबोधित किया. इससे पहले मुख्यमंत्री ने उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो की समाधि पर पुष्प अर्पित कर तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

गोलकीपर श्रीजेश ने ली हॉकी से यादगार विदाई, स्पेन को 2-1 हराया

हॉकी टीम ने जीता कांस्य

एजेंसी। पेरिस

भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है. हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है. टीम इंडिया ने स्पेन को 2-1 से हरा दिया. भारत के लिए दोनों ही गोल हरमनप्रीत सिंह ने किए. टीम इंडिया के दिग्गज गोलकीपर पी श्रीजेश के लिए यह मुकाबला बेहद खास रहा. यह उनके करियर का आखिरी मैच था. मैच समाप्त होते ही श्रीजेश मैदान में लेट गए और धरती को चूम लिया. टीम इंडिया को पेरिस ओलंपिक्स में यह चौथा मेडल मिला है. इससे पहले उसे तीन मेडल शूटिंग में मिले हैं. पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देती हुई दिखीं. लेकिन इसमें एक भी गोल नहीं हो सका. स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में बाजी मार ली. उसके लिए मार्क मिरालेस ने 18वें मिनट में गोल दाग दिया. हालांकि स्पेन की खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दम दिखाते हुए भारत के लिए गोल दाग दिया. इस तरह भारत और स्पेन की टीमें दूसरे क्वार्टर के खत्म होने तक 1-1 की बराबरी पर रहीं. टीम इंडिया तीसरे क्वार्टर में आक्रामक नजर आई. तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने गोल कर दिया. हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाया और गोल कर दिया. खेल खत्म होने तक टीम इंडिया के पास 2-1 की बढ़त रही.

पीएम मोदी ने टीम से की बात

पीएम मोदी ने कैप्टन हरमनप्रीत सिंह समेत पूरी टीम को बधाई दी. पीएम मोदी नेबातचीत की शुरुआत में हरमनप्रीत से कहा, सरपंच साहब, आपको और पूरी टीम को बहुत बधाई. भारत का नाम रोशन किया है. मैंने टोक्यो में कहा था कि आपने पराजय की शृंखला को तोड़ा है. इस बार भी हमने प्रगति की है और हमें पूरा यकीन है कि जो हॉकी का पुराना स्वर्णिम काल था, उसे फिर से वापस लेकर आएंगे. मुझे विश्वास हो गया है. इसके बाद मोदी ने रिटायरमेंट लेने वाले श्रीजेश से भी बात की और पूछा कि कैसे हो भैया. मोदी ने कहा कि मुझे लगता है कि हॉकी को समझने वाला हर बच्चा इसको याद रखेगा और इसे उदाहरण की तरह माना जाएगा. देश को गर्व हो रहा है आप पर. -पेज 10 भी देखें

मां, कुश्ती जीत गई, मैं हार गई, माफ करना...

भावुक विनेश फोगाट ने खेल को अलविदा कहा

एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराये जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है. विनेश को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था.

उन्होंने 'एक्स' पर संन्यास की घोषणा की. अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई. माफ करना. आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके. इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब. दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, अलविदा कुश्ती 2001-2024. मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी. मुझे माफ कर दीजिए. विनेश ने खेल पंचाट (कैस) में खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की है और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए. ओलंपिक खेलों के दौरान उत्पन्न किसी भी विवाद के समाधान के लिए यहां खेल पंचाट स्थापित किया गया है, जो अगले कुछ घंटों में उनकी अपील पर सुनवाई करेगा. विनेश ने दिन का एक बड़ा हिस्सा खेल गांव के अस्पताल में बिताया, क्योंकि वजन कम करने के उपाय से उनके शरीर में पानी की कमी हो गई. इन उपायों में भूखा रहना, तरल पदार्थों से परहेज करना और पसीना बहाने के लिए पूरी रात जागना शामिल था.

घुसपैठ पर हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार, कहा

यह देश की सुरक्षा का सवाल है

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- टिप्पणी : घुसपैठिए देश में घुस जाएंगे तब आप जागेंगे

झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा शपथ पत्र दाखिल नही किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की. मौखिक कहा कि देश में घुसपैठ करने वालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी. अभी

बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है. ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी. कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है, यह देश की सुरक्षा का सवाल है. जो आ रहे हैं उनको रोकिए और जो यहां आकर बसे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजने की पहल करें.

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है. सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश की आलोक में 6 जिलों के उपयुक्त (डीसी) द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई. शेष पेज 11 पर

अंबानी परिवार नंबर 1 बजाज नंबर दो

मुंबई। अंबानी परिवार 25.75 लाख करोड़ के साथ देश का सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय बना है. गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की सूची में बजाज परिवार 7.13 लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है. बिरला परिवार 5.39 लाख करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर है. सूची में अडाणी परिवार का मूल्य 15.44 लाख करोड़ आंका गया है, लेकिन पहली पीढ़ी का व्यवसायी होने से यह मुख्य सूची में शामिल नहीं है. दूसरी पीढ़ी के परिवारों वाली सूची में अडाणी शीर्ष पर हैं.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

मशहूर कृषि वैज्ञानिक घाघ ने कहा है- अंबरझार बहे पुरुआई, तब समझो पावस ऋतु आई. सचमुच इस महीने देश भर में ऐसी ऐसी पुरुवाई बही है कि उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम सब जगह से जल प्रलय जैसी खबरें आ रही हैं. चतुर्दिक जीवन-जीवन की पुकार मची है. जीवन का अर्थ जल भी होती है. लेकिन हमारी संसद पिछले हफ्ते जाति का जंगल राग गा रही थी. बजट पर चर्चा जाति के कर्कश आरोप-प्रत्यारोप पर उतर आई. पता नहीं क्या हो गया है हमारे रहनुमाओं को. उनकी चुनाव की खुमारी शायद अभी उतरी ही नहीं है. उन्होंने संसद को चुनावी मंच बना दिया है. कुछ भी हो भाई लोग अपना राजनीतिक मुद्दा घुसेड़ ही देते हैं. एक तरफ के सलाहकारों ने समझा दिया है कि जाति से ही सत्ता मिलेगी. यह जाति सिर्फ हिन्दुओं की होती है. जाति दूसरे मजहबी समाजों में भी होती है, लेकिन उनकी पहचान जाति से नहीं है. इसलिए हिंदू जातियों में जितना टूटेगा अपने लिए फायदेमंद होगा. जाति एक हकीकत है, लेकिन जमात के बगैर केवल जाति फायदेमंद नहीं होती है. सलाहकारों को इससे कोई मतलब नहीं है कि देश, समाज की सेहत के लिए क्या फायदेमंद है और क्या नुकसानदेह. उन्हें तो सिर्फ गड्ढा खोदना है जिसमें सामने वाला डूब जाए. अभी तो एक नया प्रचलन चल पड़ा है. क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता वह हो गया है जो सबकी जाति पूछता है. सैनिकों की, जजों की, अफसरों की, पत्रकारों की, कामगारों की, किसानों की, युवाओं की और कर्मचारियों की. उनकी योग्यता, क्षमता, आचरण की एक मात्र कसौटी जाति बताई जा रही है. अगर वह सवर्ण है तो काबिल औ इंसाफपसंद हो ही नहीं सकता. ऐसी एक भ्रांत धारणा कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशवादी नेताओं के दिमाग में ठूंस दी गयी है. उनमें से एक महाशय चुनौती भरे लहजे में आए दिन जातीय जनगणना का उद्घोष करते रहते हैं. लेकिन अपने नेतृत्व वाले राज्यों में यह पुनीत कार्य करने का जोखिम नहीं उठाते हैं. कम से कम एक उदाहरण तो पेश कर ही सकते थे. इनके पुरखों ने जातीय गणना को रोक कर रखा. पिछड़ों के आरक्षण की सिफारिशें उन्होंने लागू नहीं की. जब एक राजनीतिक मजबूरीवश लागू भी नहीं हुईं, तो विरोध भी उन्होंने ने ही किया. फिर भी यदि महानुभावों को अब समझ में आ गया है कि पहले जो गलती हो चुकी है, उसे सुधारना देशहित में जरूरी है तो उसका श्रीगणेश स्वयं अपनी पार्टी और स्वयं से जुड़ी संस्थाओं से ही क्यों नहीं करते ? वह बाकायदा एक सूची क्यों नहीं जारी करते कि उनके कितने प्रदेश अध्यक्ष किस जाति के हैं. -शेष पेज 11 पर

आदिवासियों के सभी अधिकारों की सुरक्षा का प्रतीक

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर विशेष

प्रभाकर तिर्की

झारखंड आंदोलनकारी और आजसू के संस्थापक सदस्य

अगस्त 9 को हर वर्ष पूरी दुनिया में आदिवासी दिवस का आयोजन किया जाता है. यह आयोजन आदिवासियों की पारंपरिक समाज व्यवस्था पर आधारित सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधिकारों की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है. आदिवासी दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों के घोषणा पत्र बनाने के लिए गठित कार्यदल की पहली बैठक 9 अगस्त 1982 के यादगार के रूप की गयी. आदिवासी दिवस का मुख्य आधार है संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तैयार किया गया आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र 1993. यह घोषणा पत्र संपूर्ण विश्व के आदिवासी समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक अस्मिता की सुरक्षा और विशिष्ट व विकसित समाज द्वारा राष्ट्रीय नीतियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर आदिवासी जमीन की गैरकानूनी तरीके से लूट, जमीन हथियाने के लिए किये जानेवाले नरसंहारों, उन्हें अपनी सीमाओं के अंदर हाशिये पर ढकेलकर गरीबी व बदहाली का जीवन जाने के लिए मजबूर करने की नीतियों के विरोध में आदिवासी समुदाय को एकजुट करने के लिये प्रेरित करती है. आदिवासियों के साथ भेदभाव व क्रूर तरीके से जुल्म और दमनात्मक कार्रवाइयों से सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय वराष्ट्रीय नियमों द्वारा स्थापित सिद्धांतों के तहत देशज / आदिवासियों को वंचित करने और उन्हें उनके पारंपरिक आर्थिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन से बेदखल करने की नीतियों के विरोध में भी आदिवासी समुदायों को एकजुट करने के लिए प्रेरित करती है.

आदिवासी आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान पर गौर करना जरूरी :

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र- 1993 एक दस्तावेज है, जो दुनिया के तमाम आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक नीति निर्धारण का मार्ग प्रशस्त करती है. वैसे तो भारत में आजादी के साथ ही संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं. परंतु आज के संदर्भ में इन प्रावधानों को अमली जामा पहनाने के लिए किये गये प्रयास संतोषजनक नहीं हैं. भारत के संदर्भ में आदिवासी के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र 1993 पर गहन विचार- विमर्श एक महत्वपूर्ण विषय है. विशेष कर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 (3) क, 29 (च), 243, पंचायतों का उपबंध और अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों का विस्तार अधिनियम 1996, 244(1) पांचवीं अनुसूची, वनाधिकार अधिनियम 2006, 338 आदिवासियों के लिए आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं. -शेष पेज 11 पर

▼ ब्रीफ खबरें

एक्सिस बैंक के अफसरों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया

लातेहार। शहर के बाईपास चौक में छड़ सीमेंट व्यवसाई सुरेंद्र प्रसाद ने एक्सिस बैंक, लातेहार के अधिकारी और कर्मचारियों पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया. इस संबंध में उन्होंने उपायुक्त लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा है. उन्होंने अपने ज्ञापन बताया है कि वह एक चेक लेकर एक्सिस बैंक लातेहार की शाखा गए थे, वहां उनके साथ बैंक के कर्मचारी एवं अधिकारियों ने दुर्व्यवहार किया व हाथ पकड़ कर बैंक से बाहर निकाल दिया. उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों के उसे कारवाई से उन्हें मानसिक आघात पहुंचा है. उन्होंने इसकी जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है.

राजकीयकृत उवि सतबहिनी में किया गया पौधरोपण

ऊंटारी रोड। उंटारी रोड बीआरसी अंतर्गत राजकीय कृत स्तरोन्नत उच्च विद्यालय सतबहिनी में गुरुवार को कई प्रजाति के औषधीय, फलदार व छायादार पौधे के साथ किचन गार्डेन के तहत कई प्रकार के सब्जी व परिसर सौंदर्य में विभिन्न प्रकार के फूल पौधे लगाए गए. पौधरोपण प्रभारी प्रधानाध्यापिका सरिता कुमारी व सहायक शिक्षक राजेश कुमार शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने संयुक्त रूप से किया. शिक्षक श्री शर्मा ने कहा की विद्यालय की सुंदरता व आकर्षक को लेकर पौधरोपण किया गया. उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है. पौधारोपण में विद्यालय के सभी शिक्षक के साथ बाल सांसद के सदस्य उपस्थित थे.

60 कांवरियों का दल देवघर के लिए हुआ रवाना

हरिहरगंज (पलामू)। जिले के हरिहरगंज से गुरुवार को 60 कांवरियों का दल बाबा धाम देवघर के लिए रवाना हुआ. इसके पहले सभी श्रद्धालु भक्तों ने सकुशल यात्रा की मन्नत पूरी होने की उम्मीद के साथ थाना के समीप मेन रोड स्थित महावीर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर माथा टेका. श्रद्धालु अजय कुमार सिंह ने बताया कि सभी कांवरिये भक्त सुल्तानगंज ,देवघर ,बासुकीनाथ, तारापीठ, कोलकाता होते हुए हरिहरगंज लौटेंगे. इस अवसर पर कई गणमान्य लोगों ने सभी के मंगलमय यात्रा के लिए बाबा भोलेनाथ से कामना की.

मनरेगा कर्मियों ने समाहरणालय के समक्ष धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की

18वें दिन भी हड़ताल पर डटे रहे मनरेगा कर्मी

संवाददाता। मेदिनीनगर

हड़ताल पर बैठे मनरेगाकर्मी.

मनरेगाकर्मियों की हड़ताल गुरुवार को 18वें दिन भी जारी रही. मनरेगा कर्मियों ने समाहरणालय के समक्ष धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की.

मनरेगाकर्मी संघ के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि विभाग षड्यंत्र के तहत हमलोगों के साथ छल करने की तैयारी में है. सूचना मिली है कि मानदेय में आंशिक बढ़ोतरी कर सरकार मामला को निपटाना चाहती है, लेकिन स्थायीकरण और वेतनमान के अलावे छोटी-मोटी मांग पूरा करने से हड़ताल समाप्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ब्रिटिश पैटर्न पर सरकार चला रहे हैं, उन्हें आम जनता के दुख-दर्द से अधिक गद्दी से लगाव है. यही कारण है कि मनरेगाकर्मियों की लाचारी का फायदा उठाकर शोषण कर रहे हैं और अपने ही किए वादे से मुकर रहे हैं. विधानसभा चुनाव के वक्त उन्होंने संविदा नामक कोढ़ को खत्म करने का प्रण लिया था, लेकिन सत्ता सुख में लिप्त होकर अपना प्रण भूल गए. मनरेगा कर्मी अन्य सरकारी कर्मियों से अधिक मेहनत करते हैं, लेकिन सरकार ने कभी भी हमारा हित नहीं चाहा. सिर्फ मशीन की तरह हमारा उपयोग किया है. श्रम मंत्रालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन की अनदेखी कर मनरेगाकर्मियों को बंधुआ मजदूर की तरह व्यवहार किया जाता है. आए दिन मनरेगाकर्मी दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं, लेकिन सरकार ने हमारे लिए फूटी कौड़ी देने की व्यवस्था नहीं रखी है. उन्होंने अपनी मांगों को जायज बताते हुए कहा कि सरकार को मनरेगा कर्मियों के साथ संवेदना रखनी चाहिए और नैतिकता के आधार पर हमारी मांगें पूरी करनी चाहिए. धरना में देवेन्द्र उपाध्याय, विकास पांडेय, रामाकांत तिवारी, अख्तर हुसैन, नारद यादव चंद्रशेखर दुबे, अबेदिन अंसारी, विजय राम, अजय कुमार, अशोक दुबे, शम्भू तिवारी, मणिशंकर मिश्रा, ओमप्रकाश गुप्ता, जगत प्रसाद मेहता, राजू कुमार आदि उपस्थित थे.

लातेहार : मनरेगा कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी

लातेहार। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ लातेहार इकाई का अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही. मनरेगा कर्मियों ने 19वे दिन जिला समाहरणालय के समीप धरना देकर विरोध जताया. बता दें कि मनरेगा कर्मियों की हड़ताल से जिले में दीदी बाड़ी योजना, कुआं, टीसीबी, आम बागवानी जैसी मनरेगा की अन्य योजनाएं पंचायतों मे प्रभावित हो गयी है. संघ के जिलाध्यक्ष मेराजुल हक ने कहा कि राज्य के सभी मनरेगा कर्मी वेतनमान बढ़ाने व स्थायीकरण को लेकर मांग की जा रही है. लेकिन सरकार मांग को पूरा नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आश्वासन भी दिया गया था कि आपकी मांगों को पूरा किया जाएगा, लेकिन मांग पूरी नहीं की गयी. संघ के कोषाध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा कि सरकार जब तक हम लोगों के वेतनमान व स्थाई करण की मांग को पूरा नहीं करती है, अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगी.

सतबरवा में मनमानी की कहानी मनरेगा लाभुकों की जुबानी

अफसर और कर्मी मनरेगा योजना में कर रहे मनमानी

संवाददाता। सतबरवा

मनरेगा योजना के कर्मचारियों- पदाधिकारियों की मनमानी का भेंट चढ़ गया रबदा में बन रहा कुआं.

सतबरवा में मनरेगा योजना कर्मचारियों, पदाधिकारियों की मनमानी का भेंट चढ़ गया. मनरेगा में लाभुकों से काम करा कर पैसा के लिए दौड़ाना, ये तो पुरानी बात हो गई है. अब नया मामला मनमानी बरतने का है. ये मामला रबदा पंचायत के रबदा व फुलवरिया का है. रबदा गांव के महेंद्र महतो ने बताया कि वर्ष 2023-24 में मनरेगा से सिंचाई कूप निर्माण की स्वीकृति मिली, कूप की खुदाई का कार्य बरसात आने से पूर्व कर लिया गया, जिसमें मजदूरों को 59 हजार रुपये का भुगतान किया गया. कनीय अभियंता ने एमबी बुक नहीं किया और बीपीओ ने भुगतान का प्रयास नहीं किया, आज-कल कह कर लोग टालते रहे. पैसा नहीं मिलने के कारण कूप निर्माण पूर्ण नहीं हुआ.

अब बारिश होने से कूप धीरे-धीरे मिट्टी से भरता जा रहा है. फुलवरिया के मनरेगा कूप के लाभुक बंधन सिंह ने कहा कि कूप निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, परंतु अभी तक मात्र 35000 का भुगतान मिला है,बाकी पैसा के भुगतान के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं. कार्यालय कर्मियों द्वारा भुगतान में दिलचस्पी नहीं लेने के कारण लोकपाल में अपनी शिकायत दर्ज करवाई. दो अगस्त 2024 को लोकपाल शंकर कुमार ने कूप निर्माण की जांच की, जिसमें पाया गया कि काम में प्रगति के बावजूद भुगतान नहीं होना लापरवाही दर्शाता है. लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिले के पदाधिकारी को अग्रसारित किया जाएगा.

रेवारातू के सिंचाई कूप लाभुक परेशान

रेवारातू के मोहम्मद अजमेर ने बताया कि मुझे सिंचाई कूप बनाने के लिए 2019-20 में स्वीकृति मिली, जिसका प्राक्कलन 3 लाख 78 हजार की थी. कूप बनकर तैयार हो गया. पैसा भुगतान कराने को लेकर लगातार प्रयास करने के बाद मात्र मजदूरी भुगतान एक लाख 30 हजार, सामग्री का एक लाख 11 भुगतान किया गया. बाकी भुगतान के लिए लगातार मुझे दौड़ाया गया. कार्यालय से पीसी की मांग की जाने लगी. मजबूर होकर एसीबी से शिकायत की. 20 जुलाई 2021 को एसीबी ने 5000 घूस लेते रोजगार सेवक जगदीप कुजूर को गिरफ्तार किया. अजमेर ने बताया कि एसीबी से शिकायत करना महंगा पड़ गया. एक लाख 37 हजार रुपये आज भी बकाया है. कोई सुनने वाला नहीं है.

मानसिक-शारीरिक दिव्यांगता वाले दो बच्चों की पहचान

मेदिनीनगर। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मानसिक व शारिरिक दिव्यांगता वाले बच्चों को पहचान करने को ले जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसके तहत गुरुवार को हैदरनगर प्रखंड के बेलासपुर गांव के दो बच्चे को पीएलभी भोलेनाथ शर्मा के द्वारा चिन्हित किया गया. उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने दी.

रेलवे स्टेशन पर चंपत राय का हुआ स्वागत

मेदिनीनगर। राजधानी एक्सप्रेस से रांची जाने के क्रम में डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर हिंदुत्व के पुरोधा विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय का विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल पलामू के सदस्यों ने भव्य स्वागत किया गया. इस दौरान श्री राय ने स्थानीय कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया और उन्हें संगठन के काम में तन्मयता से संलग्न रहने के लिए प्रेरित किया.बता दें कि चंपत राय एक भारतीय राजनीतिज्ञ और वर्तमान में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव के रूप में कार्यरत हैं. श्री राय का जन्म 18 नवंबर 1946 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की नगीना तहसील में हुआ और वे 10 भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं. बहुत कम उम्र में ही वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और संघ के विचारों का खूब प्रचार-प्रसार किया.

न्यूज अपडेट ▼

विजय शर्मा बने भाजपा सतबरवा मंडल अध्यक्ष

सतबरवा। विजय शर्मा सतबरवा मंडल अध्यक्ष बनाए गए हैं. भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें मिठाई खिलाकर इसकी बधाई दी. विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा ने कहा कि पूर्व में भी शर्मा मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं. उनके कार्यकाल में भाजपा को मजबूती मिली थी. एक बार फिर इन्हें भाजपा मंडल अध्यक्ष का दायित्व मिला है. ये भाजपा को मजबूत बनाने में बेहतर कार्य करेंगे, यह उम्मीद है. युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष पप्पू सिंह, महेश्वर सिंह,अजय उरांव समेत कई लोगों ने विजय शर्मा को बधाई दी है.

चंदवा में सोनू फोटोकॉपी दुकान का हुआ उद्घाटन

चंदवा (लातेहार)। जिला परिषद कांप्लेक्स बस स्टैंड मेन गेट के बगल में बुधवार को सोनू फोटो कॉपी दुकान का उदघाटन किया गया. उद्घाटन भाजपा नेता राजकुमार पाठक ने फीता काटकर किया. उद्घाटन के अवसर पर दुकान मालिक ने कहा यहां पर ग्राहकों को उचित मूल्य पर यहां की सभी सेवाएं मिलेगी. इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दुकान दार सोनू को निरंतर आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दिया. मौके पर युवा समाजसेवी रिकी वर्मा, सत्येंद्र यादव व मोनू साव समेत दर्जनाधिक लोग उपस्थित थे.

मुरमाकलां के 36 किसानों के बीच बीज का वितरण

उंटारी रोड (पलामू)। जिले के उंटारी रोड प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गुरुवार को मुरमाकलां पंचायत के 21 किसान को मक्का का बीज व 15 किसान को बादाम का बीज का वितरण किया गया. बीडीओ आशा साहु, जिला पार्षद अरबिंद सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज पासवान, एटीएम अनिल मेहता ने संयुक्त रूप से बीज वितरण किया. वहीं ज़िला पार्षद अरविंद सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा दिया जाने वाला निः शुल्क बीज वितरण किया जा रहा है.

कांग्रेस पार्टी जो कहती है, वह करती है : बिट्टू पाठक

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने राज्य के कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने पलामू समेत राज्य के किसानों का 2 लाख रुपया तक केसीसी लोन माफ करने पर आभार जताते हुए कहा कि पलामू कृषि प्रधान जिला है. यहां पर उद्योग धंधे नहीं होने के कारण अधिकांश आबादी जीवन यापन के लिए कृषि पर निर्भर है. रैनशेडो इलाके में आने के कारण पलामू जिले में बराबर सुखाड़ के हालात बने रहे हैं. श्री पाठक ने कहा कि साल 2022 में पलामू के सुखाड़ पीड़ितों को सरकार की ओर से राहत राशि भी मिली थी, लेकिन साल 2023 में सुखाड़ घोषित होने के बाद भी पलामू जिला के किसानों को सुखाड़ राहत की राशि नहीं मिल सकी.

7.83 लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य: सिविल सर्जन

जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प लेते पदाधिकारी.

संवाददाता। लातेहार

आगामी दस अगस्त से जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जायेगा. अपने कार्यालय वेश्म में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सिविल सर्जन डा अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि जिले के 921 ग्रामों में सात लाख 93 हजार 685 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाइयों खिलाने का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए 124 पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. 1054 बूथ बनाये गये हैं. बताया कि इसके लिए डीईसी एवं आईभरमेंक्टिन की 1984214 एवं एलबेंडोजेल की 902410 गोलियों की आवश्यकता हैं. सीएस ने आगे कहा कि फाइलेरिया का कोई इलाज नहीं है, जागरूकता से ही इससे बचा जा सकता है. इसके लिए 10 अगस्त को लातेहार सदर अस्पताल परिसर से अभियान की शुरुआत की जाएगी. 11 अगस्त से सेविका व स्वास्थ्य सहिया द्वारा घर-घर जाकर फाइलेरिया की दवाई खिलाई जाएगी. यह अभियान 25 अगस्त तक चलेगी. उन्होने अभियान में स्कूली बच्चों को भी जोड़ने एवं प्रत्येक स्कूल में उक्त दवाइयां खिलाने एवं जागरूकता को लेकर जानकारी देने की बात कही. प्रेस वार्ता में डीआरसीएचओं डॉ अनिल कुमार, बीवीडी सुनील कुमार सिंह ,पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर संजय कुमार गुप्ता, प्रोग्रा लीडर तनीमा घोष, विक्रम कुमार व जेवियर हेमंत समेत कई लोग मौजूद थे. मौके पर फाइलेरिया रोधी पोस्टर का विमोचन किया गया.

योजना का लाभ ले स्वावलंबी बनें युवक : बैद्यनाथ राम

संवाददाता। लातेहार

समाहरणालय परिसर में परिसंपत्तियों का वितरण करते शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम.

स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बैद्यनाथ राम ने सरकारी योजनाओं का लाभ ले कर स्वावलंबी बनने की अपील युवक व युवतियों से की. उन्होने कहा कि झारखंड सरकार समाज के हर तबके के लोगों के लिए योजनायें चला रही है.

मंत्री श्री राम गुरूवार को समाहरणालय परिसर में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत परिसंपतियों का वितरण कर रहे थे. उन्होने सात लाभुकों के बीच 98 लाख छह हजार छह सौ पचास रूपये की परिसंपत्ति का किया. मौके पर मनिका विधायक रामचंद्र सिंह व उपायुक्त गरिमा सिंह के अलावा कई अधिकारी मौजूद थे. कार्यक्रम में मंत्री श्री राम व विधायक रामंचद्र सिंह ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभुक प्रिंस कुमार, चन्दन कुमार, सकेन्द्र अगेरिया, नितिश कुमार, संजय यादव, अजित कुमार यादव व महेश सिंह को बोलेरो वाहन की चाबियां सौंपी. मंत्री श्री राम, विधायक सिंह, उपायुक्त गरिमा सिंह्र आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई व उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया गया. मौके पर मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, झामुमो नेता समशुल होदा, कांग्रेस नेता पंकज तिवारी, आफताब आलम, अंकित पांडेय, रंजीत कुमार आदि मौजूद थे.

भाजपा की नई कमेटी में शिवकुमार बने मीडिया प्रभारी

मेदिनीनगर। पलामू जिला भाजपा अध्यक्ष अमित कुमार तिवारी ने अपनी नई टीम की घोषणा कर दी है। भाजपा पलामू जिला कमेटी में अमित तिवारी जिलाध्यक्ष, अरविंद सिंह, अभिमन्यु तिवारी, सुनील पासवान, अरविंद गुप्ता, रामचंद्र यादव व मधु लता रानी जिला उपाध्यक्ष, विजय ठाकुर व ज्योति पांडे जिला महामंत्री, ओमप्रकाश प्रसाद, धीरेंद्र दुबे, रेणु देवी, प्रिय रंजन शर्मा, सोमेश सिंह व चंद्रमा कुमारी जिला मंत्री, स्वेतांग गर्ग, जिला कार्यालय मंत्री, धर्मेंद्र उपाध्याय जिला कोषाध्यक्ष, नंदलाल प्रसाद ठनठन जिला कार्यालय सह मंत्री, शिव कुमार मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी, प्रेमजित कुमार सिंह जिला मीडिया सह प्रभारी, जितेंद्र तिवारी जिला आईटी संयोजक, शुभम प्रसाद जिला आईटी सह संयोजक, अविनाश सिन्हा जिला सोशल मीडिया प्रभारी, मनोहर कुमार लाली जिला सोशल मीडिया सह प्रभारी बनाए गए हैं.

मनातू थाने की पहल | प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी को लेकर निःशुल्क कोचिंग शुरू

हर गुरुवार और रविवार को क्लास चलेगी

- पहले दिन की कक्षा में उग्रवाद प्रभावित गांव नागद, केदाल, करमा, मिटार, पदमा, रबदा, मनातू के बच्चे शामिल हुए

संवाददाता। मेदिनीनगर

अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण बच्चों को जानकारी देते पुलिस अधिकारी.

प्रतियोगिता परीक्षा तैयारी को लेकर मनातू थाना पुलिस ने एक नयी पहल शुरू की है. सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गुरुवार से मनातू थाना अंतर्गत अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण बच्चों के लिए उत्पाद सिपाही, झारखंड पुलिस, झारखंड सचिवालय, एसएससी जीडी आदि परीक्षा की तैयारी को लेकर निःशुल्क कोचिंग की शुरुआत हुई. निःशुल्क कोचिंग में प्रत्येक सप्ताह गुरुवार व रविवार को कक्षा ली जायेगी. मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र हैं और इन क्षेत्र के गांवों में अंधविश्वास की पकड़ मजबूत है. वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देशानुसार निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की पहल की जा रही है.

इस माध्यम से ग्रामीण जनता व पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनेगा. पहले दिन की कक्षा में उग्रवाद प्रभावित गांव नागद, केदाल, करमा, मिटार, पदमा, रबदा, मनातू के बच्चे शामिल हुए. वहीं कक्षा मनातू थाना प्रभारी के अलावा पुअनि राजेश कुमार, संतोष कुमार गुप्ता व अनीश राज द्वारा लिया जाएगा. थाना प्रभारी ने बताया कि इस प्रकार की पहल से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में बहुत खुशी है और वे पढ़ने के लिए भी उत्सुक दिखे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सारंडा के जंगल में नक्सलियों के भ्रमणशील होने की सूचना पर दो दिनों से चलाया जा रहा है सर्च अभियान

सारंडा में नक्सलियों के आईईडी बलास्ट में कोबरा के एसआई घायल

- घायल एसआई को एयर एंबुलेंस से रांची भेजा गया
- राज अस्पताल में चल रहा है इलाज, हालत स्थिर

संवाददाता। किरीबुरु/रांची

नक्सलियों के खिलाफ सारंडा जंगल में गुरुवार की अलसुबह नक्सलियों द्वारा एक आईईडी विस्फोट किया गया. इसमें कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गये. चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा के अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा व कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना मिली थी.

इसके बाद सात अगस्त से ही छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगल क्षेत्र में संयुक्त सर्च अभियान शुरू किया गया है. अभियान के दौरान गुरुवार की सुबह 7.30 बजे छोटानागरा थाना क्षेत्र अंतर्गत वनग्राम बलिबा के आस-पास जंगल व पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये आईईडी को विस्फोट किया गया. इसकी चपेट में आने से कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी जख्मी हो गये. झारखंड पुलिस मुख्यालय एवं सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर के सहयोग से घायल एसआई को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है. राज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. चिकित्सक के अनुसार, सीआरपीएफ के एसआई के बाएं पैर की एड़ी में चोट है. उनकी हालत स्थिर है.

मेघाहातुबुरू मैदान में एंबुलेंस के साथ तैनात सीआरपीएफ के जवान.

राज अस्पताल में घायल एसआई का हाल जानते राज्यपाल संतोष गंगवार.

राज्यपाल व डीजीपी ने एसआई का हाल जाना

रांची। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आईईडी ब्लास्ट में घायल एसआई जितेंद्र दानी से मिलने राज अस्पताल पहुंचे. उन्होंने घायल पदाधिकारी से मिलकर उनका हाल जाना और डॉक्टर को बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया. राज्यपाल ने जवान जीतेंद्र दानी के स्वास्थ की जानकारी ली. वहीं, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी गुरुवार को राज अस्पताल पहुंचे. वहां उन्होंने चिकित्सकों से सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के घायल एसआई जितेंद्र दानी के स्वास्थ की जानकारी ली. राज्यपाल ने घायल एसआई के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की.

नक्सलियों के पुराने डंप को सुरक्षाबलों ने किया ध्वस्त

चाईबासा। सुरक्षाबलों ने गुरुवार को नक्सलियों द्वारा छिपा कर रखे गये हथियार व अन्य सामान की खेप को ध्वस्त कर दिया. सुरक्षाबलों ने टोंटो थाना क्षेत्र के सरजोमबुरू वनग्राम जिम्की इकीर और सेक्रेपी के आसपास के जंगलों में यह कार्रवाई की. इस दौरान दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्री और पुराने हथियार को बरामद किया गया. गौरतलब है कि बीते साल 10 अक्टूबर 2023 से सुरक्षाबलों द्वारा गोईलकेरा थाना क्षेत्र कुईड़ा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोंटो थाना क्षेत्र हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है.

सरजोमबुरू के जंगल में नक्सलियों का पुराना डंप सामान व हथियार.

कोल्हान क्षेत्र में कई बड़े नक्सली सक्रिय

भाकपा माओवादी संगठन का शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, चमन, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र के जंगलों और सुदूरवर्ती गांवों में भ्रमणशील है. इसे लेकर सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

मलय डैम से हथियार के साथ युवक धराया

सतबरवा/पलामू। मुरमा मलय डैम के पास से पुलिस ने गुरुवार को एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान दुलसुलमा के कैलाशपुरी निवासी विकास कुमार सिंह (20) के रूप में की गयी है. उसके पास से एक कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ है. थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को हथियार व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया.

पूर्व विधायक पौलुस सुरीन की बेल खारिज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक पौलुस सुरीन को जमानत देने से इंकार कर दिया है. उनकी जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी है. पौलुस सुरीन को रांची सिविल कोर्ट ने इसी वर्ष नौ अप्रैल को ठेकेदार भूषण सिंह और राम गोविंद सिंह की हत्या के जुर्म में दोषी करार दिया था. इसके बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में हैं. सिविल कोर्ट के आदेश को पूर्व विधायक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी.

साइबर क्राइम करवाने वाले दो एजेंट गिरफ्तार

रांची। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में साइबर क्राइम करवाने वाले दो एजेंट को सीआईडी ने गिरफ्तार किया है. सीआईडी की साइबर सेल ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए गिरिडीह निवासी वसीम खान और कोडरमा निवासी यमुना कुमार राणा को गिरफ्तार किया है. इनके पास से आपत्तिजनक साक्ष्य के साथ मोबाइल नंबर, लेनदेन से संबंधित पासबुक और चेक बुक, एक लैपटॉप समेत कई अन्य सामान बरामद किया गया है.

जेबीवीएनएल पर बढ़ता जा रहा कर्ज, नहीं मिल पा रहा मर्ज का इलाज

जेबीवीएनएल पर टीवीएनएल का 5900 करोड़ रुपये बकाया

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) और तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) के बीच का रिश्ता भी अजीब है. राज्य गठन के बाद से दोनों के बीच बकाए को लेकर जो खिंचतान चल रही है, उसका अब तक कोई स्थायी हल नहीं निकल पाया है. अब जेबीवीएनएल पर टीवीएनएल का बकाया बढ़ कर लगभग 5900 करोड़ रुपया हो गया है. टीवीएनएल की दो यूनिट 210-210 मेगावाट की है और 3.54 रुपये प्रति यूनिट की दर से हर महीने 80 करोड़ रुपये की बिजली जेबीवीएनएल को देता है. बकाया राशि के भुगतान को लेकर टीवीएनएल ने बिजली वितरण निगम को रिमांडर भी भेजा है. वहीं टीवीएनएल का खर्च भी साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है. ऑपरेशनल और मेनटेनेंस खर्च बढ़ कर 300 करोड़ रुपये के पार हो गया है.

टीवीएनएल के विस्तारीकरण पर भी हो रहा काम : टीवीएनएल के विस्तारीकरण पर भी काम किया जा रहा है. पिछले साल हुई केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की बैठक में सभी राज्यों के ऊर्जा विभाग और वितरण निगम के अधिकारी उपस्थित हुए थे. इस दौरान भी मंत्रालय की ओर से राज्य में टीवीएनएल विस्तारीकरण को लेकर निर्देश जारी किया गया था. केंद्र सरकार ने जल्द से जल्द टीवीएनएल विस्तारीकरण के लिए योजना बनाने और कोयला आवंटन पर नीति बनाने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था. टीवीएनएल का विस्तारीकरण 4300 करोड़ की लागत से किया जाना है. फिलहाल इसकी दो यूनिट से 420 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है.

- टीवीएनल हर महीने जेबीवीएनएल को देता है 80 करोड़ की बिजली
- टीवीएनएल का ऑपरेशनल व मेनटेनेंस का खर्च 300 करोड़ के पार

साल दर साल बढ़ता गया खर्च

साल – खर्च (करोड़ में)
2022 – 464.99
2023 – 519.23
2024 – 570.58
2025 – 598.38 (प्रस्तावित)
2026 – 632.08 (प्रस्तावित)

ऑपरेशन और मेंटेनेंस का खर्च

साल – खर्च (करोड़ में)
2022 – 269.82
2023 – 288.45
2024 – 307.54
2025 – 326.60 (प्रस्तावित)
2026 – 347.29 (प्रस्तावित)

वर्किंग कैपिटल के लिए कितनी राशि की जरूरत

साल – राशि (करोड़ में)
2022 – 322.52
2023 – 396.98
2024 – 411.10
2025 – 421.09
2026 – 432.93

टीवीएनएल के लेखा निदेशक हटाए गए, आदेश जारी

- वित्तीय अनियमितता का आरोप, दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा

रांची। टीवीएनएल के लेखा निदेशक सौरभ झा को पद से हटा दिया गया है. उन पर वित्तीय अनियमितता का गंभीर आरोप है. इस मामले में निगम मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. कहा है कि गठित समिति द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आलोक में सौरभ झा को तत्काल प्रभाव से लेखा-निदेशक (देख-रेख) रांची के पद से कार्यमुक्त करते हुए अगले आदेश तक पदस्थापन की प्रतिक्षा में रखते हुए टीटीपीएस ललपनिया में तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाता है. उन्हें पदस्थापन की प्रतीक्षा अवधि में विद्युत अधीक्षण अभियंता, मानव संसाधन विभाग, टीटीपीएस, ललपनिया में नौ अगस्त तक रिपोर्ट करना है, अन्यथा स्वतः विरमित समझे जाएंगे.

क्या है पूरा मामला : 26 जून 2024 को सौरभ झा ने निगम के 100 करोड़ के एफडी के लिए 10 पैनल बैंकों को उच्च ब्याज दर के लिए पत्र भेजा. सभी बैंकों से ऑफर मिलने के बाद अपने जूनियर अफसरों को जबरन मजबूर कर आठ बैंकों का ही ऑफर खोला. बिना सोचे समझे नियम के विरुद्ध अन्य बैंकों से मिल कर कम ब्याज दर पर एफडी के रूप में जमा कर दिया. सक्षम प्राधिकार से बिना अनुमोदन के एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक में 50-50 करोड़ रुपये जमा कर दिए. इससे निगम को 50 लाख रुपये ब्याज राशि के नुकसान का आकलन किया गया है. इस अनियमितता के कारण लेखा निदेशक सौरभ झा से दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है. कहा गया है कि अगर तय समय में स्पष्टीकरण नहीं मिला, तो आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

दुमका में इंडियन बैंक से दिनदहाड़े 20 लाख की लूट

संवाददाता। दुमका

- बाइक पर सवार होकर बैंक आए थे पांच अपराधी
- हथियार की नोंक पर कैश काउंटर से रकम लूटी

झारखंड-बिहार के सीमावर्ती दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में इंडियन बैंक की शाखा में हथियारबंद अपराधियों ने दिहदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे पांच अपराधी बाइक पर सवार होकर बैंक पहुंचे. इनमें से तीन नकाबपोश थे, बैंक में घुसते ही अपराधियों ने हथियार लहराते हुए कर्मचारियों को धमकाया और हुए कैश काउंटर में रखे करीब 20 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए.

बैंक से बाहर निकलने के बाद अपराधियों ने मुख्य गेट पर ताला भी मार दिया था. घटना के बाद बैंक कर्मियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. घटना की सूचना मिलने के बाद जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों से घटना के संबंध में पूछताछ की. उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, जल्द ही सभी लुटेरे गिरफ्तार किये जाएंगे. समाचार लिखे जाने तक लूटी गयी रकम के संबंध में बैंक प्रबंधन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी थी. बैंक के अधिकारी लूट की रकम का आकलन करने में जुटे हुए थे.

काफी व्यवस्त इलाके में घटना को दिया अंजाम : जिस बैंक में लूट की वारदात हुई है, वह हंसडीहा चौक पर स्थित है. ये काफी व्यस्त इलाका है और यहां से चार रास्ते निकलते हैं. इसमें एक रास्ता बिहार के भागलपुर, तो दूसरा रास्ता गोड्डा होते हुए बिहार के पीरपैंती जाता है. वहीं, तीसरा रास्ता देवघर और चौथा रास्ता दुमका होते हुए पश्चिम बंगाल की ओर जाता है. ऐसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े बैंक में हुई लूट की इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सीसीटीवी कैमरे में कैद लुटेरे.

लूट के बाद देवघर की ओर फरार हुए लुटेरे

वारदात के बाद पुलिस बैंक और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है. बैंक में लगे कैमरे में नकाबपोश अपराधियों की तस्वीर भी कैद हुई है. बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों लुटेरे देवघर की ओर फरार हो गए. बैंक के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस लुटेरों की शिनाख्त में जुट गई है. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है.

27% ओबीसी कोटा देने का दबाव बनाए केंद्र: दुबे

एजेंसी। नयी दिल्ली

भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि झारखंड में सत्तारूढ़ कांग्रेस और झामुमो पर राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए दबाव बनाया जाए. लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए झारखंड के गोड्डा से सांसद दुबे ने दावा किया कि देश के विभिन्न राज्यों में ओबीसी को 27% आरक्षण दिया जा रहा है, जबकि झारखंड में इस वर्ग को केवल 14% आरक्षण दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पिछड़ों के साथ वर्षों से अन्याय होता रहा है. झारखंड में कुछ जातियों को अनुसूचित जाति से ओबीसी की सूची में डाल दिया गया है, जिससे इन जातियों को नुकसान हो रहा है.

जय आदिवासी जोरदार जोहार!

अपने अधिकारों को जानें और प्राप्त करने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लें!

विश्व आदिवासी दिवस अपने अधिकारों को स्मरण करने का अवसर है!

प्रभाकर तिर्की
आजसू संस्थापक अध्यक्ष

रतन तिर्की
आजसू आंदोलनकारी पूर्व सदस्य
जनजातीय परामर्शदातृ परिषद टीएसी

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

संवाददाता। मेदिनीनगर

कोर्ट फैसला

- धमकी देकर नाबालिग से संबंध बनाना था बुजुर्ग दोषी
- पॉक्सो एक्ट के विशेष जज की कोर्ट ने सुनाई सजा

पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी बुजुर्ग को 20 वर्ष सश्रम कारावास व 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है. मामले की सुनवाई करते जिला व सत्र न्यायाधीश चतुर्थ एवं पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत ने दोषी लेसलीगंज थाना क्षेत्र के मुंदरिया निवासी एजाज अहमद (63) को सुजा सुनाई.

जुर्माना का राशि नहीं भरने पर दोषी को छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी. उल्लेखनीय है कि लेसलीगंज थाना क्षेत्र की रहनेवाली पीड़िता ने 18 जनवरी 2023 को डाल्टनगंज महिला थाना में एजाज अहमद के खिलाफ कांड संख्या 03/23 दर्ज कराया था. अभियुक्त के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. अदालत ने साक्ष्य के आधार पर एजाज अहमद को दोषी पाते हुए उसे सजा सुनाई.

चार साल से किशोरी के साथ कर रहा था दुष्कर्म : अभियुक्त पर आरोप था कि वर्ष 2019 से ही पीड़िता के घर पर जब कोई नहीं रहता था, तब उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ जबरन चाकू की नोंक पर शारीरिक संबंध बनाता था. पीड़िता जब भी चिल्लाने की कोशिश करती थीं, वह उनका मुंह और गला दबा देता था. तंग आकर पीड़िता ने चार साल बाद अपने घरवालों को घटना की जानकारी दी. इसके बाद पीड़िता के लिखित आवेदन पर डाल्टनगंज महिला थाना में केस दर्ज किया गया था.

चाईबासा में पॉक्सो एक्ट के दोषी को 25 साल की सजा

संवाददाता। किरीबुरु

- आदालत ने 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

चाईबासा व्यवहार न्यायालय के पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने पॉक्सो एक्ट के दोषी को 25 वर्ष सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है. महिला थाना (सदर) में दर्ज कांड सं.-05/2023 के अ भिय ुक्त चुम्बरू तामसोय को अपर जिला एवं सत्र न्य ाय ाध ीश प्रथम की अदालत ने फैसला सुनाया. जुर्माना की राशि नहीं भरने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा.

सजायाफ्पता दोषी चुम्बरू तामसोय.

अभियुक्त चुम्बरू तामसोय पर अक्टूबर 2022 में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था. उसने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. कुछ दिनों बाद अभियुक्त ने पुनः पीड़िता को अपने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया था.

इस मामले में महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अनुसंधान के क्रम में चाईबासा पुलिस ने चुम्बरू तामसोय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया. इसके आधार पर न्यायालय ने गुरुवार को अभियुक्त को सजा सुनाई.

रेलवे की अच्छी पहल, कैश से मिला छुटकारा

बुकिंग काउंटर पर अब लगेगा क्यूआर कोड, परेशानी से निजात

संवाददाता। रामगढ़

रेलवे टिकट बुक करने वाले यात्रियों को अब कैश को लेकर परेशानी झेलनी नहीं पड़ेगी. वह अब ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं. रेलवे बुकिंग काउंटर पर क्यूआर कोड लगाया जा रहा है. इस संबंध में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार ने बताया कि रेलवे द्वारा यात्री सुविधा पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है. रेलवे हमेशा से यात्रियों के लिए टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने पर जोर देता रहा है. यूटीएस एप्लीकेशन, एटीवीएम, वाईटीएसके पहले से ही लागू है. इसी क्रम में धनबाद मंडल द्वारा कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी स्टेशनों पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड के माध्यम से बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है. बुकिंग काउंटर पर क्यूआर कोड को स्कैन करके भुगतान करने पर टिकट प्राप्त हो जाएगा. इस सुविधा से यात्री क्यूआर कोड को स्कैन करके कैशलेस तरीके से तुरंत एवं आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे. जिससे टिकट प्राप्ति की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और साथ ही साथ काउंटर पर खुले पैसे की समस्या समाप्त हो जाएगी.

एनजीटी का आदेश लागू होने के बावजूद चौपारण प्रखंड में बालू की तस्करी जारी

अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर सहित तीन धराए

संवाददाता। चौपारण

एनजीटी का आदेश लागू होने के बावजूद प्रखंड में लगातार बालू तस्करी की शिकायत प्रखंड प्रशासन को मिल रही है, जिस पर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह भी पूरे एक्शन में दिखाई दे रहे हैं. लगातार दूसरे दिन उनके नेतृत्व में अवैध बालू तस्करी की रोकथाम को लेकर कार्रवाई की गई. बुधवार को जहां बालू लदा एक ट्रैक्टर के साथ चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, वहीं गुरुवार को भी अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर के साथ एक ट्रैक्टर मालिक और दो चालक को गिरफ्तार किया गया है.

इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह और शाम में पांडेयबारा के पास से बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त किए गए. इस दौरान एक ट्रैक्टर मालिक संजय यादव और दो ट्रैक्टर चालक की भी गिरफ्तारी हुई है. वहीं दूसरे ट्रैक्टर का मालिक अपनी बाइक छोड़ कर भागने में सफल हो गया. वह मयूरहंड प्रखंड का उपप्रमुख सिकंदर यादव बताकर पुलिस को धौंस दिखाने व धमकाने की कोशिश कर रहा था. जब पुलिस उसे बालू तस्करी करने के आरोप में पकड़ना चाही तो वह अपनी बाइक को छोड़कर तेजी से भाग गया. इसके बाद उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया गया है. थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि 15 अक्टूबर तक एनजीटी का आदेश लागू है. ऐसे में बालू का अवैध तरीके से नदी से उठाव कर भंडारण व बिक्री पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध है. ऐसे में बालू की सप्लाई केवल निबंधित डंपिंग यार्ड वाले ही कर सकते हैं. बताते चले कि चौपारण में एक मात्र संदीप सौरव सैंड सटॉक यार्ड चोरदाहा में है. बालू की अवैध तस्करी पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी. वहीं इसके अलावा मारपीट के मामले में भी तीन और लोगों को गुरुवार को जेल भेजा गया है.

झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से एक अधेड़ की मौत

- कटकमसांडी प्रखंड में झोलाछाप डॉक्टरों का बोलबाला

संवाददाता। कटकमसांडी

प्रखंड में इन दिनों झोलाछाप डॉक्टरों का बोलबाला और वर्चस्व एक जाल की तरह फैला हुआ है, जहां इनके गलत इलाज की वजह से आए दिन किसी मरीज के शरीर के अंगों को काटना पड़ता है. यही नहीं, मरीज की मृत्यु तक हो रही है. ताजा मामल ढोठवा पंचायत के मांडीगाड़ा के निवासी गणेश भुइयां (49) का है, जिसकी गलत इलाज की वजह से मृत्यु हो गई. बताते चलें कि ढोठवा पंचायत के झोलाछाप डॉक्टर संदीप साव द्वारा इलाज किया जा रहा था, जिसने उसे इंजेक्शन जरूरत से ज्यादा लगा दिया.

बताया जा रहा है कि एक ही बार में 12 इंजेक्शन मरीज को दे दिए गए. परिजनों का कहना है कि हम लोगों की मजबूरी है कि इस तरह के डॉक्टर से इलाज करवाना पड़ता है, परंतु मैं यह भी कहना चाहूंगा कि अगर इसे संभल नहीं रहा था तो जवाब दे देते तो मैं आगे ले जाकर इलाज करवा सकता था. संदीप साहू द्वारा पूर्व में भी एक महिला को इंजेक्शन दिया गया था जिसकी वजह से महिला का शरीर पूरी तरह से शिथिल हो गया. मामला प्रकाश में आया तो लीपापोती कर दबा दिया गया. प्रखंड के लोगों ने पदाधिकारियों से इस तरह के झोलाछाप डॉक्टरों के सर्टिफिकेट की जांच और इन पर नकेल कसने की भी मांग की है ताकि इस तरह गलत इलाज का शिकार कोई अन्य व्यक्ति दोबारा न हो सके.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग महिला की हुई मौत

रामगढ़। चितरपुर रजरप्पा मार्ग के डीएवी मैदान में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी. उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों द्वारा महिला को मृत घोषित कर दिया गया. मृतक महिला की पहचान सांडी करमाली टोला निवासी धनेश्वरी देवी पति स्व. जीतू करमाली (52) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार उक्त महिला पैदल अपने घर से सड़क के रास्ते रजरप्पा प्रोजेक्ट जा रही थी. इसी दौरान डीएवी मैदान के समीप एक अज्ञात बाइक सवार द्वारा धक्का मार दिया गया, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे 108 एम्बुलेंस की मदद से सदर अस्पताल रामगढ़ ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

इनर व्हील क्लब रामगढ़ ने वैक्सीनेशन कैंप लगाया

रामगढ़। इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के द्वारा होप हॉस्पिटल में सरवाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया. क्लब की कई सदस्यों ने वैक्सीन लगवाया. मौके पर प्रियंका जैन, एडिटर इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ ने सभी लड़कियों अपील की है इस वैक्सीन को सभी जरूर लेना चाहिए ताकि हम कैंसर से काफी हद तक बच सकते हैं. इस मौके पर पिंकी पोद्दार, नवालजीत कौर, मेघा बागरिया, नमिता श्रॉफ, निधि चौधरी आदि मौजूद थे.

शिक्षकों, शिक्षकेत्तरों व पदाधिकारियों ने एक दूसरे को बांटीं मिठाइयां

झारखंड में ओपीएस लागू करने का चौतरफा स्वागत

संवाददाता। हजारीबाग

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बीते दिन आयोजित झारखंड सरकार की कैबिनेट की बैठक में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षकेत्तरों एवं पदाधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का निर्णय पारित किया था, जिसका विनोबा भावे विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले अंगीभूत महाविद्यालय के शिक्षकों ने पुरजोर स्वागत किया.

बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय मुख्यालय में एवं अलग-अलग महाविद्यालय में शिक्षक एकत्र होकर एक स्वर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी. ज्ञात हो कि शिक्षक लंबे समय से नई पेंशन योजना का विरोध कर रहे थे. इस संबंध में शिक्षकों ने सरकार से कई बार पत्राचार किया था तथा सरकार के आला अधिकारियों से मिलकर भी अपनी बात रखी थी. हाल ही में तीन से पांच अगस्त को शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में पदोन्नति तथा पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया था. 6 अगस्त को विश्वविद्यालय मुख्यालय में दिन भर का धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था. 2004 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने नई पेंशन योजना घोषित की थी, जिसके प्रावधान भी स्पष्ट नहीं थे. इससे स्थिति यह बन गई थी कि 2004 के बाद नियुक्त सरकारी सेवा एक प्रकार से पेंशन विहीन हो गई थी. सभी स्तर पर इसका विरोध किया जा रहा था.

शिक्षक लंबे समय से नई पेंशन योजना का विरोध कर रहे थे.

खास बातें

- शिक्षक लंबे समय से ओल्ड पेंशन की मांग कर रहे थे
- इस मांग को लेकर कई बार आंदोलन भी किया था

हेमंत सोरेन ने 2019 के चुनाव से पूर्व सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का आश्वासन दिया था. आगामी विधानसभा चुनाव पहले सरकारी सेवकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर साथी भी सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे थे. 7 अगस्त की कैबिनेट मीटिंग में लिए गए प्रस्ताव ने सारी आशंकाओं को समाप्त करते हुए 2004 के बाद नियुक्त सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देना सुनिश्चित किया है. निर्णय का जोर-शोर से स्वागत किया जा रहा है एवं हेमंत सोरेन सरकार पर विश्वास और आस्था व्यक्त किया जा रहा है.

ओपीएस को मंत्रिमंडल से मंजूरी से खिले चेहरे

रामगढ़। शिक्षकों के पुरानी पेंशन योजना को हेमंत सोरेन की सरकार ने कैबिनेट में मंजूरी देती है. सरकार के इस निर्णय का असर विद्यालयों में दिखाई दे रहा है. गुरुवार को रामगढ़ महाविद्यालय में शिक्षकों ने एक दूसरे को बधाई दी और हेमंत सोरेन की सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया. रामगढ़ शिक्षक संघ की अध्यक्ष प्रोफेसर रोज उरांव ने कहा कि हेमंत सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को लागू कर शिक्षकों का मनोबल ऊंचा किया है. वर्तमान राज्य सरकार पर शिक्षकों का विश्वास बढ़ा है और सरकार से उम्मीद है कि प्रोन्नति के संबंध में भी सरकार शीघ्र निर्णय लेगी. सचिव डा प्रीति कमल ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की झारखंड कैबिनेट में स्वीकृति झारखंड सरकार की नेकनीयती एवं दृढ इच्छाशक्ति का परिचायक है. ऐसे ही निर्णय उच्च शिक्षा कर्मियों के उस सुनिश्चित भविष्य का भी आश्वसन देते हैं कि झारखंड सरकार संवेदनशीलता के साथ उनकी अन्य समस्याओं का निराकरण भी अवश्य करेगी.

पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रथम बैच के सर्टिफिकेट का हुआ वितरण

संवाददाता। हजारीबाग

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत गुरुवार को जन शिक्षण संस्थान मुख्यालय में प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, रांची के सहायक निदेशक ज्योत्सना गुड़िया रहीं. पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह में प्रशिक्षणोपरांत 29 लाभुकों को ट्रेड-दर्जी का प्रमाणपत्र दिया गया. पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र में पहले बैच में बेसिक स्किलिंग का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पांच दिन ट्रेनिंग (प्रैक्टिकल एवं थ्योरी) एवं 2 दिन एसेसमेंट का प्रशिक्षण दिया गया था.

प्रमाणपत्र वितरण समारोह के दौरान प्रतिभागी.

गुड़िया ने उपस्थित लाभार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए योजना से जुड़ी सभी छोटी-बड़ी व महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया. उन्होंने लाभार्थियों को अपने हाथों से प्रमाणपत्र प्रदान किया. कार्यक्रम में श्रीश त्रिपाठी, जिला उद्यमी समन्वयक, मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग, जन शिक्षण संस्थान हजारीबाग के निदेशक रवीश कुमार, ई.वो.डी.बी मैनेजर सिंगल विंडो श्याम गुप्ता, प्रखंड समन्वयक अशफाक अहमद, असीम रंजन, जय कुमार मौजूद थे.

सिटीजन फोरम ने पीसीआर को सौंपा फूलों का गमला

संवाददाता। रामगढ़

सिटीजन फोरम रामगढ़ ने गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पीसीआर के निर्वाचित कार्यकारिणी समिति एवं सदस्यों को फूलों का गमला प्रदान किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता पीसीआर के अध्यक्ष विरेंद्र कुमार उर्फ बीरू ने की, जबकि, संचालन सचिव धनेश्वर प्रसाद ने किया. सिटीजन फोरम के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पी अग्रवाल ने कहा कि हमलोग सेवाकल्प के तहत फूलों का गमला प्रदान किए हैं. उन्होंने कहा कि फूलों को देखकर हमारा मन आनंदित हो उठता है. साथ ही फूलों के सुगंध वातावरण सुगंधित हो उठता है. मौके पर संस्थापक एवं अध्यक्ष सुरेश पी अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद लाल अग्रवाल, संस्थापक सदस्य पदम चंद जैन, वरिष्ठ सदस्य रतन कुमार जैन तथा दिवयांश अग्रवाल उपस्थित थे, जबकि, क्लब के पूर्व सचिव योगेंद्र कुमार सिन्हा, पूर्व संयुक्त सचिव दीपक प्रसाद, पूर्व कोषाध्यक्ष तरूण बागी, वर्तमान उपाध्यक्ष प्रदीप राज बबलू, संयुक्त सचिव व्यास शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम, कार्यकारिणी सदस्य शंकर देवधरिया, सुरेंद्र सिंह, सौरव नारायण सिंह, धर्मेंद्र पटेल, मुकेश सिंह, अनिल विश्वकर्मा, रितेश कश्यप, संजय शुक्ला सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे.

पीसीआर को फूलों का गमला सौंपते सिटीजन फोरम के सदस्य.

बैठक में भाजपा नेता ने सुनी दूध विक्रेताओं की समस्याएं

भाजपा नेता धनंजय कुमार पुटूस के साथ दूध विक्रेता.

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ के खटाल संचालक दूध विक्रेताओं की एक अहम बैठक गुरुवार को शहर के कुम्हार टोली में हुई. इसमें बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता व रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस उपस्थित हुए. ज्ञात हो कि प्रशासन द्वारा रामगढ़ के खटाल संचालक दूध विक्रेताओं को यह निर्देश मिला है कि वह अपनी गाय, भैंस, बछड़े आदि को निर्धारित नए समय पर ही चराने ले जाएं, जिसके कारण विगत कुछ दिनों से इन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दूध विक्रेताओं ने धनंजय कुमार पुटूस को अपनी समस्यों से अवगत कराया. दूध विक्रेताओं की समस्याओं को गौर से सुनने के बाद धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि सरकारी आदेश के बाद से इन विक्रेताओं का व्यापार प्रभावित हो रहा है, जिसके कारण रामगढ़ में दूध की कमी हो रही है. जल्द ही संबंधित पदाधिकारियों को संपर्क कर इनकी समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे.

उपायुक्त ने किया जिला कोषागार का निरीक्षण

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने गुरुवार को समाहरणालय भवन अवस्थित जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण किया. उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान स्टाक पंजी, स्टांप पंजी, ओपनिंग व क्लोजिंग रजिस्टर,अग्निशमन यंत्र, वज्रगृह सुरक्षा गार्ड एवं बज्रगृह के सुरक्षा के सुदृढ़ीकरण से संबंधित निर्गत प्रमाण पत्रों इत्यादि की गहनता से जांच की. निरीक्षण के क्रम में कोषागार पदाधिकारी उज्जवल चौरसिया द्वारा सीसीटीवी के अधिष्ठापन की आवश्यकता जताई. उपायुक्त ने तत्काल संपूर्ण समाहरणालय परिसर समेत आवश्यकतानुरूप महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कोषागार के बिल आदि के भुगतान संबंधी संचिका, आउटसोर्सिंग वेतन भुगतान संबंधी फाइल, स्टॉक रजिस्टर, सर्विस बुक,कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी ली एवं संपूर्ण कार्यालय का निरीक्षण किया. कहा कि कोषागार में संचिका, विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे जाते हैं.

निदेशक ने किया रामगढ़ जिले का दौरा, योजनाओं की समीक्षा

कृषि योजनाओं से किसानों को जोड़ें

संवाददाता। रामगढ़

निदेशक समेति-सह-राज्य मिशन निदेशक, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा ने जिले का भ्रमण किया. इस दौरान निदेशक ने आत्मा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की तथा सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधकों एवं सहायक तकनीकी प्रबंधकों को सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी कृषि संबंधित योजनाओं की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के साथ ही इन योजनाओं से किसानों को जोड़ने का निर्देश दिया.

उन्होंने प्रत्येक ग्राम में प्रगतिशील किसानों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया, जिससे वे ग्राम के अन्य किसानों को प्रशिक्षित करेंगे. बैठक के पश्चात निदेशक ने पतरातू प्रखंड के ग्राम- किन्नी, पंचायत- लबगा में आत्मा द्वारा 11 हेक्टेयर में लगाए गये उरद प्रत्यक्षण प्रक्षेत्र का भ्रमण किया. उन्होंने किसानों को बताया कि दलहन फसलों की जड़ों में मौजूद गांठें वातावरण से नाइट्रोजन स्थिरीकरण की प्रक्रिया कर भूमि में नाइट्रोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे फसल के साथ अगली फसल को भी नाइट्रोजन उपलब्ध हो जाता है तथा दलहनी फसलों से किसानों को आहार में प्रोटिन भी प्राप्त हो जाता है. उन्होंने किसानों को एकल फसल की जगह अपने खेत से दो तीन फसल लेने की सलाह दी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. मौके पर उप निदेशक, कृषि प्रसार, समेति, झारखंड, परियोजना निदेशक, आत्मा, रामगढ, उप परियोजना निदेशक आत्मा, रामगढ़ तथा जिले के सभी बीटीएम, एटीएम एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे.

संचालित कृषि योजनाओं का जायजा लेते निदेशक.

खास बातें

- प्रगतिशील किसानों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करें
- खेत से एक बार में दो से तीन फसल लेने की दी सलाह

हेल्थ कैंप में हंस फाउंडेशन कर रही ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड में हंस फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य किया जा रहा है. एक तरफ जहां महराजगंज में स्थित मासूम हेल्थ केअर सेंटर में सस्ती दरों पर चिकित्सा की सुविधा लोगों को मुहैया करवा रही है, वहीं दूसरी तरफ हंस फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम गांव-गांव जाकर ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श के साथ दवाएं भी उपलब्ध करवा रही है. शुक्रवार को हंस फाउंडेशन मेडिकल यूनिट की टीम प्रखंड के बटबिगहा और सेल्हारा खुर्द में कैम्प लगाकर स्वास्थ्य जांच किया. शिविर में 63 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया, जिसमें 12 लोग हाइपर टेंशन और ब्लड शुगर के मरीज मिले. उन्हें उचित परामर्श व निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध करवाई गईं. लैब टेक्नीशियन रविजीत ने महिलाओं को ब्रेस्टफिडिंग को लेकर जागरूक किया. सीनियर प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर पवन कुमार ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य ही हमारा बड़ा धन है, अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें.

हेल्थ कैंप में लोगों की जांच करते चिकित्सक.

पहल छात्रों को नशे से दूर रखने के लिए स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

समाज को अंदर से खोखला कर रही तंबाकू

संवाददाता। रामगढ़

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रामगढ़ जिले में हाई स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता पैदा की जा रही है. आज की युवा पीढ़ी नशे से दूर रहे, तभी देश का भविष्य उज्जवल हो सकता है. किसी उद्देश्य से गुरुवार को रामगढ़ के प्लस टू उच्च विद्यालय में तंबाकू निषेध जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. कुष्ठ निवारण पदाधिकारी के निदेशानुसार जिला तंबाकू नियंत्रण कोषांग के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के दौरान जिला कंसल्टेंट ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू एक ऐसा तत्व है जो हमारे समाज को अंदर से खोखला कर रहा है. यह एक ऐसा तत्व है जो हमें यह पता चलने नहीं दे रहा है कि यह एक मीठा जहर है, जो धीरे-धीरे हमारे शरीर के सभी अंगों को खा रही है. आज हमारा युवा वर्ग तंबाकू के चलते अपने स्वस्थ जीवन को खोता जा रहा है. एक स्वस्थ समाज के निर्माण में उसका योगदान कम होता जा रहा है.

तंबाकू सेवन से होता है कैंसर

जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को यह बताया गया कि तंबाकू से मुंह के कैंसर के साथ-साथ अन्य ऐसी ऐसी बीमारियां भी होती हैं, जो एक परिवार को एक पीढ़ी से पीछे धकेल देती है. सबसे अधिक तंबाकू के द्वारा हृदय रोग हैं जो आज के समय में सभी लोगों को परेशान किए हुए हैं. उसके साथ-साथ दमा अस्थमा एक ऐसी बीमारियां है जो इंसान को जीते जी मार रही है. कार्यक्रम के दौरान जिला परामर्शी विनय कुमार शर्मा के द्वारा बच्चों को तंबाकू से होने वाले हानिकारक प्रभाव से अवगत कराया गया. साथ में यह भी बताया कि किस तरह तंबाकू कंपनियां बच्चों को अपने जाल में फंसा रही है. यह कंपनियां तंबाकू बेचकर मुनाफा कमा रही हैं और बदले में हमारे समाज को खोखला करती जा रही है. यह तंबाकू कंपनियां हमारे पर्यावरण को भी प्रभावित कर रही हैं. क्योंकि तंबाकू उद्योग को फलने फूलने में हमारे पर्यावरण से बहुमूल्य लकड़ियों को जलाकर उसे तैयार किया जाता है.

टीबी मुक्त हुई केरेडारी पंचायत, मिला सम्मान

केरेडारी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य में परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हजारीबाग जिले के केरेडारी पंचायत को टीवी मुक्त पंचायत के सम्मान से नवाजा गया. पूरे हजारीबाग जिले में केरेडारी एकमात्र ऐसी पंचायत है जिसे यह सम्मान मिला है. रांची के नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में यक्ष्मा उन्मूलन के बेहतर प्रयास के लिए पंचायत की मुखिया सोनिया देवी एवं पंचायत सचिव रोहित राज को गांधी जी की कांस्य प्रतिमा एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया. इस पर मुखिया प्रतिनिधि बैजनाथ महतो, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी आरके जायसवाल, जिला यक्ष्मा समन्वयक जयराम, पंचायत वासियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हर्ष प्रकट किया है.

मंईयां सम्मान योजना : उपायुक्त ने जिलावासियों से की अपील, कहा

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क

- उपायुक्त ने पैसे की मांग संबंधित शिकायत पर बीडीओ को दिया प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश

संवाददाता। रामगढ़

21 से 50 वर्ष आयु की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में 12000 प्रति साल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाई गई मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत पात्र लाभुकों के पंजीकरण का काम उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर तीव्र गति से किया जा रहा है. इसी क्रम में चितरपुर प्रखंड की सुकरीगढ़ा पंचायत अंतर्गत लारिकला गांव में योजना का लाभ लेने तथा आवेदन ऑनलाइन प्रविष्टि को लेकर आवेदक से वार्ड सदस्य तथा सीएससी संचालक द्वारा पैसे की मांग किए जाने से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर उपायुक्त ने इस पर तत्काल रूप से संज्ञान लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानमनी एक्का को मामले में प्राथमिकी दर्ज करा कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. इसके साथ ही उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से अपील करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है. इसलिए सभी जिलावासी योजना का लाभ लेने हेतु किसी भी तरह की अफवाह में न पड़ें. अगर किसी व्यक्ति द्वारा योजना का लाभ दिलाने को लेकर किसी तरह की कोई राशि की मांग की जाती है तो तत्काल रूप से इसकी शिकायत संबंधित प्रखंड कार्यालय अथवा जिला स्तर पर दें.

चंदन कुमार, उपायुक्त, रामगढ़

चार महीने से जंगली हाथियों के झुंड ने कैरो, कुडू और भंडरा प्रखंड वासियों को सदमा में डाल रखा है

कैरो व कुडू प्रखंड वासियों को गजराजों के तांडव से नहीं मिल पा रही है मुक्ति

- 20 की संख्या में गजराजों की टोली गुरुवार को कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुवरी जंगल में विचरण करते हुए ग्रामीणों ने देखा

विनोद रविदास | कैरो/लोहरदगा

सढ़ाबे में हाथियों द्वारा फूलगोभी खेती को क्षति को दिखाता किसान।

महुवरी जंगल में विचरण करते जंगली हाथियों का झुंड।

लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ू कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र में लगभग चार महीने से जंगली हाथियों के झुंड ने तबाही मचा रखा है. यहां पर प्रतिदिन जंगली हाथियों के झुंड का सामना करना पड़ रहा है. लोग हमेशा खौफ भरी जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं. हाथियों का झुंड लगातार लोगों के घरों को तोड़-फोड़ कर रहा है, साथ ही क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने खेतों में कर्ज लेकर खेती कार्य को अंजाम दिया गया है जिसे हाथियों के द्वारा रौंदकर सफाचट किए जाने से किसान वर्ग के लोगों को बड़ी नुकसान उठाना पड़ रहा है. जंगली हाथियों के झुंड ने इन तीनों प्रखंड वासियों को सदमा में लाकर खड़ा कर दिया है. वन विभाग के लाख प्रयासों के बाद भी गजराजों की टीम क्षेत्र छोड़ने को तैयार नहीं हैं. जिससे लोगों में और भी चिंता सताए जा रही है. जानकारी के मुताबिक 20 की संख्या में गजराजों की टोली गुरुवार को कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुवरी जंगल में अहले सुबह विचरण करते हुए ग्रामीणों के द्वारा धनरोपनी करने जाने के क्रम में देखा गया था. इधर जंगली हाथियों के झुंड कुड़ू और कैरो प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में गरीबों के घरों को तोड़-फोड़ करने के बाद किसानों के खेतों में लगाए गए फसलों को रौंद डाला, इससे गरीब असहाय परिवार वालों और किसानों को काफी क्षति पहुंचा है. बीते दिनों कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सढ़ाबे में एक किसान द्वारा अपने खेत पर लगाया गया फूलगोभी की खेती को जंगली हाथियों ने रौंदकर नष्ट कर दिया था. साथ ही खेती को नष्ट करने के बाद पास में स्थित गरीबों के घरों को भी तोड़-फोड़ कर क्षति पहुंचाया था.

अगला संभावित इलाका ये हो सकता है

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जंगली हाथियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने को लेकर वन विभाग की पूरी टीम के कर्मी लगातार प्रयासरत हैं. वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जंगली हाथियों के झुंड का अगला संभावित इलाका कैरो प्रखंड क्षेत्र के खंडा, चाल्हो खरता महुवरी गितिलगढ़ बढ़मरा हो सकता है. वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से विशेष रूप अपील करते हुए कहा है कि जंगली हाथियों को देखकर छेड़छाड़ नहीं करें, इससे हाथियों में आक्रोश पनपता है. ऐसे में जंगली हाथियों के झुंड जान-माल को नुकसान पहुंचा सकता है. लोग सावधानी बरतें और फौरन इसकी सूचना वन विभाग के कर्मियों को दें ताकि लोगों को जान-माल का नुकसान होने से बचाया जा सके.

ब्रीफ खबरें

मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य नहीं

भंडरा/लोहरदगा | मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए 03 अगस्त 2024 से पंचायतों और नगर परिषद क्षेत्र में शिविर लगाया जा रहा है. इस योजना का लाभ पाने के लिए अब आवेदिका के नाम का राशन कार्ड होना जरूरी नहीं है. बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने बताया इसके लिए आवेदिका के पिता या पति के नाम का राशन कार्ड होना ही मान्य होगा. इसके लिए अतिरिक्त अब आवेदिका का मतदाता पहचान पत्र होना जरूरी नहीं है. ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र और पंचायत भवन तथा आंगनबाड़ी केंद्र को आवेदन संग्रहण केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है.

छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया

सेन्हा/लोहरदगा | संकुल स्तरीय आयोजित प्रश्नमंच प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बेहतर प्रदर्शन करने वाले उन सभी विद्यार्थियों को विद्यालय प्रांगण सेन्हा में प्रोत्साहित एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित संचालित संस्थागत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सेन्हा के संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को प्रबंध समिति अध्यक्ष सुदेश्वर साहू एवं प्रांत संचालक सदस्य किनश्वर महतो के द्वारा पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया.

लोहरदगा के नेतृत्व में निकलेगी बाइक रैली

लोहरदगा | विश्व आदिवासी दिवस में आदिवासी छात्र संघ लोहरदगा जिला समिति के नेतृत्व में निकलेगी भव्य बाइक रैली. गुरुवार को लोहरदगा स्थिति झाखरा कुम्बा में आदिवासी दिवस में निकलने वाले बाइक जुलूस को सफल बनाने हेतु समस्त आदिवासी संगठन के अधिकारियों के साथ बैठक किया गया. इस बीच सारे संगठन के अधिकारियों ने बाइक रैली का समर्थन करते हुए रैली में शामिल होने की बात कही है. वहीं जिला अध्यक्ष अवधेश उरांव ने कहा कि इस बार आदिवासी दिवस पर बाइक रैली भव्य रूप से निकाला जा रहा है.

नए ट्रांसफार्मर के लिए करना पड़ेगा इंतजार

सिसई | सिसई प्रखंड घाघरा पंचायत के कोचा गांव में पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण गांव के सैकड़ों घरों को अंधेरे में रात गुजारना पड़ रहा है. बरसात के इस मौसम में गांव की स्थिति और दयनीय हो जाती है. लोगों को सांप और बिच्छुओं का खतरा बना रहता है. लोगों को मोबाइल चार्ज करने दूसरे क्षेत्र या गांव जाना पड़ रहा है. ट्रांसफार्मर खराब के कारण गांव के बच्चों का पठन-पाठन भी बाधित हो रहा है. बिजली नहीं होने से कई प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही है. ग्रामीणों ने विभाग को इसकी जानकारी भी दी थी. लेकिन कोई काम नहीं हुआ.

आरटीआई कार्यकर्ता ने सीएम को भेजा पत्र

गुमला | राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (एमएमएस) में महिलाओं के लिए राशन कार्ड की बाध्यता को खत्म करने के लिए आरटीआई कार्यकर्ता आनंद किशोर पंडा ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित किया है. पत्र में इन्होंने उल्लेख किया है कि आपके सरकार के द्वारा एक नई योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य में दिनांक 25 जुलाई 2024 से शुरू किया गया है जो बेहद उपयोगी है. इन्होंने पत्र में मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस योजना में राशन कार्ड की बाध्यता को शिथिल करने के लिए आदेश जारी करने की कृपा की जाए.

गिरिनाथ सिंह के करीबी संजय और शाकिर झामुमो में शामिल

विकास होने से प्रतिदिन बढ़ रहा है झामुमो परिवार : मंत्री

संवाददाता | गढ़वा

विधायक मिथिलेश ठाकुर के आवास पर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की

पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह के निकटतम सहयोगी राजद के पूर्व कोषाध्यक्ष समाजसेवी संजय कांस्यकार व राजद के पूर्व जिला प्रवक्ता समाजसेवी शाकिर खान झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए हैं. गुरुवार को गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर इन्होंने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. मंत्री ठाकुर ने दोनों को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर झामुमो में शामिल कराया. मौके पर मंत्री ने कहा कि गढ़वा में चौतरफा विकास हो रहा है. जिसके परिणाम स्वरूप झामुमो परिवार का दायरा हर दिन बढ़ रहा है. दोनों नेताओं का झामुमो परिवार में स्वागत एवं अभिनंदन है. इनके झामुमो में आने से पार्टी और भी मजबूत होगी. इनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा. संजय कांस्यकार ने कहा कि वे लोग मंत्री के विकास कार्यों से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हुए हैं. उन्होंने कहा कि गढ़वा के इतिहास में अब तक ऐसा विकास कार्य नहीं हुआ था, जैसा कि मंत्री ने अपने कार्यकाल में किया. मौके पर मुख्य रूप से तनवीर आलम, मनोज ठाकुर, शरीफ अंसारी, फरीद खान, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

निर्मल महतो ने किया अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध आजीवन संघर्ष

गढ़वा | झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर वीर शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस मनाई गई. पुण्यतिथि पर मंत्री ने स्व. निर्मल महतो की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी. मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड की माटी के वीर सपूत निर्मल महतो ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष किया. उन्होंने

समाज के लोगों के दु:ख-दर्द को अपना माना. अलग झारखंड राज्य के लिए निर्मल दा ने अंतिम सांस तक संघर्ष किया. राज्य की हेमंत सरकार निर्मल दा के विचारों को आत्मसात कर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, केन्द्रीय समिति सदस्य शरीफ अंसारी, आशिक अंसारी, निलेश पाण्डेय, संजय कांस्यकार, साकिर खान, दिलीप गुप्ता, नीलू खान, सैय्यद गुलाम हुसैन, अरमान सिद्दीकी, मिन्हाज, अंकित पाण्डेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

पार्टी जो भी जिम्मेदारी दी है उसे निभाऊंगा : राजेंद्र महतो

कैरो/लोहरदगा | भाजपा के आलाकमान द्वारा कैरो मंडल अध्यक्ष का विस्तार कर दिया गया है. इधर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सढ़ाबे निवासी पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष सह पूर्व प्रखंड 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र महतो को फिर से एक बार भाजपा के प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया. मौके पर नव चयनित प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र महतो ने कहा कि पार्टी जिस भरोसे के साथ मुझे जिम्मेवारी सौंपी है उसपर खरा उतरने का पूरा पूरा प्रयास करूंगा. उन्होंने कहा कि मंडल क्षेत्र में पार्टी की मजबूती हेतु लगातार प्रयासरत रहेंगे.

रामपुर रूगड़ी में जश्न ए ईद मिलादुन्नबी प्रोग्राम संपन्न हुआ

संवाददाता | लोहरदगा

सदर प्रखंड अंतर्गत रामपुर इस्लामपुर रूगड़ी टोली के मस्जिद-ए-आला हजरत में जश्न-ए-ईद-मिलादुन्नबी का प्रोग्राम रखा गया. जिसमें बड़ी हस्ती पीरबीगहा शरीफ जिला नालंदा बिहार से पीरे तरीकत रहबरे राहे शरीयत हजरत अल्लामा मौलाना सैय्यद शाह नुरुद्दीन असदक चिश्ती साहब तशरीफ़ फ़रमा थे. इधर, सबसे पहले मस्जिद के इमाम गुलाम रसूल अशरफी साहब ने मुक्कदस कुरान पाक की तिलावत से शुरू किया गया और नातिया कलाम पढ़ा गया. बतौर मुख्य अतिथि पीरे तरीकत के द्वारा अल्लाह और उनके रसूले करीम सल्लल्लाहु त आला अलय हे वसल्लम के सुन्नतों पर उनके बताए रास्तों पर चलने और बच्चों के शिक्षा पर जोर डाली एवं हक, नाहक कि बात बताई. आखिर में सलातो व सलाम पढ़कर दुआ मांगी. मौके पर रूगड़ी टोली के सदर जनाब जुबैर असदकी, शराफत असदकी, जफीरूद्दीन, अब्बास असदकी, अब्दुल असदकी, मनीरूद्दीन, मुनंजीर, असलम, मुमताज आदि लोग मौजूद थे.

लोहरदगा के कार्यपालक अभियंता दीपक खलखो ने कहा

बिजली चोरी करने वालों की खैर नहीं

- लोगों को सरकारी गाइडलाइंस के मुताबिक बिजली उपयोग करने हेतु अपील की

संवाददाता | लोहरदगा

लोहरदगा जिला में बिजली की अवैध कनेक्शनधारियों की संख्या में कमी नहीं आ रही है. लोग विभागीय कार्रवाई के बगैर खौफ खाए हर दिन धड़ल्ले से बिजली चोरी कर सरकार को राजस्व की क्षति पहुंचा रहे हैं. यहां पर बड़ी संख्या में लोगों ने चाईनीज तार खींचकर बिजली का उपयोग कर सरकारी मापदंडों को धज्जियां उड़ा रहे हैं. बिजली विभाग की ओर से सरकार की ओर से जारी गाइडलाइंस को जनहित में लगातार वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया जाता रहा है लेकिन लोगों में इसका भी कोई असर नहीं हुआ है. आए दिन लोग बिजली चोरी करने में लगे रहते हैं. इधर सरकारी मानकों को शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने और लोगों को वैध तरीके से बिजली उपयोग किए जाने हेतु अवर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड लोहरदगा के कार्यपालक अभियंता दीपक खलखो ने लोहरदगा जिला वासियों को अपील करते हुए कहा है कि सरकार द्वारा जनहित में जो गाइडलाइंस जारी किया जाता है उसका उपभोक्ता शत-प्रतिशत अनुपालन करते हुए बिजली उपयोग करें ताकि आप विभागीय कार्रवाई से बच सकते हैं. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि लोहरदगा जिला में आए दिन चाईनीज तार की चपेट में आने से अकारण लोगों की मृत्यु हो जाती है इससे परिवार वाले काफी टूट जाते हैं, बावजूद लोगों में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है. कार्यपालक अभियंता दीपक खलखो ने कहा कि लोहरदगा जिला के उपभोक्ता सरकार की गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए बिजली उपयोग करें ताकि लोगों को जान-माल का नुकसान होने से बचाया जा सकता है.

विवेक सोनी दूसरी बार बने भाजपा प्रखंड अध्यक्ष, दी बधाई

संवाददाता | भंडरा/लोहरदगा

भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार भंडरा प्रखण्ड अध्यक्ष विवेक सोनी को पुनः दूसरी बार प्रखण्ड अध्यक्ष बनाया गया. भारती जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महा सचिव बिंदेश्वर उरांव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुनैना कुमारी, जिला उपाध्यक्ष बालकृष्ण सिंह, निराज नलिन, धनंजय तिवारी, नीरज कुमार, राजमुनी कुमारी, पंकज साहू, उत्तम गुप्ता, राजेश साहू, परमेश्वर उरांव, उमेश साहू, मुकेश उरांव, भोला साहू, विकता उरांव, मनदयाल महतो, चंदन गुप्ता, सूरज साहू, हरिनाथ महतो, आनंद साहू, श्रवण गुप्ता सहित आदि लोगों ने बधाई दी. वहीं विवेक सोनी ने सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा जिस उम्मीद से मुझे पार्टी जिम्मेदारी सौंपी है उसपर खरा उतरने का काम करूंगा.

जिला परिवहन पदाधिकारी के आदेश पर चला जांच अभियान

संवाददाता | किस्को/लोहरदगा

जिला परिवहन पदाधिकारी के आदेशानुसार ट्रैफिक इंचार्ज की अगुवाई में गुरुवार को किस्को थाना के समीप में वाहन जांच अभियान चलाया गया. इस मौके पर ट्रैफिक इंचार्ज, रोड सेफ्टी इंजीनियर कृष्ण कुमार द्वारा दो पहिया वाहनों की जांच की गई. जिसमें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले लोगों के वाहनों का चालान काट कर छोड़ दिया गया जिसे लोहरदगा जिला परिवहन कार्यालय में फाइन जमा करने निर्देश दिया गया, जांच के दौरान दो पहिया वाहन के सभी जरूरी कागजात ऑनर बुक परमिट फिटनेस प्रदूषण लाइसेंस हेलमेट सहित ट्रिपल लोडिंग आदि की जांच की गई. जिसमें उक्त सभी जरूरी कागजात नहीं रहने पर वाहनों से कुल 40 हजार चालान काटा गया, मौके पर ट्रैफिक इंचार्ज ने कहा कि सभी वाहन चालक को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जरूरी है. हमेशा हेलमेट पहनकर चलाएं. उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि हेलमेट पुलिस से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए पहनें इसके बाद ही वाहन चलाएं.

- वाहन जांच करते पुलिसकर्मी.

विभाग को जानकारी देने पर भी मौन

स्कूल के सामने मकड़ी के जाल बनी बिजली का तार

विद्यार्थियों के लिए जानलेवा हो रही है साबित

भंडरा/लोहरदगा | जिले के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतरपोका स्थित मिडिल स्कूल के सामने बिजली के तार मकड़ी के जाल बना हुआ है, जो जमीन से महज एक फीट में झूल रहा है. यहां पर स्कूल भवन के इर्द-गिर्द लगा विद्युत पोल झुककर गिर गया है. इससे तार स्कूल की ओर झुक गया है. जमीन से करीब 1 से 2 फुट की ऊंचाई पर बिजली की मेन लाइन और कनेक्शन के तार झूलने से बारिश के मौसम में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. स्कूल प्रबंधन सहित गांव के लोगों द्वारा विद्युत मंडल को शिकायत करने के बाद भी यहां न तो पोल ठीक कराया गया है न ही तारों को खिंचवाया गया है. स्कूल प्रभारी ने बताया कि टिफिन के समय बच्चों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है ताकि किसी तरह का घटना न हो, उन्हें हमेशा बच्चों की चिंता सताती रहती है. बारिश का मौसम है, ऐसे में तेज हवा आंधी में तार टूटकर गिर सकते हैं. उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले स्कूल के पास लगा पोल झुक गया था जिससे तार भी लटकने लगे हैं, उन्होंने दो बार विद्युत मंडल में शिकायत की है लेकिन के लोगों ने भी शिकायत की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई. स्कूल प्रबंधन सहित ग्रामीणों का कहना है कि शीघ्र ही झूलते तारों का मेंटेनेंस कराया जाए.

हिंडालको कंपनी ने बांटे मड़ुआ बीज व फुटबॉल

किस्को/लोहरदगा | जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अति सुदूरवर्ती एवं उग्रवाद प्रभावित रिचुघुटा साइडिंग परिसर में हिंडालको कंपनी द्वारा सीएसआर फंड के तहत क्षेत्र के किसानों और खिलाड़ियों के बीच मड़ुआ बीज एवं फुटबॉल वितरित कर प्रोत्साहित किया गया. यहां पर हिंडालको कंपनी की ओर से हर साल क्षेत्र के किसानों को विभिन्न किस्मों के बीज वितरण कर खेती कार्य को मूर्त रूप देने हेतु प्रेरित किया जाता है. साथ ही क्षेत्र के दबे-कुचले खिलाड़ियों को अपने अंदर की छुपी हुई प्रतिभा को पटल पर रखते हुए बेहतर मंजिल दिलाने के उद्देश्य से खेल सामग्री का वितरण किया जाता रहा है.

इसी निमित्त गुरुवार को हिंडालको कंपनी के सौजन्य से कैंप लगाकर क्षेत्र के किसानों के बीच मड़ुआ का बीज वितरण किया गया और किसानों को खेती करने के लिए प्रेरित किया गया. इसके अलावा खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल का वितरण कर हौसला अफजाई किया गया. मौके पर बड़ी संख्या में किसान बंधु और खिलाड़ी गण मौजूद थे.

उमड़ी भीड़ | मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, योजना का ऑफलाइन प्राप्त किए जा रहे हैं फॉर्म

धनरोपनी छोड़कर लाभ लेने पहुंच रही हैं महिलाएं

- प्रोत्साहन राशि दिए जाने की घोषणा किए जाने से महिलाएं काफी हर्षित दिखाई दे रही हैं

हुसैन अंसारी | लोहरदगा

जिले के सभी प्रखंड क्षेत्रों में संचालित प्रज्ञा केंद्रों पर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ उमड़ रही है. यहां पर महिलाएं धनरोपनी कार्य को पूरा करने को छोड़कर अहले सुबह से ही प्रज्ञा केंद्रों में कतार में खड़ी हो जाती हैं. जिससे धनरोपनी कार्य को मूर्त रूप देने में किसानों के पसीने छूट रहा है. उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य के महिलाओं को साल में 12 हजार रूपये व प्रति माह 1 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि दिए जाने की घोषणा किए जाने से महिलाएं काफी हर्षित दिखाई दे रही हैं. इधर, लोहरदगा जिला में इस योजना का लाभ लेने हेतु महिलाएं घर के सारे काम छोड़कर सुबह से ही प्रज्ञा केंद्रों पर लाइन पर खड़ी होकर अपनी बारी का देर शाम तक इंतजार करते दिखाई दे रही हैं.

लोहरदगा में 317 प्रज्ञा केंद्रों

पर ली जा रही है फार्म : मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शत-प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिले इसे लेकर जिला प्रशासन की ओर से 317 प्रज्ञा केंद्रों को जिम्मेदारी सौंपी गई है. ताकि लाभुकों को किसी तरह की परेशानी ना हो सके और शत-प्रतिशत योजना का लाभ उठा सकें. बता दें कि इस योजना का लाभ लेने हेतु सरकार की ओर से 21 से 49 वर्ष की महिलाओं को लाभुक बनाया गया है. यहां पर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ उठाने हेतु लाभुकों को आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड की छायाप्रति व एक पासपोर्ट फोटो आवेदन के साथ संलग्न करने की बात कही गई है.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चांपी के भैया-बहनों ने लहराया परचम

संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में मिला पहला व दूसरा स्थान

संवाददाता | कुडू लोहरदगा

जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चांपी के भैया-बहनों ने विद्या भारती योजना के अंतर्गत शाला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में आयोजित संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया. जिसका आयोजन 7 अगस्त बुधवार को किया गया था. जिसमें बड़की चांपी के भैया-बहनों ने विभिन्न विषयों के तीनों वर्गों शिशु, बाल व किशोर वर्ग में ज्यादातर द्वितीय व प्रथम स्थान प्राप्त किया है. ओवर ऑल स्कोर प्राप्ति में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर प्रधानाचार्य मनोहर मोदी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता में लोहरदगा संकुल के अंतर्गत संचालित सात विद्यालयों के भैया बहनों ने भाग लिया था, जिसमें विद्या मंदिर बड़की चांपी के 43 भैया-बहनों ने भाग लिया था. इस प्रतियोगिता में बड़की चांपी के भैया बहनों ने अंग्रेजी विषय के तीनों वर्गों शिशु, बाल व किशोर में क्रमशः द्वितीय, तृतीय और प्रथम स्थान प्राप्त किया, विज्ञान विषय के तीनों वर्गों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, संस्कृत विषय के शिशु एवं बाल वर्ग में द्वितीय स्थान तथा किशोर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है. संस्कृति बोध परियोजना विषय के किशोर वर्ग में द्वितीय स्थान एवं वैदिक गणित के बाल वर्ग में भी द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है. आशु भाषण प्रतियोगिता में बहन मनीषा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर संकुल में विद्यालय को गौरवान्वित किया है.

विनेश फोगाट की त्रासदी

पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था. देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था. लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया, जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया. विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी. निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है. खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी. भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था. इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिए थोड़ा समय मांगा था, लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है. रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है. ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें. यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है. इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती. हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है. साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है. फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है. विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है, लेकिन भारतीयों के लिए यह फैसला असहनीय है. निस्संदेह, हर भारतीय के लिए यह फैसला कष्टदायक है. वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं. कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं. उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए. देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं. आपमें लड़ने की क्षमता है. आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है. निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है. भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं. बेशक, फाइनल में खेलने के लिए वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी. विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी. उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते, बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता. लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं. लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता-धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है. वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए.

> खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी.

सुभाषित

भेदे गणाः विनश्येयुः भिन्नास्तु सुजयाः परैः।
तस्मात् संघातयोगेन प्रयतेरन् गणाः सदा।।

गणराज्य में अगर एकता न हो तो वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि एकता न होने पर शत्रु को उसे नष्ट करने मे आसानी होती है. इसलिए गणराज्य में आपसी मतभेदों के बावजूद नागरिकों के बीच हमेशा आंतरिक एकता बनी रहनी चाहिए.

दयनीय हाल में सबर और बिरहोर जनजाति

पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा आदिवासी उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं.

• देश-काल

डॉ. गंगा प्रसाद झा

भारत में इंडीजीनस दिवस को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है. प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को इस दिन भारत के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी या जनजाति संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की बात की जाती है. विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षण के साथ विकास के लिए भी चिंतन मनन किया जाता है. भारत में कुल जनसंख्या (2011) का आठ प्रतिशत जनजाति जनसंख्या है. इंडियन एंथ्रोपॉलजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के द्वारा प्रायोजित परियोजना, पीपुल्स ऑफ़ इंडिया के अनुसार भारत में कुल 4635 अंतर्विवाही समूह या जाति हैं, जिसमें अनुसूचित जनजाति भी शामिल है. हो सकता है किसी कारण बस या भूल से इसमें कुछ समूहों को शामिल न किया गया हो, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत भारत में 705 समूहों को अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुसूची बद्ध किया गया है. इनके लिए संविधान में संरक्षण की बात कही गई है और इन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का सतत प्रयास किया जाता रहा है. इन जनजातियों में कुल 75 ऐसी जनजातियां हैं, जो विशेष रूप से कमजोर या कहें वुलनरेबल हैं. इन्हें 2006 से पहले आदिम जनजाति कहा जाता था, जिसे बाद में पार्टिकुलर वुलनरेबल ट्राइब्स पीवीटीजी कहा जाने लगा. पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं. इनके बीच 25% से भी कम साक्षरता दर है. इनका जीवन आज भी कंदमूल संग्रह पर निर्भर है. जंगल पर आश्रित जनजातियों के बीच जन्म दर से अधिक मृत्यु दर रहने के कारण इनकी जनसंख्या स्थिर है. झारखंड में निवास करने वाली आठ पीवीटीजी मल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, कोरबा, असुर, बिरजिया, परहिया, बिरहोर तथा सबर हैं. सबसे अधिक जनसंख्या मल पहाड़िया की है. झारखंड के पीवीटीजी में सबसे दयनीय स्थिति बिरहोर और सबर की है. यहां बिरहोर की जनसंख्या मात्र 10000 है. झारखंड में सबर की जनसंख्या मात्र 9688 है. यहां निवास करने वाली सबर महिलाओं की जनसंख्या 4824 है, जिनमें 3749 महिलाएं साक्षरता से दूर हैं. झारखंड में कुल सबर जनसंख्या का 92% पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां में वास करते हैं. जंगल के अलावे इनका मुख्य पेशा भी मजदूरी है. इन्हें डाकिया योजना का लाभ अवश्य मिलता है, जिसके अंतर्गत मुफ्त में इन्हें चावल दिया जाता है, लेकिन प्रश्न यह है कि केवल चावल से इनका जीवन कैसे कटेगा? जंगल से पत्तल लाकर और जलावन के लिए सुखी लड़कियां चुनने के अलावे इनके पास और कोई रोजगार नहीं है. इनके बीच कुपोषण जनित बीमारियां विकराल रूप धारण की हुई है. जागरूकता की कमी के कारण इन्हें योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता. जीवन के लिए संघर्ष जारी है. गुणवत्तापूर्ण जीवन की बात तो इनकी समझ से भी परे है. इन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि राज्य और कल्याणकारी राज्य व्यवस्था क्या है? इन्हें अगर पता है तो बस इतना कि इनके पूर्वज जंगल से जीते थे और ये भी जंगल के आश्रय में ही जी रहे हैं. वहीं से फल -फूल मिलता है, पत्ते मिलते हैं, जिसका दोना बनाकर ये नजदीक के हाट -बाजार में बेचते हैं और जो कुछ नगद मिलता है, उसी से दवा और जीने के लिए अन्य आवश्यक चीजें खरीदनी पड़ती हैं. इन्हें यह भी नहीं मालूम कि आजादी के 78 वीं वर्षगांठ का मतलब क्या है? झारखंड में 24 वर्ष के अबुआ दिसुम अबुआ राज में पीढ़ी दर पीढ़ी जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाली जनजातियों के लिए अबुआ दिशुम अबुआ राज में क्या-क्या हुआ.

सबर जनजाति के बीच भले ही गरीबी और कुपोषण जनित बीमारियां हों और उनके पास सुख-सुविधाओं के सामान न हों, लेकिन इनके पास जो है, वह जटिल समाज के पास नहीं है. इनके पास परंपरागत औषधि ज्ञान है. इनके बीच समाज में मिलजुल कर रहने की अद्भुत कला है. सामाजिकता और मानवता पर आधारित सबर समाज को, एक दूसरे को किस तरह से सहयोग दिया जाए, यह कला प्रकृति ने सिखायी है. जंगल से कंदमूल एकत्र करना हो या फिर से गृह निर्माण, सभी कुछ एक दूसरे के सहयोग पर निर्भर करता है. इनके बीच अकूत संपत्ति या फिर एक दूसरे को ठगने की प्रवृत्ति नहीं है. एक दूसरे को सम्मान देकर बराबरी के साथ समाज में कैसे रहा जाता है, कोई इनसे सीखे . प्रकृति पूजक सबर जनजातियों के बीच बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष सम्मान दिया जाता है. इस समाज को दहेज की जानकारी नहीं है और न ही वृद्धाश्रम की. किसी भी प्रकार के आपसी विवाद का हल समाज के परंपरागत प्रधान द्वारा सरल तरीके से कर लिया जाता है, जो सर्वमान्य होता है. इस कार्य हेतु बैठक बुलाने में समाज के गोराईत सहयोग देते हैं. अशिक्षा के कारण समाज में अंधविश्वास और स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने के लिए जादू टोना पर विश्वास करने वाले लोगों की संख्या काफी अधिक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

क्षमा शस्त्रं करे यस्य

नीतिकार ने कहा है-क्षमा शस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं तं करिष्यति. अर्थात जिसके हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र है, उसका कोई दुर्जन क्या बिगाड़ पाएगा? यह बात सिद्धांततः अत्यंत सरल है, लेकिन व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो उतना ही कठिन. बहुत सी ऐसी घटनाएं प्रकाश में आये दिन आती रहती हैं कि किसी दुष्ट व्यक्ति ने दुष्टता कर दी. क्षमाशील व्यक्ति ने उसे क्षमा कर दी. परिणाम वह नहीं हुआ, जिसकी अपेक्षा थी. दुष्ट व्यक्ति ने यह माना कि सामनेवाला कायर है. डरपोक है. यह उससे डरता है, इसलिए वह उसकी दुष्टता का माकूल जवाब नहीं दे सकता. वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता और फिर दुष्टता कर बैठता है, लेकिन क्षमाशील अपनी क्षमा वृत्ति का त्याग नहीं करता. एक समय ऐसा भी आता है कि दुष्ट व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हो जाता है. किसी की दुष्टता का प्रतिशोध लिया जा सकता है, लेकिन प्रतिशोध लेने का आनंद मात्र एक दिन का होता है, जबकि क्षमा करने का गौरव सदा बना रहता है. सच्ची क्षमा समस्त ग्रंथियों को विदीर्ण करने का सामर्थ्य रखती है. हर परिस्थिति में स्वयं को संयोजित संतुलित रखना भी क्षमा ही है. क्षमा देने व क्षमा प्राप्त करने का सामर्थ्य उसी में है, जो आत्म निरीक्षण कर सकता है. क्षमापना आत्म शुद्धि का प्रवहमान अनुष्ठान है, सौम्यता, विनयसरलता, नम्रता शुद्ध आत्म में स्थापित होती है. अच्छे विचारों को धरातल पर उतारना या स्वभाव में सम्मलित करना बहुत ही दुष्कर होता है, बरसों के जमे जमाये व्यवहार आसानी से नहीं उखड जाते. ज्ञान की बहुत बडी बडी बातें, सत्संग, प्रवचन कहकर अक्सर हम उडा देते हैं. लेकिन फ़िर भी अच्छे विचारों पर किया गया क्षणिक चिन्तन भी व्यर्थ नहीं जाता. सदाचरण को 'अच्छा' मानने की प्रवृत्ति मानसिकता में बनी रहती है. देर से व शनैः शनैः ही सही हृदय की शुभ मानसिकता अंततः क्रियान्वन में उतरती ही है. इसीलिए दया, करूणा, अनुकंपा और क्षमा के भावों को उचित जानना मानना व कहना आवश्यक है. पालन जब होगा तब होगा हृदय में इनका निवास जरूरी है. वय, परिस्थिति एवं अनुभवों के आधार पर धीरे-धीरे ही क्षमाशीलता आ सकती है. हर व्यक्ति की परिस्थिति फरक होती है. पूर्व में स्थापित बुद्धि क्षमा का निर्णय नहीं ले सकती. घटना अथवा दुर्घटना से तदुत्पन्न बुद्धि ही निर्णय लेती है. व्यक्ति ज्यादातर परिस्थियों का गुलाम होता है.और परिस्थितियां मनुष्य को विवश कर देती हैं.

देश-दुनिया में आदिवासियों की दशा और दिशा

• आदिवासी दिवस

तुहिन

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में विश्व के मूल निवासियों के लिए 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया. यह तय हुआ कि 1995-2004 के बीच अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक के दरम्यान प्रति वर्ष 9 अगस्त अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दिवस के रूप में मनाया जाए. 2004 में महासभा ने 'कार्य और महत्ता के दशक' के रूप में 2005- 2015 के बीच दूसरा अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक मनाने की घोषणा की. संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार दुनिया के 70 देशों में करीब 370 मिलियन मूल निवासी (आदिवासी) निवास करते हैं और यह विश्व की कुल जनसंख्या के 6 प्रतिशत से कुछ कम है तथा 72 देशों में 5000 अलग-अलग शाखाओं से ताल्लुक रखते हैं. विश्व की प्राचीन सभ्यताओं का निर्माण मूल निवासियों ने किया था. मध्ययुग में यूरोपियन उपनिवेशवाद जब पूरी दुनिया में अपना पैर जमाने लगा तो एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा. क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा अमेरिका की खोज के बाद यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतें विशेषकर स्पेन, पुर्तगाल, हालैंड (डच) ब्रिटेश, डेनमार्क, फ्रांस, बेल्जियम आदि अमेरिका महादेश को आबाद करने के नाम पर अफ्रीकी महादेश से जहाज भर-भर कर अफ्रीकी मूल निवासियों को बलपूर्वक अमेरिका ले गए. यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतों ने अफ्रीका में गांव के गांव जलाकर व बर्बर तरीके से जबरदस्ती अफ्रीका (जहां पर कि पृथ्वी की प्रथम मानव सभ्यता का प्रकाश फैला था) के लोगों को उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में ले जाकर गुलाम बनाया. अफ्रीका के मूल निवासियों के गुलाम व्यापार से यूरोपियन उपनिवेशवाद फलता-फूलता रहा. अमेरिका को जिन लोगों ने अपने खून पसीने से सींचा, आबाद किया, आज भी वे अफ्रीकी-अमरीकी, अमेरिका में दूसरे दर्जे के नागरिक हैं तथा नस्लवादी रंगभेद नीति का सबसे ज्यादा शिकार हैं. भले ही अमेरिका में गुलाम प्रथा का कानूनी रूप से विलोप हो गया हो, लेकिन अब भी वे वहां सबसे ज्यादा गरीब, बदहाल, बेरोजगार, हिंसा के शिकार, मानवाधिकारों से वंचित सबसे ज्यादा तादाद में जेल में बंद हैं. एक तरफ तो उत्तर अमेरिका में अफ्रीका के मूलनिवासियों पर गुलामी थोपकर अमानवीय शोषण किया गया तो दूसरी ओर दक्षिण अमेरिका (लैटिन अमेरिका) में वहां के मूल निवासियों माया, इन्का, एजटेका आदि रेड इंडियन समुदाय का समूल विनाश कर दिया. पेरू में क्रूर स्पेनीय सेनापति पिजारो ने सोने के खजाने की लालच में आदिवासी राजा अताहुआल्पा समेत असंख्य आदिवासियों की निर्मम हत्या की. यह कहा जाता है कि दक्षिण अमेरिका में यूरोपीयन सभ्यता, रेड इंडियन मूल निवासियों के खून और मांस के लोथड़ों की बुनियाद पर पनपा है. दक्षिण अमेरिका में हाइती पर फ्रांस तथा ब्राजील पर पुर्तगाल के आधिपत्य के अलावा समूचा महाद्वीप स्पेनी उपनिवेशवाद के कब्जे में रहा. उसी प्रकार अफ्रीका में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, बेल्जियम व फ्रांस ने उपनिवेश बनाया तो एशिया के विभिन्न देशों को ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, अमेरिका व हालैंड ने अपना उपनिवेश बना लिया. ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद साम्राज्यवादियों ने उपनिवेशों में जनता के मुक्ति संघर्ष की तीव्रता तथा अपने संकट की घड़ी को देखते हुए दुनिया को लूटने की नयी रणनीति इख्तियार की. तमाम साम्राज्यवादी ताकतों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्यवाद के शक्तिहीन होने के कारण, विश्वयुद्ध में सबसे कम नुकसान उठाने वाली नयी साम्राज्यी ताकत अमेरिका को अपना नेता माना. अतः अमेरिका के नेतृत्व में सभी साम्राज्यवादी ताकतों ने पुराने किस्म के उपनिवेशवाद की जगह, प्रत्यक्ष नियंत्रण की जगह अप्रत्यक्ष नियंत्रण वाली नवउपनिवेशवादी रणनीति को अपनाना शुरू किया. इसके तहत् एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका में साम्राज्यवादियों ने अपने पुराने उपनिवेशों में दिखावे के लिए 1945 के बाद औपचारिक आजादी की घोषणा की और अपने पिट्ठूओं के हाथ सत्ता सौंप कर (जो कि साम्राज्यवादियों के देशीय दलाल पूंजीपति और सामंती भूस्वामी वर्ग के लोग थे) पर्दे के पीछे से नवउपनिवेशों की राजनीति, अर्थनीति, सामरिक नीति आदि पर नियंत्रण व हस्तक्षेप करने लगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा.

वेनुजुएला में चुनावों के बाद की हिंसा के मायने

• देशांतर

कुमार प्रदीप

निकोलस मादुरो को वेनेजुएला का राष्ट्रपति फिर से चुन लिया गया है. उन्हें 51.2 फीसदी वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी एडमंडो गोंजालेज 44.2 फीसदी वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे. राष्ट्रपति मादुरो की यह जीत सुनिश्चित करती है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया कई चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ेगी. इससे पहले, 1999 में ह्यूगो चावेज़ को एक जन लोकतांत्रिक आंदोलन के चलते राष्ट्रपति चुना गया था, यह तब हुआ था, जब वेनेजुएला नवउदारवादी नीतियों के जाल में फंसकर तबाह हो चुका था. नवउदारवादी परियोजना के दायरे में वेनेजुएला के फंसने के कारण 1999 तक वेनेजुएला की राजनीतिक अर्थव्यवस्था (और इसके तेल संसाधन) घरेलू पूंजीपति वर्ग की जूनियर भागीदारी के साथ अमेरिकी साम्राज्यवाद (जो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल पर हावी थी) द्वारा निर्धारित मापदंडों के भीतर काम कर रही थी. जब 1999 में राष्ट्रपति चावेज़ चुने गए तो अमेरिकी साम्राज्यवाद के तहत काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन केपिटल (और अमेरिका की घरेलू जूनियर साझेदार थी) ने मान लिया था कि उनके आंदोलन को नवउदारवादी परियोजना में शामिल करके सहयोजित किया जा सकता है. हालांकि तब ऐसा नहीं हुआ तो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल और उसके जूनियर साझेदारों ने 2003 में एक सैन्य तख्तापलट की साजिश रची, जिसे एक लोकप्रिय जन-विद्रोह ने पराजित कर दिया, जिसमें सशस्त्र बलों के व्यापक रैंक भी शामिल थे. संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी, जिसे कोलेक्टिवो पर आधारित क्रांतिकारी संगठन द्वारा बल दिया गया था. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल के (अमेरिकी साम्राज्यवादी आधिपत्य के तहत काम करने वाली) वेनेजुएला के खिलाफ छेड़े गए आर्थिक युद्ध के कारण प्रति व्यक्ति आय (और प्रवासन) में तेज गिरावट आई, जिसे धीरे-धीरे उलट दिया जा रहा है. बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया (जिसके भीतर यह अंतर्निहित है) के साथ कल्याणकारी व्यवस्था के अस्तित्व ने एकतरफा प्रतिबंधों से प्रेरित आर्थिक संकट की गंभीरता को कामकाजी लोगों की भलाई में आनुपातिक गिरावट में प्रसारित होने से रोका है. अमेरिकी साम्राज्यवाद के सीधे इशारे पर काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन कैपिटल ने एकतरफा प्रतिबंध लगाए, और अन्य बातों के अलावा, तेल उद्योग से संबंधित मशीनरी और अन्य इनपुट के विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को तेल उत्पादन क्षमता की मरम्मत और उन्नयन से रोका. चीन में सेमीकंडक्टर उत्पादन के संबंध में कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उसमें कम सफलता मिली है, क्योंकि चीन न केवल सेमीकंडक्टर की विश्व मांग का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि यह दुनिया में हर महत्वपूर्ण नवाचार की आधारभूत अर्थव्यवस्था भी है. 2022 से रूस के संबंध में भी कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन रूस विश्व तेल बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए महानगरीय पूंजी के लिए रूसी तेल निर्यात में कमी करना महानगरीय पूंजी का उद्देश्य नहीं है. इसके बजाय, रूसी तेल निर्यात पर तेल मूल्य सीमा लागू करने का महानगरीय पूंजी का प्रयास पूरी तरह विफल रहा है. विडंबना यह है कि तेल की कीमतों के कारण रूसी तेल निर्यात आय को कम करने में असमर्थता ने मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को वेनेजुएला के तेल निर्यात पर अत्यधिक दबाव नहीं डालने के लिए मजबूर किया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि वेनेजुएला के तेल निर्यात पर इस तरह के अत्यधिक दबाव से विश्व तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इसलिए रूसी तेल निर्यात से आय बढ़ेगी. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को ये झटके समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में शक्तियों के बदले हुए रणनीतिक सहसंबंध को दर्शाते हैं. यह भी खेदजनक है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया वेनेजुएला की वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता को अपेक्षित सीमा तक बनाए रखने में असमर्थ रही है. हालांकि यह काफी मेहनत और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों के विभिन्न घटकों के बीच निरंतर बहस, चर्चा और सत्ता के बंटवारे की यह प्रक्रिया बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया को और अधिक टिकाऊ बनाएगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी.

मीडिया में अन्यत्र

उम्मीद से नाउम्मीदी तक: शेख हसीना के बाद बांग्लादेश

भीड़ द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ से कुछ ही क्षण पहले ढाका से अपने नाटकीय पलायन के साथ, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास ठहर कर यह सोचने का समय होगा कि वह क्या था, जिसके चलते यह अल्प-प्रत्याशित घटना हुई. एक समय लोकतंत्र के लिए लड़ाइयों में बांग्लादेश के युवाओं की उम्मीद और बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में जान फूंकने वाली प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को आखिरकार छात्रों के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में देखा गया और बीते दो महीनों में हुए प्रदर्शनों में 300 से ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया. वर्ष 2009 में आतंकवादी शिविरों पर अपनी कड़ी कार्रवाई, अपराधियों को भारत को सौंपने और कट्टरवाद के खिलाफ अपने अभियान के लिए वह सराही गयीं, लेकिन जोर-जबर की इसी तरकीब का इस्तेमाल अपने विरोधियों पर करने के लिए हाल में उनकी लानत-मलामत ही ज्यादा हुई. आरक्षण को लेकर जुलाई में शुरू हुआ छात्रों का विरोध अंतिम कील रही हो सकती है, लेकिन चुनाव में धांधली और मीडिया को दबाने के आरोपों और नेताओं, पत्रकारों व एक्टिविस्टों को फर्जी आरोपों में जेल भेजने को लेकर गुस्सा पिछले दशक से ही पनप रहा था. जनवरी में चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद भी शेख हसीना उसी राह पर चलती रहीं. जिस नोबेल विजेता और ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद यूनुस के खिलाफ मुकदमे कायम किये गये और जेल भेजा गया, अब उनके अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने का अनुमान है. शेख हसीना की कार्रवाइयों और असहमति को कोई भी स्थान देने से उनके इनकार ने उस विरासत को धूमिल कर दी है, जो उन्हें सबसे प्रिय है. यह विरासत उनके पिता, बांग्लादेश के बहुत-अजीज संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की है, जिनकी मूर्तियां अब मलबे के बीच खड़ी हैं.

इसमें कोई शक नहीं कि भीड़ की इस चरम हिंसा व प्रदर्शनों को राजनीतिक समर्थन था और शायद पाकिस्तान एवं अमेरिका के तत्वों का प्रोत्साहन था. इन दोनों देशों के अवामी लीग सरकार के साथ तनावपूर्ण रिश्ते थे. ज्यादा चिंताजनक बात इस्लामी समूहों की बड़ी भागीदारी है जिससे वह धार्मिक सहिष्णुता और धर्मनिरपेक्षता प्रभावित हो सकती है, जिसे शेख हसीना ने अपने 15 साल के कार्यकाल में लाने की कोशिश की थी. भारत के लिए, इनमें से हरेक नतीजा आत्ममंथन का कारण बनना चाहिए. नयी दिल्ली शेख हसीना को खामियाजे की सलाह दे पाने में विफल रहकर, बांग्लादेशी विपक्षी सदस्यों के खिलाफ उनकी कार्रवाइयों में सहभागी भर नहीं थी. वह विपक्षियों के साथ संवाद बना पाने में भी नाकाम रही और ढाका की सड़कों पर अपनी साख गंवा दी. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ठिकाना/ठीक

मुसाफिर हूं यारो, न घर है ठिकाना, मुझे चलते जाना है, बस चलते जाना. यह सन् 1972 में आयी फिल्म परिचय के एक गाने का मुखड़ा है, जिसे किशोर कुमार ने अपने जबर्दस्त अंदाज में गाया है. इस गीत में कवि एवं गीतकार गुलजार ने उस मस्त मुसाफिर की मनोवृत्ति का चित्रण किया है, जिसका कहीं कोइई ठिकाना नहीं है. ठिकाना हिंदी भाषा का संज्ञा पुल्लिंग और बहु प्रचलित शब्द है. शब्दकोशों के अनुसार ठिकाना का मतलब है रहने या ठहरने की जगह्न वासस्थान, आश्रय या निर्वाह का स्थान, गुजर करने की जगह, स्थरता, ठहराव, आयोजन, प्रबंध, बंदोबस्त, उपाय, अस्तित्व की दृढ़ता, भरोसा, जागीर, सीमा, हद, अंत, किसी कथन की प्रामाणिकता. सकर्मक क्रिया के रूप में ठिकाना का मतलब है ठहरने या टिकने में प्रवृत्त करना, गुप्त रूप से छिपाकर ले लेना, अपने पास ठहरा लेना, किसी स्त्री को उपपत्नी बनाकर रख लेना. वह इतना झूठ बोलता है, जिसका ठिकाना नहीं. उसकी दौलत का कहीं ठिकाना है. इन दोनों वाक्यों में प्रयोग में आये ठिकाना शब्द का आशय पारावार, हद और अंत के रूप में ही समझा जाता है. इस शब्द से बहुत सारे मुहावरे बने हैं, जो प्रचलन में भी हैं. उदाहरण के लिए किसी के होश ठिकाने नहीं रहते तो किसी की बुद्धि ठिकाने पर नहीं रहती. किसी को खाने का ठिकाना नहीं है. कोई ठिकाना ढूंढता है तो कोई किसी को ठिकाना लगाने के लिए घात लगा कर बैठा है. अगर ऐसा है तो ठीक नहीं है. ठीक मूलतः विशेषण शब्द है, जो कई रूपों में विचरण करता है और गलत को भी ठीक कर देता है. इसका मतलब है उपयुक्त, सही, उचित, मुनासिब, प्रामाणिक, भला, अच्छा, मनोनुकूल, यथार्थ, अभ्रांत, बंधा हुआ, नियत, न कम-न ज्यादा, जो दुरुस्त हो, जिसमें शुद्धता हो. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में ठीक का मतलब है निश्चय, प्रबंध, बंदोबस्त, आयोजन, व्यवस्था, योग, जोड़. क्रिया विशेषण के रूप में ठीक का मतलब नियत समय पर, उचित रीति से, प्रमाणिक ढंग से, हूबहू, ठहराव.

धीरे धीरे लोग होते चले गये अमूंछवादी

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

कुछ भी हुआ हो, धीरे-धीरे लोग अमोक्षवादी के साथ-साथ अमूंछवादी भी हो गये, लेकिन आरम्भ में बड़े-बूढ़ों के लिए यह असहनीय था. बाद में वो भी इसके आदी हो गये. बहुत से लोग जो जवानी में कभी पानी लगा-लगाकर मूंछे एंठते थे, वे भी बुढ़ापे में छिला बैठे. एक बाबाजी अस्सी की उम्र में पहली बार मूंछ छिलाकर निकले. किसी ने पूछा -अरे आप भी छिला दिए. बोले, सुना है मूंछों का भी साइड इफेक्ट होता है. छीलने के बाद पता चला कि मूंछों के रहने से बुढ़ापा भी जल्दी आ जाता है. आज की पीढ़ी सच में बहुत चालाक है. हम पहले जो भी खाते-पीते थे, आधा पेट में जाता था और आधा मूंछों में ही टंगा रहता था. भूंखे रहने से लाख गुना बेहतर है कि मूंछों का ही कत्ल कर दिया जाय. खैर पहले जमाने में मूँछों का छिलाना बाप की मौत के बाद ही होता था. लेकिन आज लडकों को बाप की ज्यादा जरूरत नहीं रह गयी है. अगर बाप के पास कुछ दाम है तो उसका काम है. लेकिन बाप से कोई विशेष काम नहीं रहता. कोई भी वाद हो या वादी उसे लोग आसानी से कबूल नहीं करते. शुरू में अमूंछवादियों को भी काफी कुछ सहना पड़ा. जब शर्मा जी का लड़का पहली बार मूंछ छिलाकर आया. तो वे लड़ाई-झगड़े पर भी उतारू हो गये. वे पहले से ही मानते थे कि उनका लड़का नालायक है. शर्मा जी के अनुसार उस दिन उसने इसी का एक बड़ा सबूत पेश कर दिया था. शर्मा जी बोले कि गीध के मनाने से जानवर नहीं मरते. तुम क्या समझते हो कि तुम्हारे ऐसा करने से मैं जल्दी मर जाऊंगा? ऐसा हरगिज नहीं होगा. उन्हें इस बात की शंका थी कि लड़का उनके जल्दी मरने के लिए ऐसा कर रहा है. लड़का बोला कि आप तो लकीर के फकीर ही रहेंगे. आपको पता नहीं है कि आज नेता से अभिनेता तक, लेखक से लेखपाल तक, ज्ञानी, विज्ञानी से लेकर अज्ञानी तक, डॉक्टर से लेकर मास्टर तक , गरीब-अमीर, मूर्ख-विद्वान और संत-महंत तक सभी बिना मूंछ के हो गये हैं. तो अगर मैंने भी छिलवा दिया तो कौन सा पाप कर डाला? आगे बोला कि इसका बहुत बड़ा साइड इफेक्ट होता है. युवाओं को तो इससे बहुत बड़ा खतरा है. यह साबित भी हो चुका है. तितलियां कभी भी काटों व झाड़-झंखाड़ की ओर भूल कर भी नहीं देखतीं. एक दिन उसे समझाने की गरज से बोले कि क्या मैं तुम्हारा बाप नहीं हूं? लड़का आधुनिक ज्ञानी था. शंका युग भी चल ही रहा है. वह बोला मुझे क्या पता? शर्मा जी दो दिन तक न बोले, न खाना खाए. बाद में वह रोज दिन में दो बार यानी सुबह और शाम, उन्हीं के सामने छीलने लगा. मूंछें गयीं और कुछ पुरुष लम्बी-लम्बी चोटी भी रखने लगे. जब ये रंगीन कपड़े पहनकर निकल पड़ते हैं, तो पीछे चोटी ऊपर से बिना मूंछ देख कुछ मनचले सीटी बजा बैठते हैं. पता चलने पर गाली देते हैं और पछताते हैं. खैर जो शुरुआत में रात-विरात होता था. वही आज दिन में होने लगा . धीरे-धीरे ही सही, लेकिन लोग अंततः हिम्मत जुटा ही लिए. बूढ़े छीलकर दर्पण देखते हैं, तो पूरा-पूरा जवान भले ही न दिखें. लेकिन आत्मसंतुष्टि तो मिलती ही है.

बरसात का बादल तो दीवाना है क्या जाने!

लंबे इंतजार के बाद बारिश आई तो तथाकथित सभ्रांत लोग सोशल मीडिया पर बारिश का रोना शुरू कर दिए कि ओह! कब बंद होगी बारिश! अरे लंबे इंतजार के बाद बरसात हो रही, बरसने दीजिए. मौसम का आनंद लीजिए. तर होने दीजिए माटी के संग तन-मन को. अंकुरन और सृजन की प्रक्रिया यहीं से शुरू होगी, माटी में भी और मन में भी. हमने बात की कुछ बारिश के दीवानों से जो भले उम्र में चालीस-पचास दशक में हैं पर मन वहीं अटका है कागज की कश्ती, घोघो रानी और छई छपाक में. उमड़ते-घुमड़ते बादलों और बारिश की बूंदों को वे उसी शिद्दत से आज भी जीते हैं-

चकाचकैया, बाग के मकइया और घोघो रानी के वे दिन

रमा खलखो

तब हमारे प्रभात तारा स्कूल से एचईसी जहां हमारा क्वाटर था, के लिए पांच बसें जाती थीं, पर बारिश के दिनों में जान कर छुट्टी के बाद बस को हम मिस कर देते थे. इसके बाद स्कूल झोला को पिट्ठू बनाकर पीठ पर लाद कर और छाते में जूते टिका कर खुले पांव में छप-छपाक करते एचईसी के बच्चों के संग चकाचकैया, बाग के मकइया. गाते हुए घोघो रानी को माचिस के खाली डिब्बे में सहजते घर आना. घोघो रानी जानते हैं ना आप? अरे वही लाल रंग का नन्हा सा मखमली कीड़ा जिसे अपने पास रखना और क्लास में बच्चों के सामने झोले से निकाल कर दिखाना क्या अमीरी हुआ करती थी हमारी.

बारिश के साथ याद आता है बरसाती अमरुद को चुरा कर खाना. जी हां, बरसाती अमरूद जिसे खाते हुए आप आज नाक-भौं सिकोड़ते होंगे कि अरे उसमें कीड़े हो सकते हैं. पर हम इसे काट कर नमक-मिर्च मिला कर दोस्तों के साथ जब खाते तो तब यकीनन मजा उससे अधिक होता था जो आज बच्चे साथ पिज्जा-बर्गर की पार्टी करते हुए पाते होंगे. अमरुद के पेड़ तो तब एचईसी क्वाटर में हमारे घर के पिछवारे में भी थे, पर अपने पेड़ का अमरूद खाने में भला क्या मजा. बारिश के मौसम में कर्कट की भीगी छत पर नंगे पांव चढ़ना जब पल-पल पर फिसलने का डर बना होता था, पर हम तो थे ही खतरों के खिलाड़ी, जिनका पेड़ होता था उस परिवार के सदस्यों से छिपा कर उनके ही घर में घुस कर चोरी छिपे अमरूद तोड़ते, गमझे, झोले में जमा करते और फिर मजे से खाते.

मां-पिताजी जब खेतों में रोपनी के लिए जाते थे तो हम भी डिब्बा लेकर साथ जाते और रोपनी करते, डिब्बे में केकड़ा जमा करते. कभी खुखड़ी, रुगड़ा चुनते आह वे भी क्या दिन थे. पर कहते हैं ना कि बचपन की शरारत और भोजन, दोनों बुढ़ापे तक असर दिखाती है, सो आज भी बारिश के साथ मन मचलता है. कंक्रीट के जंगल में रहते हुए भी छई-छपाक की मस्ती के मौके निकाल ही लेती हूं. बारिश आती है तो उम्र के 52वें-53वें साल में भी वही अल्हड़ मस्ती के भाव बादलों के संग मन-आंगन में छा जाते हैं.

वो कागज की कश्ती, वो सोंधी सी यादें

रश्मि शर्मा

कोई मुझसे पूछे कि क्यों होता है बारिश का इंतजार तो मैं एक नहीं, सैकड़ों कारण गिनवा सकती हूं. अव्वल तो मुझे बारिश की बूंदों को देखना, बारिश की आवाज सुनना और उसमें भीगना... तीनों ही बहुत पसंद है. बारिश मेरा पसंदीदा मौसम है.

बचपन में भीगने पर डांट पड़ती थी तो स्कूल जाते समय छाता जरूर लगाती, मगर क्या मजाल कि घर लौटने समय कभी छतरी खोल लूं. कैसे भींगी-इस सवाल के रोज नए जवाब तैयार होते थे. भीगने का आनंद वही समझ सकता है, जो बारिश की बूंदों का लुत्फ उठाना जानता हो.

और पीछे जाऊं तो वो दौर देखा है मैंने जब भरपूर बारिश होती थी. बरसात का तेवर ऐसा कि दोपहर तक धूप निकलती और शाम होने से पहले बारिश. यह रोज का ही नियम था. बचपन में कागज की नाव बनाकर पानी की धार में छोड़ना, उसके पीछे भीगते हुए दूर तक भागना याद आता है.

जब बारिश थम जाती तो हम बच्चे पूरे मैदान का मुआयना करते और मखमली घोघो रानी पकड़कर माचिस की डिबिया में रखते. शाम को बरामदे में दादी के साथ मिलकर बोरसी में आग सुलगाते. दादा जी काम से लौटते तो पहले हाथ तापते क्योंकि उन दिनों बरसात में तापमान भी बहुत कम हो जाता था.

बिजली की चमक और गर्जन की तेज आवाज से डरकर हम दादा जी के पास दुबक जाते. बोरसी की आग में दादी मकई पकाती और उसकी सोंधी खुशबू और नींबू, नमक,मिर्च के साथ स्वाद लेते हुए खाते और दादा जी के किस्से सुनते रहते. कई लोगों के लिए बारिश परेशानी का कारण होता है, मगर मुझे बचपन से ही इसमें आनंद आता है. काले मेघ जब आसमान को घेरते हैं तो एक मयूर की तरह मेरा मन भी नाच उठता है. बूंदों का पत्तियों पर ठहरना, कांपना और गिरना...मैं मंत्रमुग्ध होकर देखती हूं. बारिश के मौसम में पेड़-पौधे एकदम चटख हरे रंग के दिखने लगते हैं तो अपना झारखंड और खूबसूरत लगने लगता है. देर रात जब बारिश होती रहे तो चुपचाप उसकी आवाज सुनना आपको एक अलग दुनिया में ले जाता है. जब पहाड़ बादल की बाहों में होते हैं, तब देखिए वो दृश्य...क्या मजाल कि आपकी पलकें झपक जाए. फुहारों में भीगकर खराब से खराब मूड भी अच्छा हो जाता है, शर्त यही है कि सब भूलकर केवल बारिश का मजा लें.

आकाश में बादल देख कर झूमता मन मयूर

वीना श्रीवास्तव

सावन हमेशा ही मेरा मनभावन रहा है. बचपन से ही बारिश में भीगना, कूदना, छपाक करना प्रिय शगल रहे हैं. सावन है तो बदरा छाएंगे, बदरा हैं तो पपीहे की पिहू और मोर याद आना स्वाभाविक है. पपीहे की इसलिए कि उसे बरसात में स्वाति नक्षत्र का पानी ही भाता है. कहते हैं ऐसा. मोर बादलों को देखकर नाचता है. बस, कुछ ऐसा ही मेरा मन भी है, आकाश बादलों से घिरा और मन मयूर नाचा. अक्सर हम बारिश में लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं. बारिश में हम ही नहीं बल्कि यह प्रकृति भी धुली-धुली-सी इठलाती नजर आती है.

मेरी ठुड्डी के नीचे एक गहरा निशान है जो बचपन में बारिश में छपाक करने, कूदने, नहाने का प्रमाण है. बारिश में कूद-कूदकर भीगती और पक्की फर्श पर स्लिप हो जाती थी. फिर अस्पताल में टांके लगते. वो दर्द काफी समय रहता लेकिन अगली बारिश तक उड़नछू हो चुका होता. चार बार टांके लगे.

बारिशों में कॉलेज जाते समय मम्मी छाता देती और मैं बहाने से छोड़ देती यानी भूल जाती थी. बारिश में हम भीगते हुए रिक्शे से नहीं, पैदल घर आते थे. मम्मी को बाद में पता चला कि यह छाता जानबूझ कर भूलती है. एक बार मैं छाता छोड़के कॉलेज चली गई. एक सहेली जो पास में ही रहती थी, उसको उसके पापा छोड़ने वाले थे. मम्मी उसे छाता देने गईं तो वो बोली जब वो भूल गई तो मैं क्यों लेकर जाऊं? मम्मी ने कहा कि वह भीग जाएगी तो बोली भीग जाएगी तो क्या हुआ, हमें अच्छा लगता है और वो मुझ पर गुस्सा होगी क्यों छाता लेकर आई. इस तरह हमारी पोल खुल गई.

इंदौर का बड़ा प्यारा वाकया है. हम कालिंदी कुंज में शिफ्ट ही हुए थे. बारिश हो रही थी. आदत के मुताबिक मैं और राजेंद्र छत पर चले गए भीगने. कुछ देर बाद नजर पड़ी, तीन-चार घर छोड़कर सामने एक बेटी मोबाइल से हमारे फोटो खींच रही थी. हमें देखा तो तुरंत चली गई. अजीब भी लगा. हम नीचे आए. फिर चेंज करके उसके घर गए. हमने दरवाजा खटखटाया तो उसकी मां निकली बोली बेटी से गलती हो गई. उसको फोटो नहीं खींचने चाहिए थे. उसी ने बताया कि वही आंटी-अंकल आए हैं. वो डरी हुई थी. आके बोली 'सॉरी, आंटी हम आगे से फोटो नहीं खींचेंगे. हमें फोटो नहीं खींचने चाहिए थे'. उसकी मां ने कहा बेटी से गलती हो गई है. किसी की प्राइवेसी में दखल नहीं देना चाहिए. आगे से ऐसा नहीं होगा. हम दोनों मुस्करा रहे थे. हमने कहा माफ तभी करेंगे जब हमें फोटो दोगी. हम भी तो देखें फोटो कैसी आई हैं. कैसी फोटोग्रोफी है तुम्हारी? वो खुश हो गयी, बोली घर आके आपके कम्प्यूटर में ट्रांसफर कर दूंगी. उसके बाद से उनसे बहुत अच्छी दोस्ती हो गई.

एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

मेरी यादों के जेहन में तो सावन मतलब थोड़ी ही सही, पर कीचड़ भरे खेतों में धान रोपने से है. मुझे आज भी याद है 35 साल पुरानी वह बातें, जब विमेंस कॉलेज जाने के दौरान, मैं और मेरी सहेलियां रिक्शे से उतरकर कीचड़ भरे खेतों में जा पहुंचती थीं जहां औरतें धान रोप रही होती थीं. हम सहेलियों को देख खेत पर आने से हमें मना भी करती थी कि आप लोगों से रोपा नहीं होगा. पर हमारी भी जिद्द थी, हम लोग अपने कपड़े को थोड़ा ऊपर बांध कीचड़ भरे खेतों में उतर पड़ते थे. कभी-कभी तो पैरों में केंचुए का रेंगना महसूस होता था, पर हम सखियां हो-हल्ला कर कुछ न कुछ रोपा कर ही लेती थीं. जहां लोकल ग्रामीण औरतें लोकगीत में हमारे लिए गातीं थीं कि...एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ/तू सब हउए इंग्लिश मीडियम जनी/ रोपनीय तोहरा से ना होहिए... खेत के बगल में ही एक छोटा सा कुंआ था. वहां से बाल्टी से पानी खींचकर हाथ पैर धोकर फिर अपने एम एस सी क्लासेस के लिए निकल पड़ते थे. तब कॉलेज जाने के रास्ते में खेत दिखा करते थे, अब जैसे फ्लैट्स नहीं थे.

क्या मस्ती भरे दिन थे वे? बहुत याद आते हैं, वो सावन में सहेलियों के साथ धान रोपने के दिन, अब भी सावन में, मैं अपने घर के ठीक बगल में हमारी एक छोटी सी खेत पर, मैं हर साल ज़रूर खेत की पूजा करती हूं और धान लगाने जाती हूं. इसलिए सावन का मुझे हमेशा इंतजार रहता है और ताउम्र रहेगा.

जब पानी बहा ले गया मेरी चप्पल

डॉ राजश्री जयंती

सावन की फुहारें जहां बरसात के भीगे-भीगे समां के कारण मन और भावनाओं को नशीला बना देता है वहीं इन दिनों धर्म का पवित्र वातावरण पूजा-पाठ के लिए प्रेरित करता है. दो प्रवृत्तियां लेकिन मौसम एक. एक ओर सावन भोलेनाथ को प्रसन्न करने का महीना है तो दूसरी ओर मौसम की ठंडक दो दिलों में प्यार घोलने का काम करती है. एक ओर भाई-बहन का स्नेह आलोड़ित होता है रक्षाबंधन के रूप में तो दूसरी ओर देशभक्ति का रस बरसता है 15 अगस्त के रूप में.

मेरे बचपन की यादों में सावन का एक विशेष स्थान है. बारिश में छपछप करते हुए स्कूल से घर वापस आना, कागज़ की नाव बना कर उके पीछे पीछे चलते जाना, ओले पड़ने पर छत पर जा कर उनको बटोरना फ़िर उसे खा लेना. सबसे ज़्यादा आनंद आता था बारिश में नहाने में. जैसे जैसे बड़े होते गए ये सब छूटता गया. बचपन की बारिश और उसका आनंद सब हवा हो गए. हां एक घटना याद आ रही है. जुलाई महीने में मैं और मेरी सखियां, सखा सब घर की ओर जा रहे थे. रास्ते में झमाझम बारिश. सब ख़ूब भीगे. बहते पानी में मैं छपाछप कर रही थी. मेरी एक चप्पल बह गई. उससे पकड़ने के चक्कर में सब दूर तक भागे लेकिन चप्पल नहीं मिली. घर में डांट मिलने का डर अलग सता रहा था. खैर घर पहुंची ख़ूब डांट सुनी.

आज भी जब कभी फुर्सत होती है छत पर भीगने जाती हूं. मन मयूर नाचने लगता है. मजा.आता है. रेनी डे आउट भी करती हूं. लेकिन अब कभी कभी लगता है. बारिश और मेरे बचपने के बीच उम्र का फासला आकर खड़ा हो गया. लगता है मेरे बचपन और बारिश के बीच बहुत कुछ आ गया. धर्म की पवित्रता और रिश्तों की सुंदरता के साथ सावन को आने दो, झूम कर आने दो.

बारिश में प्रेयसी का हाथ थाम कर भीगना

दिलीप ठाकुर 'अमर'

बचपन में स्कूल से लौटते वक्त जब बारिश शुरू होती, हम बिना छाते के भीगते घर लौटते. हम बरसाती नालों में छोटी-छोटी कागज़ की नावें बनाकर छोड़ते और देखते कि किसकी नाव सबसे दूर तक जाएगी. घर आकर मां के हाथों के बने गरम पकौड़े और चाय का स्वाद आज भी याद है. उस समय की बेफिक्री, वह मासूमियत और वह खुशी - शायद ही कभी वापस आ पाए.

फिर आया कॉलेज का दौर. मेरी प्रेयसी सफेद कुर्ते में, भीगे बालों को संवारती किसी परी से कम नहीं लगती थी. जैसे ही मुझे देखती, उसकी आंखों में एक चमक आ जाती और चेहरे पर मुस्कान और लज्जा की रौशनी फैल जाती. हमने बिना एक-दूसरे से कुछ कहे, बारिश में हाथ थामे घूमते. हम बिना किसी छाते के भीगते रहते, मानो यह पल कभी खत्म न हो. एक-दूसरे के साथ बिताए गए वो पल कितने खास थे, यह कहना मुश्किल है. अब वह इस जहां में नहीं. उस जहां से बारिश की कुछ ठंडी फुहारें मानो भेजती हो, खासकर सावन में. रूह भीगती है अब तो.

जीवन के पांच दशकों के इस सफर में, बहुत कुछ बदला है, लेकिन कुछ चीजें वहीं की वहीं रही हैं. उनमें से एक है बारिश के पहले दिन का आनंद लेना और हारमोनियम पर राग मियां मल्हार का तराना छेड़ना. आज भी, जैसे ही बारिश शुरू होती है, मैं अपने बरामदे में जाता हूं और खुलकर भीगता हूं. शाम होते होते बारिश की झर-झर की आवाज और भी मधुर हो जाती है. ऐसे में मैं हारमोनियम के साथ राग मियां मल्हार का तराना छेड़ देता हूं.

राग मियां मल्हार, जिसे मानसून का राग भी कहा जाता है, बारिश के मौसम का सबसे उपयुक्त राग है. जब मैं इस राग को गाता हूँ, तो हारमोनियम की तान और बारिश की रिमझिम, दोनों मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं जो दिल को सुकून और खुशी से भर देते हैँ और दिल गा उठता है.

"अजहूं ना आये बालमा, सावन बीता जाय..."

एक शेर याद आता है

"बारिश हो नगमात की मुझपर, जब इसकी आवाज़ सुनूं
जी करता है इस बारिश में जनम -जनम तक भीगूं मैं." '

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भारत में करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी : मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा के साथ मनु भाकर. खेल मंत्री मांडविया ने मनु भाकर को 30 लाख का पुरस्कार प्रदान किया.

भाषा । नयी दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की दो कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और गौरव हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी. 22 वर्षीय मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनीं. उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया. मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनीं. मांडविया ने एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीत कर स्वदेश लौटीं देश की बेटी मनु भाकर से मिलकर उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं. उन्होंने लिखा, मनु भाकर की यह सफलता भारतीय खेल जगत के करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेगी. पूरे देश को उन पर गर्व है. खेल मंत्री ने मनु, उनके पिता राम किशन और निजी कोच जसपाल राणा के साथ बातचीत की तस्वीरें भी साझा कीं. मनु ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को भारत लौटीं जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ.

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले का स्वागत

भाषा । पुणे

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया. कुसाले ने पिछले हफ्ते 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहला ओलंपिक कांस्य पदक जीता था. सुबह पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक ढोल-ताशा की थाप के बीच लोगों ने कुसाले का स्वागत किया. पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कुसाले ने इसके बाद शहर के बीचों-बीच स्थित प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की. शहर के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में शूटिंग रेंज में उन्हें सम्मानित किया जाएगा. कुसाले के कांस्य पदक जीतने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की. मध्य रेलवे ने भी कुसाले को पदोन्नत कर विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया है. वह 2015 में मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में 'कमर्शियल कम टिकट क्लर्क' के पद पर शामिल हुए थे.

कुसाले ने इससे पहले 2023 में चीन में एशियाई खेलों में, 2022 में बाकू में हुए विश्व कप और 2021 में नयी दिल्ली में स्वर्ण पदक जीते थे.

प्रसिद्ध गणेश मंदिर में दर्शन किए

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	27	35	33	95
2. चीन	26	24	17	67
3. ऑस्ट्रेलिया	18	13	11	42
4. फ्रांस	13	17	21	51
5. ब्रिटेन	12	17	20	49
6. द. कोरिया	12	08	7	27
7. जापान	12	7	13	32
8. इटली	10	11	9	30
9. नीदरलैंड	10	5	6	21
10. जर्मनी	8	5	5	18
69. भारत	0	0	4	4

धीमी-टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन हो सकता है : रोहित

कोलंबो । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारत जस की तस रणनीति अपनाकर भविष्य में धीमी और टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन कर सकता है. श्रीलंका ने परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाकर तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 110 रन से हराकर श्रृंखला जीती. यह पिछले 27 वर्षों में पहला अवसर है जबकि वह वनडे श्रृंखला में भारत को हराने में सफल रहा.

अंतिम पर लग सकता है तीन साल का प्रतिबंध: सूत्र

पेरिस । अपने मान्यता कार्ड से अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश दिलाने की कोशिश करके भारतीय ओलंपिक दल को शर्मसार करने वाली पहलवान अंतिम पंघाल को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा तीन साल के लिए प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है. एक सूत्र ने गुरुवार को पीटीआई को यह जानकारी दी. अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं. भारतीय दल के एक सूत्र ने बताया, आईओए के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर चर्चा की. कोच सहित सभी पर तीन साल का प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है.

प्रवीण पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नहीं करना और सबूतों को नष्ट करना शामिल है. इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं की थी.

ओलंपिक हॉकी : 52 साल बाद भारत ने लगातार दो ओलंपिक में पदक जीता, पीएम ने दी बधाई

स्पेन को 2-1 से हरा कर लगातार दूसरी बार भारत ने जीता ओलंपिक का ब्रॉन्ज

भाषा । पेरिस

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक अपने नाम किया. 52 साल बाद भारतीय टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी टीम कांसा लाने में सफल रही थी.

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए और भारत को स्पेन के खिलाफ बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई. भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था और अब लगातार दूसरी बार टीम पोडियम फिनिश करने में सफल रही है. भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और टीम ने इस दिग्गज खिलाड़ी को शानदार विदाई दी है. भारत की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हैं. भारत ने इस तरह ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में अपना 13वां पदक जीता.

भारत और स्पेन के बीच पहला क्वार्टर गोल रहित बराबरी पर रहा था. इसके बाद दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली थी. हालांकि, दूसरा क्वार्टर खत्म होने से कुछ समय पहले ही हरमनप्रीत सिंह गोल कर भारत को बराबरी दिलाई.

हाफ टाइम तक 1-1 थी टीमें

दोनों टीमों के बीच हॉफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर चल रहा था. इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने भारत को बढ़त दिलाई. चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए. हरमनप्रीत ने जहां भारत को बढ़त दिलाई, वहीं श्रीजेश ने गोल पोस्ट पर शानदार बचाव कर स्पेन को बराबरी करने से रोके रखा. 1968 और 1972 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इस शानदार प्रदर्शन के बाद पीएम मोदी ने हॉकी टीम को बधाई दी और कहा- आपका शानदार प्रदर्शन.

श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास, कहा- मेरा करियर असाधारण रहा

▪ कंधे पर घुमाया खिलाड़ियों ने

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने अपना अंतिम मैच खेलने से पहले कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर असाधारण से कम नहीं रहा और उन्होंने उन पर विश्वास करने के लिए देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया. केरल का यहां 36 वर्षीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में स्पेन के खिलाफ अपने 18 साल के लंबे करियर का अंतिम मैच खेलेगा. श्रीजेश ने एक्स पर लिखा, अब जबकि मैं आखरी बार पोस्ट के बीच खड़ा होने जा रहा हूं तब मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से फूलकर कुप्पा हो रहा है. सपनों में खोए रहने वाले एक युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है. आज मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूं. मेरा हर बचाव, प्रत्येक डाइव, दर्शकों का शोर हमेशा मेरे दिल में गूंजते रहेंगे. आभार भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े होने के लिए. यह अंत नहीं है, यह संजोई गई यादों की शुरुआत है. हमेशा के लिए सपनों का संरक्षक. श्रीजेश ने अपने चौथे ओलंपिक खेलों से पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी. उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाज साथी खिलाड़ियों ने श्रीजेश को कंधे पर उठाकर स्टेडियम में घुमाया.

दूसरे ओलंपिक पदक से चूकीं मीराबाई, चौथे स्थान पर रहीं

▪ महज एक किलोग्राम के अंतर के कारण से तीसरे स्थान से चूकीं

भाषा । पेरिस

टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू एक समय दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन अंतिम प्रयास में असफल होने के कारण वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं. मीराबाई ने स्नैच में 88 और क्लीन व जर्क में 111 से कुल 199 किग्रा का वजन उठाया. इससे वह महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं. मीराबाई ने बाद में पत्रकारों से कहा, मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं क्योंकि मुझे चोट से उबरने के बाद तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला था. मैं अभ्यास में 85 किग्रा वजन उठा रही थी और मैंने इस प्रतियोगिता में भी ऐसा किया. मैं क्लीन व जर्क में भी अच्छे प्रदर्शन के प्रति आश्वस्त थी. सब कुछ अच्छा चल रहा था और कोच ने जो कुछ कहा, मैंने उसका पालन किया. आज भाग्य मेरे साथ नहीं था, जो मैं पदक नहीं जीत पाई, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया.

अंशु मलिक हारीं, अब रेपेचेज की उम्मीद

पेरिस । भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीय हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार गईं. अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रहीं अंशु को रेपेचेज में खेलने के लिए मैरोयूलिस के फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद करनी होगी. पहले राउंड में अमेरिका की मैरोयूलिस ने शुरू से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की. इसमें अंशु काफी 'डिफेंसिव' लग रही थीं. दूसरे राउंड में भी मैरोयूलिस ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाये जबकि वापसी की कोशिश में जुटीं अंशु केवल दो अंक ही हासिल कर सकीं.

ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी : हिल्डेब्रांट

भाषा । पेरिस

विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण 50 किग्रा में अयोग्य ठहराए जाने के बाद उस भार वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला पहलवान सारा एन हिल्डेब्रांट ने कहा कि वह खिताबी मुकाबले के दिन सुबह अफरातफरी के लिए तैयार थीं, लेकिन उन्होंने भारतीय खिलाड़ी के इर्द-गिर्द हुई घटना की उम्मीद नहीं की थी. विनेश को अयोग्य ठहराया गया और ओलंपिक फाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन लोपेज ने उनकी जगह ली. 29 वर्षीय विनेश ने सेमीफाइनल में लोपेज को हराया था और स्वर्ण के लिए उन्हें हिल्डेब्रांट का सामना करना था, लेकिन बुधवार की सुबह वजन करने की प्रक्रिया के दौरान उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया.

फाइनल में लोपेज को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली हिल्डेब्रांट ने कहा, मैं अफरातफरी के लिए तैयार थी लेकिन इस तरह की घटना की उम्मीद नहीं की थी. टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली 30 वर्षीय हिल्डेब्रांट ने कहा कि उन्होंने वजन मापने के समय विनेश को नहीं देखा और कुछ समय के लिए उन्हें लगा कि भारतीय खिलाड़ी मुकाबले से हट गई है. हिल्डेब्रांट ने फाइनल के बाद याद करते हुए कहा, (विनेश) वजन मापने के समय नहीं थी इसलिए मेरे दिमाग में चल रहा था, हे भगवान, यह एक संभावना हो सकती है. फिर, हमें खबर मिली कि उसने वजन नहीं मापा और हमें लगा कि वह मुकाबले से हट गई है.

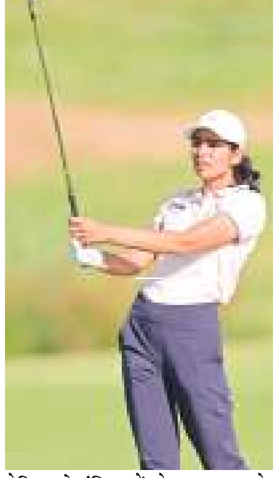

पेरिस ओलंपिक में गोल्फ मुकाबले में भारत की दीक्षा डागर.

ज्योति याराजी महिला 100 मी बाधा दौड़ से बाहर

भाषा । पेरिस

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी गुरुवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं. हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं. उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया. ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम (12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई. रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया. पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं. 24 साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती.

सुर्खियों में विनेश फोगाट के संन्यास लेने पर बजरंग पुनिया ने कहा

आप हारी नहीं, विजेता हो, आपको हराया गया...

भाषा । नयी दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल समुदाय ने उनका समर्थन किया. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था. उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की. टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है. बजरंग ने पोस्ट किया, विनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है. हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी. आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो. रियो 2016 में कांस्य पदक जीत कर ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह हमारे देश की हर बेटी की हार है. साक्षी ने कहा, विनेश तुम हारने वाली नहीं हो. यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी. यह पूरे देश की हार है. देश आपके साथ है. एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं.

पेरिस में गुरुवार को विनेश से मिलते अभिनव बिंद्रा.

विनेश ने फैसला जल्दबाजी में लिया होगा : महावीर

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच महावीर फोगाट ने कहा कि उन्होंने यह फैसला जल्दबाजी में लिया होगा और इस पहलवान के करीबी लोग उन्हें 2028 में लॉस एंजिल्स मैं होने वाले ओलंपिक खेलों को लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित करेंगे. महावीर फोगाट ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह सच है, लोग हिम्मत हार जाते हैं. जब वह आएंगी तो हम (मैं, बजरंग, गीता) सब बैठेंगे और बात करेंगे. हम फैसला लेंगे और बता देंगे. आवेश में आकर लोग ऐसे फैसले ले लेते हैं लेकिन हम इस पर फैसला करेंगे. हम उसे 2028 ओलंपिक में खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे. मैं इनाम की घोषणा करने के लिए हरियाणा सरकार को धन्यवाद देता हूं. जब तक मैं सक्रिय हूं, खिलाड़ियों की मदद करता रहूंगा. पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया. उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है.

लक्ष्य निश्चित पदक के हकदार थे: एक्सेलसन

भाषा । नयी दिल्ली

पेरिस खेलों में अपने खिताब की रक्षा करने वाले दो बार के विश्व चैंपियन विक्टर एक्सेलसन ने कहा है कि युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए निश्चित रूप से पदक के हकदार थे. 22 साल के लक्ष्य इस साल ओलंपिक में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने लेकिन डेनमार्क के सुपरस्टार एक्सेलसन से अंतिम चार के मुकाबले में हार गए. लक्ष्य को आगे भी निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि वह कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मलेशिया के ली जी जिया से हार गए और अंततः चौथे स्थान पर रहे. एक्स पर लक्ष्य के अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त करने वाली पोस्ट पर जवाब देते हुए एक्सेलसन ने लिखा, आगे बढ़ते रहो भाई. आप वास्तव में खुद पर गर्व कर सकते हो. काश सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले सभी खिलाड़ी पदक जीते पाते क्योंकि आप निश्चित रूप से इसके हकदार हो.

खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए आप सभी को बधाई. अपने सेमीफाइनल मैच में लक्ष्य को 22-20, 21-14 से हराने के बाद एक्सेलसन ने अगले ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी को स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदारों में से एक बताया था. एक्सेलसन ने कहा था, लक्ष्य एक शानदार खिलाड़ी है. उसने इस ओलंपिक में दिखाया है कि वह एक बहुत ही मजबूत प्रतिस्पर्धी है और मुझे यकीन है कि अब से चार साल बाद, वह स्वर्ण जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक होगा. (वह) एक अद्भुत प्रतिभा और एक शानदार व्यक्ति है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं.

भारतीय रिजर्व बैंक ने रैपो रेट यथावत रखा, चेक क्लीयरेंस पर आरबीआई का बड़ा फैसला

अब कुछ ही घंटे में बैंक खाते में आ जाएंगे पैसे

एजेंसी। मुंबई

चेक का निपटान (क्लियरिंग) अब कुछ ही घंटों में हो जाएगा. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चेक समशोधन में लगनेवाले समय को कुछ घंटे करने और उससे जुड़े जोखिम कम करने के मकसद से कदम उठाने की घोषणा की है. वर्तमान में चेक जमा करने से लेकर राशि आने तक दो दिन का समय लग जाता है. लेकिन नई व्यवस्था में चेक जमा करने के कुछ ही घंटों में यह क्लियर हो जाएगा. आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, चेक समाशोधन को दुरुस्त करने, निपटान जोखिम कम करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से चेक ट्रांजेक्शन सिस्टम (सीटीएस) की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है. उन्होंने कहा कि इसके तहत मौजूदा सीटीएस व्यवस्था के तहत बैच में प्रसंस्करण की जगह कारोबारी समय में निरंतर आधार पर समाशोधन की व्यवस्था की जाएगी.

नई व्यवस्था में कैसे होगा काम : आरबीआई के अनुसार, नई व्यवस्था में चेक को स्कैन' किया जाएगा, उसे प्रस्तुत किया जाएगा और कुछ घंटों में समाशोधन किया जाएगा. इससे चेक का समाशोधन कुछ घंटे में हो जाएगा, जबकि अभी दो दिन तक का समय (टी प्लस 1) लगता है. दास ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जल्दी ही जारी किए जाएंगे. इसके अलावा, आरबीआई ने बैंकों की तरफ से अपने ग्राहकों के बारे में क्रेडिट सूचना कंपनियों को दी जानेवाली रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का

प्रस्ताव किया है. वर्तमान में महीने में एक बार यह रिपोर्ट दी जाती है.

नौंवी बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं : आरबीआई ने आर्थिक गतिविधियों में जारी तेजी का हवाला देते हुए एवं महंगाई पर कड़ी नजर रखते हुए लगातार नौवीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने का फैसला किया है, जिससे ब्याज दरों में कमी की उम्मीद लगाये आम लोगों को निराशा हाथ लगी है. मई 2022 से 250 आधार अंकों तक लगातार छह बार दर वृद्धि के बाद पिछले वर्ष अप्रैल में दर वृद्धि चक्र को रोक दिया गया था और यह अभी भी इसी स्तर पर है. आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. आरबीआई ने कहा कि खाने के सामान की ऊंची महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसके अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव को रोकने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है.

आपके यूपीआई से दूसरे व्यक्ति भी कर सकेंगे पैसे ट्रांसफर : यूपीआई ट्रांजेक्शन को लेकर आरबीआई ने कई अहम ऐलान भी किए हैं. इसके तहत रिजर्व बैंक ने यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ाई है, तो यूजर्स के लिए एक नए फीचर डेलीगेटेड पेमेंट्स को शुरू करने का ऐलान किया है. इसके तहत एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अपने बैंक अकाउंट से यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के लिए अथॉराइज कर सकेगा. इसमें दूसरे व्यक्ति के लिए यूपीआई से जुड़ा अलग बैंक अकाउंट रखने की जरूरत नहीं होगी. हालांकि, इस प्रक्रिया में प्राइमरी यूजर की मंजूरी जरूरी है. रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस संबंध में विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगें.

टैक्स पेमेंट लिमिट में इजाफा : इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की लिमिट बढ़ाने की घोषणा की. वर्तमान में, यूपीआई के लिए टैक्स भुगतान की सीमा एक लाख रुपए है. इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है. दास ने कहा-चूंकि डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स भुगतान सामान्य, नियमित और उच्च मूल्य के हैं. आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है. हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है.

सरकार बना रही है झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल

बदल जाएगी अब तक चली आ रही ठेका प्रथा, नहीं होगी गड़बड़ी

- अफसर अपने लाभ के लिए नहीं कर सकेंगे पावर का दुरूपयोग
- भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए होगा तंत्र विकसित

रवि भारती। रांची

झारखंड में चली आ रही ठेका प्रथा में आमूल-चूल बदलाव होगा. कोई भी अफसर अपने लाभ के लिए अपने पावर का दुरुपयोग नहीं कर सकेंगे. भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाएगा. इसके लिए राज्य सरकार झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल 2024 बना रही है। इस नियम के दायरे में राज्य सरकार के सभी कार्य विभाग पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, नगर विकास, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, पेयजल, जलसंसाधन, ऊर्जा विभाग रहेंगे. तैयार ड्राफ्ट में स्पष्ट कहा गया है कि अनुचित खर्च या निष्क्रिय सूची से बचने के लिए गुणवत्ता खरीद की विषय वस्तु की मात्रा और सीमा स्पष्ट रूप से बताई जाएगी. खरीद करने वाली यूनिट में खरीद की विषय वस्तु की अनावश्यक मात्रा या विशेषताएं शामिल नहीं होंगी. खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी.

डिबारमेंट के नियम में भी किए गए हैं बदलाव : इस नए कानून में डिबार करने के भी नियम में बदलाव किए गए हैं. ड्राफ्ट में कहा गया है कि यदि किसी बोलीदाता को अदालत द्वारा दोषी ठहराया जाता है तो उसे प्रतिबंधित या काली सूची में डाल दिया जाएगा. अदालत द्वारा दोषसिद्धि के कारण प्रतिबंधित बोलीदाता दोषसिद्धि की अवधि और उसके बाद के तीन वर्षों के लिए राज्य की किसी भी खरीद इकाई की किसी भी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होगा. रोक की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से शुरू होगी. दोषसिद्धि के मामले में डिबारमेंट स्वचालित रहेगा. डिबारमेंट का कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं होगी, जहां वाद-विवाद को एकल खरीद इकाई तक सीमित करने का प्रस्ताव है, उस इकाई द्वारा उचित आदेश जारी किए जाएंगे, जिससे निर्दिष्ट अवधि के लिए वंचित फर्म के साथ अपने सभी व्यवसाय को रोक दिया जाएगा.

सार्वजनिक खरीद की आवश्यकता का होगा आकलन : वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की आवश्यकता का निर्धारण करते समय, खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी कि इसकी अनिवार्यता पर आकलन करेगी कि क्या खरीद सार्वजनिक आवश्यकता के लिए आवश्यक है. यह सुनिश्चित करना खरीद इकाई की जिम्मेदारी होगी कि कोई ऐसी खरीद न की जाए जो सार्वजनिक जरूरतों के लिए जरूरी न हो. जेम पोर्टल के जरिये प्रोक्यूरमेंट इत्यादि कराने और पारदर्शिता बरतने संबंधी विस्तृत प्रकिया निर्धारित की गयी है. पांच लाख से ऊपर की सामग्रियों की खरीद के लिए ओपेन बिड प्रोसेस अपनाने का निर्णय लिया है, साथ ही सामग्रियों के रखरखाव व सर्विस पर भी विशेष ध्यान रखा गया है.

ये होंगे नए नियम

- प्रथम दृष्टया में खर्च अवसर की मांग से अधिक नहीं होगा
- कोई भी पदाधिकारी अपने लाभ के लिए खर्च स्वीकृत करने में अपने पावर का इस्तेमाल नहीं करेगा
- सार्वजनिक धन का व्यय किसी विशेष व्यक्ति या लोगों के एक वर्ग के लाभ के लिए नहीं किया जाएगा. जब तक कि व्यय किसी मान्यता प्राप्त नीति के अनुसरण में न हो या राशि के लिए दावा अदालत में लागू न किया जा सके
- खर्च करते समय पदाधिकारी ऐसी कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा जिससे हितों का टकराव पैदा हो

क्या होगा फायदा :

- दक्षता, मितव्ययिता और पारदर्शिता होगी सुनिश्चित
- बोली दाताओं को उचित और न्यायसंगत सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा दे
- रुकेगा भ्रष्ट आचरण

इन वस्तुओं व कच्चे माल की होगी खरीद

- वस्तुओं में सभी लेख, सामग्री, वस्तु, खाद्यान्न, बिजली के सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, पशुधन, दवाएं, फर्नीचर, किताबें, फिक्स्चर, कच्चे माल, उपभोग्य वस्तुएं, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, मशीनरी शामिल हैं
- उपकरण, औद्योगिक संयंत्र, वाहन, हवाई जहाज, जहाज, रेलवे रोलिंग स्टॉक असेंबली, उप-असेंबली, सहायक उपकरण, मशीनों का समूह जिसमें एक एकीकृत उत्पादन प्रक्रिया या सामान की अन्य श्रेणियां या सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लाइसेंस, पेटेंट या अन्य संपदा जैसे अमूर्त उत्पाद शामिल हैं
- इसमें शराब, नियमित उपयोग के लिए आवश्यक पेट्रोलियम उत्पाद, पुस्तकालय के लिए आवधिक पत्रिकाएं आदि जैसे उत्पाद शुल्क योग्य सामान शामिल नहीं हैं
- सामान की खरीद में कुछ कार्य या सेवाएं शामिल हो सकती हैं, जो परिवहन, बीमा, स्थापना, कमिशनिंग जैसे माल की आपूर्ति के लिए आकस्मिक या परिणामी हैं. प्रशिक्षण, संचालन, रखरखाव आदि

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कोई पुराना मुकदमा या शत्रु परेशानी का कारण बन सकता है. ऋण लेने से बचें, दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्ट जन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी.

वृषभ दोस्त के चयन में सही निर्णय लें. प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

मिथुन अपने सगे संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क बड़ा कार्य होने और धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है.

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या मानसिक सुख शांति मिलेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. समय अनुकूल है किसी खास कार्य का प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं. नया वस्तु का आगमन होगा

धनु सरकारी कार्य में विलंब हो सकता है. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें. पीली वस्तु का दान करें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. व्यापार में लाभ की स्थिति बनी है. मेहनत की आवश्यकता है. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा.

पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता 23 अगस्त से

रांची । डॉ रामदयाल मुंडा क्रीड़ा केंद्र व रुमबुल के संयुक्त तत्वावधान में दसवीं पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 अगस्त से 30 अगस्त तक किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों को इंट्री दी जाएगी.

आदिवासी हो समाज युवा महासभा की प्रदेश व जिला कमेटी का गठन

संवाददाता। किरीबुरु

महासभा कला एवं संस्कृति भवन, हरिगुटू, चाईबासा में आदिवासी हो समाज युवा महासभा राष्ट्रीय कमिटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कई कमेटी का गठन किया गया. इसमें आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी, पश्चिमी सिंहभूम जिला कमिटी, सदर चाईबासा और जगन्नाथपुर अनुमंडल कमिटी का पुनर्गठन किया गया. आदिवासी हो समाज महासभा की नियमावली के तहत निम्न चार-चार पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चयन किया गया. आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी के अध्यक्ष गोविन्द बिरुवा, उपाध्यक्ष नरसिंह बिरुली, सचिव गलय चातोम्बा, कोषाध्यक्ष शंकर सिधु को बनाया गया. जिला समिति, पश्चिमी सिंहभूम का अध्यक्ष शेरसिंह उर्फ गंगाराम बिरूवा, उपाध्यक्ष हरीश कुंकल, सचिव ओएबन हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सत्यव्रत उर्फ छोटू बिरुवा को बनाया गया. अनुमंडल कमिटी जगन्नाथपुर का अध्यक्ष बलराम लागुरी, उपाध्यक्ष पुत्कर लागुरी, सचिव लक्ष्मण तिरिया, कोषाध्यक्ष बलि लागुरी को बनाया गया.

अनुमंडल कमिटी सदर चाईबासा का अध्यक्ष रामेश्वर बिरुवा, उपाध्यक्ष चाहत

देवगम, सचिव अशीष तिरिया, कोषाध्यक्ष एलिस बोदरा को बनाया गया. नव चयनित सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया. बैठक में 14 सितम्बर को राष्ट्रीय स्तर पर तय किये गये हो भाषा आंदोलन की तैयारी के संबंध में चर्चा की गयी.

बैठक में ये थे उपस्थित : इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इपिल सामड, उपाध्यक्ष सुरा बिरूली, महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र पुरती, संयुक्त सचिव रवि बिरूली, संगठन सचिव गोपी लागुरी, राष्ट्रीय सदस्य श्याम बिरूवा, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां निर्वतमान जिलाध्यक्ष गोमेया सुंडी, विष्णु बानरा, कोल झारखंड बोदरा, गणेश गागराई, संजय हांसदा, लेबा गागराई, सुमन पुरती, फूलमति सिरका, दांसर बोदरा, अयन सूंडी, टाटाराम सामड, प्रमिला बिरूवा, कस्तुरी पिंगुवा, दूदूगर पिंगुवा, योगेश्वर पिंगुवा, संजय लागुरी, उरांव समाज से लालू कुजूर, राज कुमार लकड़ा, बंधुराम सोय आदि लोग उपस्थित थे.

एनटीएचए बना नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप का विजेता

- रांची बना उपविजेता, सिमडेगा की टीम तीसरे स्थान पर रही

खेल संवाददाता। रांची

नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2024 (पुरुष) का एनटीएचए जमशेदपुर ने खिताब जीता. गुरुवार कोनवल टाटा हॉकी अकादमी जमशेदपुर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में एनटीएचए ने शूटआउट में रांची को मात देकर चैंपियनशिप अपने नाम किया. रांची और जमशेदपुर के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला हुआ. निर्धारित समय तक दोनों टीम ने 3-3 गोल दागे. जिसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट से किया गया. जिसमें एनटीएचए ने रांची को मात दी. फाइनल मैच में एनटीएचए के खिलाड़ी नवीन केरकेट्टा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

हार्डलाइनर्स के लिए सिमडेगा और खूंटी के बीच मुकाबला खेला गया. जिसमें सिमडेगा ने खूंटी को 3-1 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. खूंटी टीम के खिलाड़ी सुंदर पूर्ति प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. फाइनल मैच में मुख्य अतिथि, टाटा मोटर्स के एचआर प्रमुख मोहन घंटा और टाउन एडमिन और स्पोर्ट्स रजत सिंह सहित हॉकी झारखंड संयुक्त सचिव माइकल लाल, एनटीएचए के परियोजना निदेशक गुरमीत सिंह राव उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की.

बिहार

गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

बागमती, कोसी व गंडक भी उफान पर

संवाददाता । पटना

नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है. गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है. गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है. इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है. फतुहा और हाथीदह में भी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है. यहां भी यह भी गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है.

नेपाल समेत उत्तर बिहार में हो रही वर्षा से कई नदियों में फिर से उफान आ गया है. सीतामढ़ी-शिवहर में कोसी, झीम और रातो नदी के

जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है. शिवहर में बागमती खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. कोसी और सीमांचल की नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है.

खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक रफ्तार में है. दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं. पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 43 और बूढ़ी गंडक के जलस्तर में 53 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. वहीं कोसी के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. कोसी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. बागमती के जलस्तर में बीते 24 घंटे के दौरान 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है. बागमती खतरे के निशान से 49 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है.

सुपौल स्थित बराज पर शाम चार बजे कोसी का डिस्चार्ज 2,14,220 क्यूसेक रिकार्ड किया गया. बराज के 27 फाटकों को उठाते हुए इसे डाउन स्ट्रीम में पास आउट कराया जा रहा है. हालांकि मुख्य अभियंता ने तटबंध के सभी बिंदुओं को सुरक्षित बताया है. मधुबनी और दरभंगा में कोसी और कमला में भी चढ़ाव है. वाल्मीकिनगर गंडक बराज से बुधवार की शाम 1.42 लाख क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया है. पिपरा-पिपरासी तटबंध के विभिन्न कटान स्थलों पर नदी का दबाव बना हुआ है.

सिवान जिला के कांवरिया की करंट लगने से हुई मौत

सीवान । रोहतास जिले के प्रसिद्ध गुप्ता धाम स्थित गुप्तेश्वर महादेव का दर्शन करने जा रहे सिवान जिला के एक कांवरिया की मौत गुरुवार को थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में विद्युत तार की चपेट में आने से हो गई. मृतक संजीत साह 35 वर्ष सिवान जिला के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पटेढी गांव निवासी जग नारायण साह के पुत्र थे. साथ में आए कांवरियों ने बताया कि पिकअप से सिवान जिला से 22 कांवरियों की टीम भगवान शिव का दर्शन पूजन करने निकली थी. देवघर बाबा धाम से दर्शन करने के बाद मां ताराचंडी का दर्शन कर सभी गुप्ता धाम जाने के लिए चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में पहुंचे. गांव की गली में विद्युत तार गिरा हुआ था. टीम में शामिल संजीत का पैर विद्युत तार के संपर्क में आ गया. जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए.

पत्नी को पीट-पीट कर शराबी पति ने मौत के घाट उतारा

- पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संवाददाता । बेतिया

बेतिया में एक शराबी पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया है. वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक बारवा गांव की है. मृतका की पहचान बारवा गांव निवासी धनंजय कुमार साह की 30 वर्षीय पत्नी ममता देवी के रुप में की गई है. मृतका के परिजनों ने उसके पति और सास पर हत्या का आरोप लगाया है. इधर, घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह शराब पीने को लेकर पति पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था. इस पर शराबी पति ने पत्नी की जमकर पिटाई की, उसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी. वहीं मृतका के परिजनों ने बताया कि 4 वर्ष पूर्व हिंदू रीति रिवाज से ब्लॉक बारवा निवासी रामदेव साह के पुत्र धनंजय कुमार साह से शादी हुई थी. उनके दांपत्य जीवन से दो बच्चे है. शादी के कुछ दिनों के बाद से ही पति प्रतिदिन शराब पीकर आता था और विरोध करने पर मृतका के साथ मारपीट करता था. इधर, सूचना पर एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष डॉक्टर सपना रानी, पुलिस निरीक्षक अवनीश कुमार सदरबल घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की. एसडीपीओ ने बताया कि घटना की जांच के लिए एसएफएल टीम को बुलाया गया है.

पेज एक का शेष

यह देश की सुरक्षा...

कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए के आने की बात हो रही है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है. कोर्ट को बताया गया की संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना ले रहे हैं और वहां की भोली-भाली आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन पर कब्जा कर ले रहे हैं. इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को संथाल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड का सत्यापन करना चाहिए ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके. कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है, अन्यथा और घुसपैठिए झारखंड आते रहेंगे. राज्य सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकन होगा. कोर्ट ने मौखिक कहा की राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों को देश एवं राज्य में घुसपैठ पर मिल कर काम करना होगा. कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 22 अगस्त निर्धारित की है. दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाईकोर्ट ने पूर्व की सुनवाई में संथाल परगना के 6 जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था. साथ ही कहा था कि संबंधित जिलों के एसपी डाटा उपलब्ध कराने में उपायुक्तों को फीडबैक देंगे. वहीं मुख्य सचिव सबको मॉनिटरिंग करेंगे. संथाल में घुसपैठियों से वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

संसदीय बोर्ड के सदस्यों की जाति क्या है, महासचिवों में किस जाति की प्रधानता है और पार्टी तथा परिवार से जुड़ी संस्थाओं के उच्च पदों पर किस जाति के लोग विराजमान हैं ? फिर अपनी जाति भी तो बतानी पड़ेगी और वह भी बाकायदा प्रमाण के साथ. हमारे देश में जाति तय करने की एक ही परंपरा है और वह पितृकुल पर आधारित है. हम आप अअना धर्म तो बदल सकते हैं, इसके लिए तौर-तरीके तय हैं लेकिन जाति बदलने का कोई प्रावधान नहीं है. यानी जाति बदलने की छूट किसी को नहीं है. जाति बदलने का कोई वैधानिक उपाय हो जाए तो सभी अपनी जरूरत के हिसाब से जाति बदल लेंगे. झारखंड के कुर्मी आदिवासी बनने के लिए आंदोलन क्यों करेंगे ? फिर यह छूट उन्हें कैसे मिल गई या मिलेगी जो दूसरों की जाति पूछते घूम रहे हैं या उसकी काबिलियत की शिनाख्त उसकी जाति के आधार पर कर रहे हैं ? आप प्रधानमंत्री की जाति पूछ सकते हैं और यह आरोप भी लगा सकते हैं कि उनके पिछड़ा होने में लोचा है तो आप अपने ही मुखारविंद से अपनी कैफियत क्यों नहीं बता देते और भरी संसद में आपको कथित रूप से गाली देनेवालों का मुंह सदा के लिए बंद क्यों नहीं करा देते ? आप जाति पूछकर एक पत्रकार को अपनी सभा में पिटवाते हैं. आपको एक सहयोगी खानदानी नेता एक पत्रकार की जाति पूछकर उसे शर्म करने का सुझाव देते हैं तो कुछ बातें साफ भी हो जानी चाहिए. पर उपदेश कुशल बहुतेरे नहीं चलेगा. अगर आप लोग इस मुद्दे पर केवल गलाबाजी करेंगे और समूची राजनीति को जाति के कीचड़ में धंसाएंगे तो आप भी धसेंगे. आखिर किसी ने ईश्वर के यहां प्रार्थना पत्र तो दिया नहीं था कि वह उसे ऐसी जाति में पटक दें जो गाली सुने, लतियाई जाए और गरियाई जाए. इसलिए निंदा उनकी होनी चाहिए जो जाति के आधार पर किसी की अवमानना करते हैं, भेद करते हैं. हमें समता और समतामूलक समाज की ओर अग्रसर होना चाहिए. यदि हिंदू-मुसलमान के खून रंग लाल होता है, तो क्या दलित, आदिवासी, पिछड़ा और सवर्ण के रक्त विविधवर्णी होते हैं ? निखालिश जाति और परिवार के नाम पर बनी और चल रही पार्टियां भी आये दिन जातीय गणना का शिगूफा छोड़ती रहती हैं, लेकिन जब उन्हें सामाजिक न्याय का रथ खींचने का मौका मिलता है, तो वे उस पर अपनी बिरादरी और घर परिवार के लोगों को ही बैठाते हैं. सही है कि प्रायः सभी राजनीतिक दल टिकट बंटवारे के समय जातीय समीकरण को ही ध्यान रखते हैं. इस वजह से कर्मठ, सक्षम और प्रतिभाशाली कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो जाती हैं. लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हम जाति के आधार पर भारतीय समाज को आपस में लड़ाने का कुचक्र रचते रहें. सिर्फ जाति की राजनीति करने वाला कोई भी नेता अखिल भारतीय ख्याति न तो प्राप्त कर सका है, न प्राप्त कर पाएगा. इसलिए जातीय गणना कराइए, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम बनाइए, उनके लिए आवाज उठाइए, लेकिन किसी की योग्यता का मूल्यांकन सिर्फ जाति के आधार पर मत करिए. दूसरी बात यह है कि हम डिजिटल युग में जी रहे हैं. सबकी कथनी-करनी, उसका पाखंड और दोहरा चरित्र क्षणभर में सार्वजनिक हो जाता है. तब, "जा दिसि बहे बयार पीठ वाही दिसि कीजै" को अंगीकार करने वाले नेताओं को मुंह छिपाने के लिए बहानेबाजी का झीना परदा भी नहीं मिलता है. किसी का मूल्यांकन उसके गुण-दोष के आधार पर कीजिए, जाति, धर्म, क्षेत्र और रंग के आधार पर नहीं. स्वयं कुछ स्तुत्य उदाहरण पेश करें फिर आलोचना का अस्त्र-शस्त्र चलाएं तो वह अचूक होगा, अन्यथा नहीं.

आदिवासियों की सामाजिक...

जिन पर गौर किया जाना जरूरी है. ये हमारी पारंपरिक समाज व्यवस्था की सुरक्षा, संसाधनों पर नियंत्रण, स्वशासन व भाषा और पहचान के साथ आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है. दुर्भाग्य से देश की सरकार आदिवासियों के विकास की बातें तो करती हैं, लेकिन संविधान प्रदत्त अधिकारों के अनुपालन पर गंभीरता से पहल नहीं करती. आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं हुई झारखंड के संदर्भ में अगर हम बात करें, तो संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत कई पहलु ऐसे हैं, जिसे पूरा करने की जिम्मेवारी राज्य सरकार की है. परंतु राज्य गठन के बाद पिछले 23 वर्षों में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं की गयी. अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों का विस्तार कानून (पेसा) के तहत हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता और आदिवासी स्वशासन का संकल्प संविधान में दुहराया गया है. इसके तहत राज्य सरकारों को नियमावली बनाकर पारंपरिक ग्राम सभा को स्वशासन का अधिकार और अपने संसाधनों के आधार पर आर्थिक विकास के लिए स्वनिर्णय लेने का अधिकार प्रदान करने का संवैधानिक दायित्व है. परंतु राज्य गठन के 23 वर्षों के बाद भी पेसा कानून की नियमावली राज्य में नहीं बनी और अनुसूचित क्षेत्र की 383 पंचायतों की 16000 ग्राम सभा को आदिवासी पारंपरिक स्वशासन के तहत आत्मनिर्णय के अधिकारों से वंचित होना पड़ा. इसका परिणाम भी हमारे सामने है कि गांवों में विकास की गति नगण्य है और गांवों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है. जमीन आदिवासीयों की जीविका और सामाजिक अस्तित्व की सुरक्षा का मुख्य आधार है, परंतु आदिवासी जमीन का अवैध हस्तांतरण हमारी चिंता का विषय है.

भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए एक खतरनाक प्रकिया है : भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए खतरनाक प्रकिया है, जो हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक अस्तित्व और हमारे संसाधनों के विकास को बुरी तरह से प्रभावित करती है. दुर्भाग्य से राष्ट्रीय नीतियां भूमंडलीकरण की खुली अर्थ नीति पर ही केंद्रित है और झारखंड सरकार भी उन्ही नीतियों का पक्षधर बन कर समाज के अधिकारों की उपेक्षा करने पर मजबूर हैं. अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के प्रशासनिक व्यवस्था की बात करें तो संविधान की पांचवी अनुसूची यानी अनुच्छेद 244 (1) आदिवासियों के शासन और प्रशासन की बात करता है, जिसका उत्तरदायित्व राज्य के राज्यपाल में निहित है. हम कह सकते हैं कि झारखंड में आदिवासी समाज की सामाजिक सांस्कृतिक पहचान का सवाल अधूरा है और आदिवासी समाज की आर्थिक प्रगति को गति नहीं मिल रही है. **जय आदिवासी**

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश...

उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष से अपील की कि वे बिल का समर्थन करें, इससे उन्हें करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी. चंद लोगों ने पूरे वक्फ बोर्ड पर कब्जा करके रखा है. मुस्लिमों को जो इंसाफ नहीं मिला, उसे सही करने के लिए बिल लाया गया.

बिल के विरोध में किसने-क्या कहाः -कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा, हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों का भी सम्मान करते हैं. यह बिल झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों के लिए खास है. आप यह नहीं समझते कि पिछली बार जनता ने आपको सबक सिखाया था. एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- वक्फ प्रॉपर्टी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं है. वक्फ प्रॉपर्टी का मतलब मस्जिद और दरगाह की जगह है. सरकार कह रही है कि हम महिलाओं को मैंबर बनाएंगे. क्या वे बिलकिस बानो को मैंबर बनाएंगे. यह सरकार मुसलमानों की दुश्मन है. सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- बिल सोची समझी राजनीति के तहत पेश हो रहा है. वक्फ में गैर मुस्लिमों को शामिल करने का औचित्य नहीं है. अगर आप डीएम को ताकत दे देंगे तो गड़बड़ी होगी.

बिल के समर्थन में किसने-क्या कहाः जदयू सांसद और केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह ने कहा- इस बिल को मुसलमान विरोधी बताने की कोशिश की जा रही है. यह बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है. तेदेपा के सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने कहा- यह बिल मुस्लिमों और महिलाओं के हित में है. शिवसेना के श्रीकांत शिंदे ने कहा, देश में एक ही कानून चलेगा. आपको अलग कानून की जरूरत क्यों है. यह संशोधन दूरगामी सुधार लाएगा, ऐसा मुझे भरोसा है.

जेपीसी होती क्या है? : संसद को एक ऐसी एजेंसी की जरूरत होती है जिसपर पूरे सदन को भरोसा है. इसके लिए संसद की समितियां होती हैं. इन समितियों में संसद के सदस्य होते हैं. किसी बिल या फिर किसी सरकारी गतिविधियों में वित्तीय अनिमितताओं के मामलों की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाता है. ये समितियां दो प्रकार की होती हैं. स्थाई समितियां और अस्थाई समितियां. स्थाई समितियों का कार्यकाल एक साल होता है और इनका काम लगातार जारी होता है. वित्तीय समितियां, विभागों से संबंधित समितियां और कुछ दूसरी तरह की समितियां स्थायी समितियां होती हैं. वहीं, अस्थाई या तदर्थ समितियों का गठन कुछ खास मामलों के लिए किया जाता है. जब इनका काम खत्म हो जाता है, तो इन समितियों का अस्तित्व भी खत्म हो जाता है. जेपीसी का गठन तब होता है, जब एक सदन उसका प्रस्ताव पास कर दे और दूसरा सदन उसका समर्थन कर दे.

▼ ब्रीफ खबरें

समारोह में हमले की साजिश हुई नाकाम

वियना। अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के इस हफ्ते होने वाले तीन संगीत समारोह को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया है तथा इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय में जन सुरक्षा निदेशक फ्रांज रुफ ने बताया कि 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध के घर से रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण मिले हैं. कहा कि जांचकर्ता संदिग्ध के घर से जब्त किए गए सबूतों का मूल्यांकन कर रहे हैं.

भुवनेश्वर में विवाद में दो महिलाओं की हत्या

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के एक 'अपार्टमेंट' में बुधवार की रात वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई. वारदात एयरफील्ड पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणी प्लाजा में हुई. पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान रश्मि रंजन सेठी (28) और उनकी मित्र जुलु सेठी (35) के रूप में हुई है. उपायुक्त (डीसीपी) प्रतीक सिंह के अनुसार, वाहन की ''पार्किंग'' को लेकर हुआ विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि चाकू से दोनों पर वार किया गया.

जम्मू-कश्मीर पहुंची चुनाव आयोग की टीम

श्रीनगर। निर्वाचन आयोग की टीम के बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने के बाद उससे मिले राजनीतिक दलों के सभी प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की मांग की. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम सुबह यहां पहुंची और शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भाजपा, कांग्रेस सहित पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की.

राजस्थान के भाजपा विधायक का निधन

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर की सलूम्बर विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक अमृत लाल मीणा का बुधवार रात हृदयाघात से निधन हो गया. वह 65 वर्ष के थे. राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मीणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है.

सिद्धरमैया, शिवकुमार को कोर्ट का समन जारी

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को समन जारी कर उन्हें 29 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है. यह मामला दो साल से अधिक समय पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बार-बार पूछताछ किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन में उनकी भागीदारी से संबंधित है. ईडी द्वारा राहुल गांधी को 'अनावश्यक परेशान' किए जाने के खिलाफ जून 2022 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था. सिद्धरमैया व शिवकुमार समेत कांग्रेस नेताओं ने प्रतिबंधात्मक आदेशों की अवहेलना कर प्रदर्शन किया था.

'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी, यहां से दिखता है शहर का सुंदर नजारा

नैनीताल : बारिश से हुए भूस्खलन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' ढहा

एजेंसी। नैनीताल

'टिफिन टॉप' के नाम से प्रसिद्ध नैनीताल का लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' मंगलवार देर रात भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में ढह गया. उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि देर रात करीब 11 बजे शहर तेज आवाज से गूंज उठा और 'टिफिन टॉप' से बड़े-बड़े पत्थर नीचे गिरने लगे. उन्होंने बताया कि चूंकि क्षेत्र में उस समय कोई नहीं था, इसलिए भूस्खलन से कोई जनहानि नहीं हुई. समुद्र तल से 2290 मीटर की उंचाई पर स्थित 'डोरोथी सीट' में हर साल लाखों पर्यटक और स्थानीय लोग घूमने के लिए जाते हैं. 'टिफिन टॉप' के मार्ग में पड़ने वाली पहाड़ी पर भी गहरी दरारें आ गयीं जिससे उसके उपर बनी संरचना-एक गोल प्लेटफार्म और उस पर बनी एक 'बेंच' भी गिर गयी. 'डोरोथी सीट' से शहर का बहुत सुंदर नजारा दिखाई देता है और मौसम साफ होने पर हिमालय की चोटियां दिखाई देती हैं. 'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी जिन्हें इस जगह पर बैठकर चित्रकारी करना पसंद था. जहाज से इंग्लैंड जाते समय डोरोथी की सेप्टिसीमिया रोग से मृत्यु हो गयी थी. 'टिफिन टॉप' नैनीताल से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर है. घटना की सूचना मिलते ही मध्यरात्रि 12 बजे उपजिलाधिकारी को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी और राज्य आपदा प्रतिवादन बल की एक टीम के साथ मौके पर भेजा गया. क्षेत्र में चाय की दुकान चलाने वाले दिनेश सुंधा ने बताया कि मंगलवार रात उनका भतीजा आशुतोष दुकान के अंदर ही सो रहा था और उसी ने बताया कि रात में डोरोथी सीट स्थल गिर गया.

राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी धौलपुर में 200 मिलीमीटर बरसात हुई

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में धौलपुर में सबसे अधिक 200 मिलीमीटर बारिश हुई. जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर तथा पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ वर्षा हुई. इसी दौरान दौसा, अलवर, झुंझुनू, सवाई माधोपुर में भारी वर्षा तथा धौलपुर, करौली एवं भरतपुर जिले में अति भारी वर्षा दर्ज की गई. सबसे अधिक बारिश धौलपुर में हुई, जो 200 मिलीमीटर है. इसी तरह भरतपुर के नदबई में 15 सेंटीमीटर, धौलपुर के बाड़ी में 15 सेमी., करौली में 14 सेमी., दौसा के महुआ में नौ सेमी., अलवर के कठूमर में नौ सेमी., झुंझुनू के पिलानी में आठ सेमी. बारिश हुई.

हिमाचल प्रदेश में 10 व 11 अगस्त के लिए भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट

शिमला। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर सप्ताहांत में गरज-चमक और आंधी के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया. राज्य में मॉनसून की सक्रियता के बीच अगले 24 घंटे में सिरमौर, चंबा, शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के बाढ़ के खतरे की भी चेतावनी दी है. बुधवार शाम साढ़े पांच बजे के बाद से शिलारू में सबसे अधिक 86.4 मिली बारिश दर्ज की गई, इसके बाद बग्गी में 76.6 मिमी, सुंदरनगर में 64.2 मिमी, मंडी में 60.2 मिमी, गोहर में 57.4 मिमी, जोगिंदरनगर में 53 मिमी, पंडोह में 50 मिमी, पालमपुर में 48.8 मिमी, धर्मशाला में 38 मिमी, कुफरी में 24 मिमी बारिश हुई.

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली, कहा

नागरिकों की सुरक्षा करेगी सरकार

एजेंसी। ढाका

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली. यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई. वर्ष 2006 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था. इससे पहले आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थीं.

छोटे-छोटे ऋण के मामले में अपने शानदार कार्यों के लिए 2006 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले यूनुस (84) ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए यूनुस दुबई से होते हुए स्वदेश लौटे. यूनुस को लेकर अमीरात की उड़ान (ईके-582) स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:10 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां, वरिष्ठ अधिकारियों, छात्र नेताओं और सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया. हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने उन युवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने हसीना के खिलाफ आंदोलन को सफल बनाया. उन्होंने कहा, 'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' यूनुस ने कहा, 'देश अब आपके हाथों में है. अब आपको अपनी आकांक्षाओं के अनुसार इसका पुनर्निर्माण करना है. आपको देश के निर्माण के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करना होगा. आपने देश के लिए आजादी हासिल की है.' उन्होंने कहा, 'हम जो सरकार बनाएंगे वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी.' यूनुस ने नागरिकों से विरोध प्रदर्शन के दौरान पैदा हुई अराजकता से देश को बचाने को कहा. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश एक बहुत खूबसूरत देश हो सकता है और हम इसे ऐसा बना सकते हैं.' उन्होंने अबू सईद को भी श्रद्धांजलि दी, जो बेगम रोकेया विश्वविद्यालय के छात्र थे और छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारे गए शुरुआती लोगों में से एक थे.

ढाका में मीडिया से मोहम्मद यूनुस ने कहा-'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' प्रेट्र

हसीना के बेटे ने कहा-आईएसआई फैला रही देश में अशांति

लोकतंत्र बहाल होने पर हसीना स्वदेश लौटेंगी

कोलकाता। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भारत पहुंचीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां अपने देश लौटेंगी. उन्होंने कहा कि उनके देश में अशांति फैलाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है. 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि हालांकि 76 वर्षीय हसीना निश्चित रूप से बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि वह सेवानिवृत्त नेता के रूप में लौटेंगी या सक्रिय नेता के रूप में. उन्होंने कहा कि शेख मुजीब (शेख मुजीबुर रहमान) परिवार के सदस्य न तो अपने लोगों को छोड़ेंगे और न ही संकटग्रस्त अवामी लीग को बेसहारा छोड़ेंगे. जॉय ने अपनी मां की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भारत से अंतरराष्ट्रीय राय बनाने में मदद करने और बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए दबाव बनाने की अपील की. उन्होंने कहा, 'हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि

वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी. लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमलों के बाद पिछले दो दिन में बहुत कुछ बदल गया है. अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें जो भी करना होगा वह करने जा रहे हैं. हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे.' जॉय ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, 'बांग्लादेश में अवामी लीग सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते. लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह (हसीना) निश्चित तौर पर बांग्लादेश लौटेंगी.' अवामी लीग को 'भारत की सदाबहार सहयोगी' करार देते हुए उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए. बांग्लादेश में बनने वाली अंतरिम सरकार से जॉय ने कानून एवं व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया और कहा कि 'देश अराजकता के गर्त में जा रहा है तथा क्षेत्र में दूसरा अफगानिस्तान बन रहा है.'

उम्मीद है अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी : उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि जब भी लोकतंत्र बहाल होगा और नया चुनाव होगा तो अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी. जॉय ने कहा, 'आप अवामी लीग को बाहर नहीं कर सकते हैं और बांग्लादेश में कभी भी प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं रख सकते हैं. उनके (मोहम्मद यूनुस) व्यक्तिगत विचार जो भी हों, उन्होंने कहा है कि वह एकता सरकार चाहते हैं तथा आगे बढ़ना चाहते हैं और अतीत की गलतियों की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहते हैं. मुझे आशा है कि वह अपनी बात पर कायम रहेंगे.' जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल हो जाने पर अवामी लीगा या बीएनपी सत्ता में आएगी, और 'मुजीब परिवार तथा शेख हसीना साथ में रहेंगे.' उन्होंने कहा, 'वह पिछले दो दिन से हमारी पार्टी के सभी नेताओं के संपर्क में हैं.'

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ तत्काल हिंसा रोकने का आह्वान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। दो प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा को तत्काल रोके जाने का आह्वान किया है. सांसदों ने अंतरिम सरकार के मनोनीत प्रधानमंत्री नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस से भी आग्रह किया है कि वह देश की बागडोर संभाले पर कानून का शासन बनाए रखें.

दो प्रभावशाली सांसदों की यह टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ अपराध में वृद्धि और हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के बीच कई हिंदू-अमेरिकी समूहों द्वारा विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करने के एक दिन बाद आई है. उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा करने में अमेरिकी संसद और प्रशासन की विफलता अस्वीकार्य है. बांग्लादेश में अनेक हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुई हैं. हसीना के इस्तीफा देकर सोमवार को भारत पहुंचने के बाद से हिंसा में हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेता मारे गए हैं. सांसद रो खन्ना ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बांग्लादेशी छात्रों को प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ सिर्फ मानवाधिकार की चिंता थी. यह अच्छा है कि वह चली गईं. लेकिन अब हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा गलत है. यूनुस को कानून का शासन बनाए रखना चाहिए और मंदिरों या किसी भी राजनीतिक दल या आस्था के लोगों को हिंसा से बचाना चाहिए.' सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, 'मैं सभी सरकारी अधिकारियों, नए प्रशासन और पुलिस प्रमुख तथा बांग्लादेश के लोगों से देश भर में फैली हिंसा को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह करता हूं.'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार बृहस्पतिवार को शपथ ले सकती है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बुधवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, 'हम बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और हमने साफ तौर पर अंतरिम सरकार के नेता के रूप में मोहम्मद यूनुस की नियुक्ति देखी है.' उन्होंने बांग्लादेश में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, 'हमें लगता है कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश में दीर्घकालिक शांति और राजनीतिक स्थिरता कायम करने में अहम भूमिका निभाएगी.' इस बीच, विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अंतरिम सरकार के संबंध में सभी फैसलों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों, कानून के शासन और बांग्लादेश के लोगों की इच्छा का सम्मान होना चाहिए. प्रवक्ता ने एक सवाल पर कहा, 'हम समझते हैं कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं. हम अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह बांग्लादेश के लोगों के लिए लोकतांत्रिक भविष्य की योजना बना रही है.' यूनुस ने बुधवार को सभी से 'नयी जीत' का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए 'शांति कायम करने' और 'हर प्रकार की हिंसा से बचने' की अपील की.

अराजकता के बीच बांग्लादेश में लोग जाग कर गुजार रहे रातें

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में मे व्याप्त अराजक माहौल के बीच अपराधियों द्वारा लूटपाट किए जाने और डकैती डाले जाने के डर से लोग पूरी रात जागकर बिता रहे हैं और अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए खुद ही सड़कों पर पहरा दे रहे हैं. पिछले दो दिनों से अपराधियों के गिरोह निवासियों के घरों में लूटपाट और डकैती डाल रहे हैं. डकैती और लूटपाट के डर के कारण कई निवासियों ने बुधवार पूरी रात जगकर बिताई. ढाका के एक छोर से दूसरे छोर तक, खासकर उत्तरा से मोहम्मदपुर तक लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं.

बांग्लादेश की समाचार वेबसाइट 'बीडीन्यूज 24. कॉम' की एक खबर में बताया गया कि उत्तरा और मोहम्मदपुर समेत कई इलाकों में निवासी अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सड़कों में पहरा दे रहे हैं. ढाका विश्वविद्यालय में अंशकालिक शिक्षक और मोहम्मदपुर के बोसिला की रहने वाली नाजवी इस्लाम ने बताया कि लुटेरों ने मंगलवार रात इलाके में आतंक मचाया. मस्जिदों से लगातार लोगों को सतर्क रहने का एलान किया जा रहा है. लोगों ने समूहों में बुधवार रात सड़कों पर पहरा दिया और उनके हाथों में लाठी-डंडे व बल्लियां थीं. मदरसे के सैकड़ों छात्रों ने भी इलाके की रखवाली की. छात्र छोटे-छोटे समूहों में बंट गए और उन्होंने सरकारी इमारतों, सार्वजनिक संपत्तियों की रखवाली की.

धन की आपूर्ति बाधित

वहीं 'डेली स्टार' में प्रकाशित खबर में नबोदय आवासीय क्षेत्र के एक निवासी के हवाले से बताया गया कि 'कल रात कुछ लोग हथियार लेकर पड़ोसी के घर घुस गए उन्होंने जबरन मेन गेट खोला और नकदी और जेवरात लूट लिए.' डेली स्टार ने बैंक कर्मचारियों के हवाले से बताया कि सुरक्षा न होने के कारण बैंकों में धन की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे अधिकांश एटीएम में नकदी नहीं है और यहां तक कि कई बैंक शाखाओं में भी नकदी खत्म हो गई है. इस बीच, देश के राजनीतिक दलों ने अंतरिम मंत्रिमंडल के स्वरूप पर चर्चा की. बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अंतरिम सरकार में 15 नेताओं के नामों की कथित तौर पर सूची तैयार की है.

शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से 232 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हुई हिंसक घटनाओं में देशभर में कम से कम 232 लोगों की मौत हुई है. इससे पहले 16 जुलाई से मध्य में शुरू हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के बाद से मरने वालों का आंकड़ा 560 हो गया है.

मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में यह जानकारी दी गई है. हसीना ने अपने शासन के खिलाफ कई हफ्ते तक चले छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं. 'प्रोथोम अलो' अखबार के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बुधवार शाम तक कुल 232 लोगों की मौत हो चुकी थी. इससे पहले, 16 जुलाई से चार अगस्त तक सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हुई झड़पों में लगभग 328 लोग मारे गए थे. कुल मिलाकर, पिछले 23 दिनों में तकरीबन 560 लोग मारे गए. 232 में से ज्यादातर लोगों की मौत मंगलवार को हुई. कुछ लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. गाजीपुर में मंगलवार को काशीमपुर की उच्च सुरक्षा वाली जेल से करीब 209 कैदी भाग गए. जेल के सुरक्षाकर्मियों ने कैदियों को भागने से रोकने के लिए गोलियां चलाईं. जेल सूत्रों ने बताया कि इस घटना में तीन उग्रवादियों समेत छह लोगों की मौत हो गई.

कार्यस्थलों पर लौटने लगे पुलिस कर्मचारी

बांग्लादेश में नवनियुक्त प्रमुख के आह्वान पर पुलिसकर्मी कार्यस्थलों पर धीरे-धीरे लौटने लगे हैं. विद्यार्थियों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद कई पुलिस थानों पर हमला किया गया और उनमें आग लगा दी गई. इसके चलते कई अधिकारियों ने और अधिक हमलों के खतरे को देखते हुए अपने थाने छोड़ दिये. छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित 400 से अधिक लोग मारे गए. नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मोहम्मद मैनुल इस्लाम ने बुधवार को अधिकारियों को अगले 24 घंटे के भीतर अपनी-अपनी इकाइयों से जुड़ने का आदेश दिया था.

दौरा राष्ट्रपति तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में न्यूजीलैंड पहुंचीं, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

मुर्मू ने गवर्नर जनरल, उप प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी। वेलिंगटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. मुर्मू तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं. यहां पहुंचने पर उन्हें शाही सलामी गारद दिया गया.

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की

और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की.' बाद में पीटर्स ने भी राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की. पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं. मुर्मू के कार्यालय ने कहा, 'दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को रेखांकित किया और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया.' उन्होंने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की. मुर्मू ने कहा, 'शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है. मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया है.'

अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह

राष्ट्रपति ने कहा कि आज, भारत में एक युवा आकांक्षी जनसांख्यिकी है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए तैयार है. भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम संभव शिक्षा की आकांक्षा रखते हैं और यह वास्तव में स्वागत योग्य है कि कई भारतीय छात्र न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. 8,000 भारतीय छात्र पूरे न्यूजीलैंड में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे वह यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है. कहा कि न्यूजीलैंड अनुसंधान और नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है. कहा कि न्यूजीलैंड शिक्षा सम्मेलन शिक्षा में जारी सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का शानदार अवसर प्रदान करता है.

जापान में भूकंप के तगड़े झटके

- सुनामी की चेतावनी, गंभीर क्षति की तत्काल सूचना नहीं
- स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह

एजेंसी। टोक्यो

जापान के दक्षिणी तट पर बृहस्पतिवार को भूकंप के तगड़े झटके महसूस किये गये जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई. स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया, लेकिन किसी के घायल होने या गंभीर क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई.

एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था. भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किये गये. एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं. मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान के एनएचके टेलीविजन ने कहा कि भूकंप के केंद्र के निकट मियाजाकी हवाई अड्डे पर खिड़कियों के टूटने की खबरें हैं. परमाणु विनियमन प्राधिकरण ने कहा कि क्यूशू और शिकोकू पर स्थित सभी 12 परमाणु रिएक्टर सुरक्षित हैं, जिनमें से तीन वर्तमान में संचालित हैं. मार्च 2011 में आये भीषण भूकंप और सुनामी के बाद से फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों वाले क्षेत्रों में भूकंप एक बड़ी चिंता का विषय रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)